{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 31 अगस्त 2026
भाद्रपद कृष्ण 02 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 337
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

चित्रकूट में बाढ़ से हालात होटलों में फंसे लोग, हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू

6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, बिहार में गंगा-गंडक उफान पर, 15 जिले हाई अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में मानसून का असर अलग-अलग रूप में देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश के चित्रकूट समेत कई जिलों में भारी बारिश के बाद बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, जबकि बिहार में गंगा और गंडक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। दूसरी ओर राजस्थान के 17 जिलों में मानसून कमजोर रहने से सूखे जैसे हालात पैदा हो गए हैं। मौसम विभाग ने अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है।

बिहार में गंगा-गंडक का जलस्तर बढ़ा

बिहार में भी नदियों के बढ़ते जलस्तर ने चिंता बढ़ा दी है। पटना में दीघा घाट डूब चुका है, जबकि पश्चिम चंपारण के बगहा स्थित डुमरिया घाट पर गंडक नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रशासन ने राज्य के 15 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा गया है।

मंदाकिनी खतरे के निशान से 26 फीट ऊपर

मध्य प्रदेश के सतना, चित्रकूट, टीकमगढ़, छतरपुर और पन्ना में भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से करीब 26 फीट ऊपर पहुंच गया। घाटों के आसपास करीब 400 दुकानें पानी में डूब गईं। कई लोग घरों और होटलों में फंस गए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। दो हेलिकॉप्टरों के साथ एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम जारी है।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन बारिश

छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिनों तक बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार से प्रदेश में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होगी, जबकि कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर पहाड़ी दरकी

उत्तराखंड में भी बारिश के कारण परेशानी बढ़ी है। नैनीताल जाने वाली मुख्य सड़क पर पहाड़ी दरकने से नैनीताल-काठगोदाम मार्ग पर जाम लग गया। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के बीच भूस्खलन का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसे देखते हुए प्रशासन को संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और आपदा प्रबंधन टीमों को तैयार रखने की सलाह दी गई है।

राजस्थान में 17 जिलों में सूखे जैसे हालात

मानसून की कमजोर स्थिति ने राजस्थान में चिंता बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जयपुर समेत 15 शहरों में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। कमजोर मानसून के कारण जयपुर सहित राज्य के 17 जिलों में सूखे जैसे हालात बताए जा रहे हैं। बारिश की कमी से किसानों और खेती पर भी असर पड़ने की आशंका है।

युवा नशा मुक्ति थीम पर कंटेंट बनाएं- पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 137वें एपिसोड में युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान को जन-आंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले वीडियो और अन्य कंटेंट तैयार करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'मन की बात' देश में हो रहे नए और प्रेरणादायक प्रयासों को सामने लाने का मंच बन गया है।

पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं की रचनात्मकता और सोशल मीडिया की पहुंच का इस्तेमाल नशे के खिलाफ अभियान को मजबूत करने में किया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से नशा मुक्ति की थीम पर कंटेंट बनाकर अधिक से अधिक लोगों तक जागरूकता का संदेश पहुंचाने को कहा। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के दौरान देश में चले तिरंगा अभियान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस बार 8 करोड़ से अधिक तिरंगा सेल्फी अपलोड की गईं। उन्होंने 'सूर्यपथ तिरंगा' का उल्लेख करते हुए कहा कि फिजी से लेकर दुनिया के कई हिस्सों में तिरंगा शान से फहराया गया। पीएम ने कहा कि अगस्त का महीना देशभक्ति के रंगों से भरा रहता है और इस बार 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के कारण यह और खास हो गया है।

बढ़ रही एवोकाडो की मांग, किसान कमा रहे मुनाफा

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में बढ़ती एवोकाडो की मांग का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इसकी खेती से किसान अच्छी कमाई कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के कडपा के किसान वरदराज का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि किसान ने करीब 4 टन एवोकाडो का उत्पादन कर स्थानीय बाजार में इसकी आपूर्ति की।

युवाओं ने बदली गंगा घाटों की तस्वीर

स्वच्छता के महत्व पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब स्वच्छता का संकल्प लोगों की आदत बन जाता है तो पूरे इलाके की पहचान बदल सकती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के रामपुर स्थित पटवाई गांव के आकाश और रोहन का उदाहरण दिया। दोनों ने 'क्लीन-अप पटवाई' टीम बनाकर युवाओं के साथ चार गंगा घाटों की सफाई की, कई तालाबों को संवारा और एक टन से अधिक प्लास्टिक कचरा हटाया।

खास खबर

आतंकी साजिश में दोषी को सात साल की कैद

नई दिल्ली। आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सैयद फासिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान को सात साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 48 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुसार, मामले में साजिश का उद्देश्य लक्षित हत्याओं को अंजाम देकर सांप्रदायिक दंगे भडक़ाना और प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाना था।एनआईए की जांच के मुताबिक, इस मामले में मुख्य आरोपी मेहबूब पाशा ने बंगलूरू के गुरप्पनपाल्या स्थित अपने घर पर कई बैठकें की थीं। इन्हीं बैठकों में कथित तौर पर लक्षित हत्याओं की योजना बनाई गई थी। जांच एजेंसी का कहना है कि इस साजिश का मकसद सांप्रदायिक तनाव भडक़ाने के साथ आईएसआईएस के लिए एक विलायत यानी प्रांत स्थापित करना था।

विजय सरकार ने घटा दी स्टालिन की सिक्योरिटी

चेन्नई। तमिलनाडु की विजय सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की सुरक्षा घटा दी है। डीएमके चीफ को पहले जेड प्लस सिक्योरिटी मिली हुई थी। अब उसे घटाकर जेड श्रेणी कर दी गई है। इस फैसले के बाद अब स्टालिन की सुरक्षा में 54 की जगह 34 सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। मुख्य सचिव साई कुमार की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में गृह सचिव के. मणिवासन और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी शामिल हुए। इस मीटिंग में स्टालिन को उपलब्ध कराई जा रही सुरक्षा की समीक्षा की गई। खतरे के आकलन और सुरक्षा जरूरतों के आधार पर उनकी सुरक्षा को जेड+ से घटाकर जेड श्रेणी करने का फैसला लिया गया। बता दें कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस जैसे सरकारी पदों पर तैनात बड़े अफसरों को सुरक्षा सरकार की ओर से दी जाती है। इसमें ऊंचा रुतबा रखने वाले लोगों को भी केंद्र सरकार सिक्योरिटी देती है। सरकार ने सिक्योरिटी की पांच कैटेगरी बना रखी है।

ई20 पेट्रोल पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली। ई20 पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में होगी। नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका दायर की है। जिसमें कहा गया है कि, पेट्रोल पंप के नॉजिल पर यह स्पष्ट तौर पर लिखा होना चाहिए कि, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग की मात्रा कितनी है। सुप्रीम कोर्ट इसी याचिका की सुनवाई करेगा। अदालत की 31 अगस्त की कॉज लिस्ट के मुताबिक, मामला जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच के सामने पेश किया जाएगा।

कुछ ना कहना

आईएएस दिव्या मित्तल ने इस्तीफा दिया

लखनऊ। यूपी की चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल (43) ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। अभी वह लखनऊ में राजस्व विभाग में विशेष सचिव थीं। दिव्या ने मुख्य सचिव एसपी गोयल को इस्तीफा भेज दिया है। रविवार सुबह उन्होंने फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। दिव्या मित्तल का अचानक इस्तीफा ब्यूरोक्रेसी में सुर्खियों में है। इस्तीफा क्यों दिया, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, चर्चा है कि 4 महीने से वह साइडलाइन थीं। फील्ड पोस्टिंग चाहती थीं। 2013 बैच की दिव्या मित्तल 13 साल से नौकरी कर रही थीं। अभी उनकी 17 साल की नौकरी बची हुई थी। दिव्या मित्तल मिर्जापुर, बस्ती और देवरिया की डीएम रह चुकी हैं। काम को लेकर बेहद सख्त मानी जाती थीं। अफसरों को मौके पर ही फटकार लगा देती थीं। 4 महीने पहले ही देवरिया डीएम से उनका ट्रांसफर लखनऊ हुआ था।

आईपीएस जगमोहन मीणा का इस्तीफा नामंजूर, सेवा में बरकरार

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने 2013 बैच के आईपीएस अधिकारी जगमोहन मीणा का इस्तीफा नामंजूर किया है। इसके साथ ही, मीणा भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के पद पर सेवा में बरकरार रहने वाले है। आईपीएस मीणा ने जुलाई में व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दिया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि यह निर्णय उन्होंने परिवार और मित्रों से चर्चा के बाद लिया है और उनके इस्तीफे के पीछे कोई बाहरी दबाव या राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं है। राजस्थान के सीकर मूल के और आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र मीणा ने ओडिशा कैडर में रहते हुए अंगुल, गंजाम और मलकानगिरी के एसपी सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। उन्हें वर्ष 2019 में वीरता पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। उनके इस्तीफे के बाद ऐसी अटकलें थीं कि वे राजस्थान लौटकर पारिवारिक कारोबार से जुड़ सकते हैं, हालांकि उन्होंने अपने भविष्य की योजनाओं को निजी बताया था। अब इस्तीफा नामंजूर होने के बाद उनके आगे के कदम को लेकर स्थिति फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में सीजेआई बोले

गंभीर मामलों में संसद का इंतजार नहीं करती न्यायपालिका

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा है कि नए तरह के अपराधों से निपटने के लिए न्यायपालिका संसद द्वारा कानून बनाए जाने का इंतजार नहीं करती। उन्होंने 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे साइबर फ्रॉड का उदाहरण देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वत: संज्ञान लेकर कार्रवाई की और केंद्र व राज्यों को जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। सीजेआई ने लंदन में आयोजित 43वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन इकोनॉमिक क्राइम के समापन समारोह में यह बात कही। उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों में ठग वीडियो कॉल के जरिए खुद को पुलिस, न्यायपालिका या सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं और उनसे पैसे ऐंठते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2025 में इस मामले पर स्वत: संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्यों से डिजिटल अरेस्ट की समस्या का आकलन करने तथा इसे अलग अपराध के रूप में परिभाषित करने की दिशा में कदम उठाने को कहा था।

सीजेआई सूर्यकांत ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकने वाले कानून पीएमएलए के कथित दुरुपयोग से जुड़ी शिकायतों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवस्था पूरी तरह अचूक नहीं होती। जांच एजेंसियों पर गिरफ्तारी के स्पष्ट कारण नहीं बताने और जरूरत से ज्यादा हिरासत में रखने जैसे आरोप लगाए गए हैं। ऐसे मामलों में न्यायपालिका ने हस्तक्षेप कर राहत दी है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में बताना जरूरी है। केवल मौखिक रूप से कारण बताना पर्याप्त नहीं है। सीजेआई ने अरविंद केजरीवाल बनाम प्रवर्तन निदेशालय मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि मुकदमे से पहले लंबे समय तक हिरासत में रखना किसी व्यक्ति के लिए सजा का विकल्प नहीं बनना चाहिए।

अवैध धन की बरामदगी बड़ी चुनौती

सीजेआई ने कहा कि दुनियाभर में हर साल बड़े पैमाने पर अवैध धन की मनी लॉन्ड्रिंग होती है, लेकिन उसकी तुलना में बरामद होने वाली रकम बेहद कम है। उनके मुताबिक अवैध संपत्ति और धन को वापस हासिल करना अभी भी आर्थिक अपराधों से निपटने की सबसे बड़ी चुनौतियों में शामिल है।

कौटिल्य के अर्थशास्त्र का दिया उदाहरण

भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए सीजेआई ने करीब 2300 साल पुराने कौटिल्य के अर्थशास्त्र का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि इसमें सरकारी अधिकारियों द्वारा राजकोष से धन निकालने के विभिन्न तरीकों का उल्लेख मिलता है।

सवाल पूछने या असहमति जताने पर छात्रों को धमकाना असंवैधानिक- जस्टिस भुइयां

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने दिल्ली के नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि छात्रों को केवल इसलिए धमकाया या दंडित नहीं किया जा सकता, क्योंकि उन्होंने पद पर बैठे अधिकारियों से अलग विचार जाहिर किए हैं। जस्टिस भुइयां ने स्पष्ट किया कि सवाल पूछने का अधिकार लोकतांत्रिक नागरिकता का मूल तत्व है, यह अवज्ञा का कृत्य नहीं, बल्कि नागरिकता, स्वतंत्रता और संवैधानिक जिम्मेदारी की अनिवार्य अभिव्यक्ति है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सवाल पूछने पर छात्रों को डराना या उन्हें सजा देना संविधान के खिलाफ है और यह सत्ता व पद का दुरुपयोग है। विश्वविद्यालयों में मुक्त विचार और कठिन सवालों के लिए जगह होनी चाहिए। जस्टिस भुइयां ने कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं कि सभी लोग एक ही तरह सोंच रहे। संविधान विभिन्न विश्वासों,विचारों और मान्यताओं वाले लोगों को समान गरिमा के साथ रहने और लोकतांत्रिक जीवन में भाग लेने का ढांचा देता है। मतभेद होना स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार करना जरूरी है, क्योंकि असहमति के बिना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ ही समाप्त होता है।

जस्टिस भुइयां ने असहिष्णुता को संविधान की मूल भावना के विपरीत बताया, जो एक प्रकार की हिंसा बन सकती है।

पंचायत प्रतिनिधियों के टीए-डीए और समारोह पर रोक

नई दिल्ली। 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के आधार पर ग्रामीण स्थानीय निकायों को मिलने वाले अनुदान के उपयोग की केंद्र सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है। यह दिशा-निर्देश वित्त आयोग के 2026-27 से 2030-31 के लिए लागू किए गए हैं। गाइडलाइन में वित्त आयोग की राशि को पंचायतों के विकास कार्यों पर खर्च करने पर जोर दिया गया है। उपलब्ध आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार अनुदान का उपयोग पंचायत प्रतिनिधियों के वेतन, स्थापना संबंधी खर्च या अन्य गैर मदों में नहीं किया जा सकेगा। वित्त आयोग ने स्पष्ट किया है कि अनटाइड ग्रांट का इस्तेमाल भी स्थानीय जरूरतों और संविधान की 11वीं अनुसूची में शामिल 29 विषयों के लिए ही किया जायेगा। 16वें वित्त आयोग ने ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए पांच वर्षों में 4.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के अनुदान की सिफारिश की है। इसमें 80 प्रतिशत बेसिक और 20 प्रतिशत परफॉर्मेंस ग्रांट है। बेसिक ग्रांट का आधा हिस्सा स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन और जल प्रबंधन जैसे कार्यों के लिए निर्धारित किया गया है। टीए-डीए और समारोह पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर आधिकारिक गाइडलाइन में स्पष्ट शब्दों में प्रावधान की पुष्टि नहीं हुई है।

अवैध गिरफ्तारी पर कर्नाटक हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकारा, डीसीपी हाजिर हों -कोर्ट ने कहा-

सिर्फ वर्दी पहनने से नागरिकों की स्वतंत्रता से खिलवाड़ नहीं कर सकते

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने व्हाइटफील्ड पुलिस द्वारा एक व्यक्ति को कथित तौर पर अवैध रूप से हिरासत में लेने के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए व्हाइटफील्ड डिवीजन के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सैदुलु अदावथ को तलब कर फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि पुलिस नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को कानून के विपरीत सीमित नहीं कर सकती। कोर्ट ने राज्य के पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक (डीजीपी-आईजीपी) को सभी रैंकों के पुलिसकर्मियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने का आदेश दिया।

न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने हिंदू राष्ट्र समन्वय समिति के मोहन गौड़ा की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि यदि पुलिसकर्मी अवैध गिरफ्तारी या हिरासत में शामिल पाए जाते हैं तो उनके पद या रैंक की परवाह किए बिना अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसे मामलों को अदालत के संज्ञान में लाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों पर भारी जुर्माना भी लगाया जा सकता है। मामला स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के शो के रद्द होने से संबंधित एक फेसबुक पोस्ट को लेकर

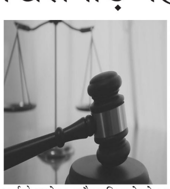

दर्ज केस से जुड़ा है। पुलिस ने मोहन गौड़ा के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया था। पोस्ट में शो रद्द होने को 'हिंदू एकता की जीत' बताया गया था। समिति की ओर से व्हाइटफील्ड में शो की अनुमति नहीं देने की मांग को लेकर पुलिस से शिकायत भी की गई थी।

अदालत ने पाया कि पुलिस ने 4 अगस्त को रात करीब 2 बजे मामला दर्ज किया। इसके अगले दिन दो सब-इंस्पेक्टर और दो कांस्टेबल उडुपी पहुंचे, जहां याचिकाकर्ता मौजूद था। पुलिस उसे उसकी कार में व्हाइटफील्ड ले आई। अदालत ने इस कार्रवाई के तरीके पर भी सवाल उठाया। कोर्ट ने पाया कि पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर पुलिस ने याचिकाकर्ता को 5/6 अगस्त 2026 की तारीख वाला भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35(3) के तहत नोटिस दिया। खास बात यह है कि इस नोटिस में उसे अगले तीन दिनों के भीतर पूछताछ के लिए पेश होने को कहा गया था।

कोर्ट ने इसे गंभीर उल्लंघन माना, क्योंकि नोटिस दिए जाने से पहले ही याचिकाकर्ता पुलिस की हिरासत में था। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि जब नोटिस में व्यक्ति को तीन दिन का समय दिया गया था तो पुलिस को उसे उडुपी से पकड़कर व्हाइटफील्ड लाने की जरूरत क्यों पड़ी। सुनवाई के दौरान डीसीपी ने कहा- याचिकाकर्ता के स्वेच्छा से अपनी निजी कार से व्हाइटफील्ड पुलिस स्टेशन आने की बात कही। वहीं, याचिकाकर्ता के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि उसे परिणाम भुगतने की चेतावनी देकर लाया गया था और दो सब-इंस्पेक्टर व दो कांस्टेबल भी उसकी कार में साथ आए थे। बाद में डीसीपी ने कहा, कि याचिकाकर्ता फोन नहीं उठा रहा था, इसलिए पुलिस को उडुपी जाना पड़ा। इस पर अदालत ने कहा कि जब नोटिस में ही पेश होने के लिए तीन दिन का समय दिया गया था तो तत्काल उसे हिरासत में लेने की कार्रवाई उचित नहीं ठहराई जा सकती।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के मंच शुद्धिकरण पर भड़कीं प्रियंका गांधी वाड्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की रैली के मंच के शुद्धिकरण को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमलावार है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि यदि वे वास्तव में संविधान का सम्मान करते हैं, तब घटना में शामिल लोगों के खिलाफ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) कानून के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराए। प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी पोस्ट में कहा कि हल्द्वानी में कांग्रेस नेता खरगे की रैली के बाद भाजपा-आरएसएस से जुड़े लोगों द्वारा मंच का शुद्धिकरण किया गया। उन्होंने इस कृत्य को निंदनीय और शर्मनाक मानसिकता का प्रतीक बताकर संविधान और एससी/एसटी कानून का गंभीर उल्लंघन और अपराध करार दिया। कांग्रेस महासचिव ने घटना को 20 दिन बीत जाने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की ओर से कोई कार्रवाई न होने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मोदी देश के संविधान का सम्मान करते हैं, तब उन्हें उत्तराखंड में इस अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ तुरंत एफआईआर करवाकर एससी/एसटी कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए।

रेलवे इतिहास में गुजरात की नई उड़ान

देश की पहली एलएनजी-डीजल डुअल फ्यूल डेमू ट्रेन 4 सितंबर को भरेगी रफ्तार

अहमदाबाद। भारतीय रेलवे के इतिहास में गुजरात के नाम एक और गौरवशाली उपलब्धि जुड़ने जा रही है। देश की पहली एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) और डीजल आधारित डुअल-फ्यूल डेमू ट्रेन अहमदाबाद के साबरमती रेलवे स्टेशन से अपनी ऐतिहासिक यात्रा शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आधुनिक तकनीक और पर्यावरण संरक्षण का बेहतरीन संगम मानी जा रही इस ट्रेन को आगामी 4 सितंबर 2026 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह पहल भारतीय रेलवे के लिए न केवल तकनीकी नवाचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि स्वच्छ और हरित ऊर्जा आधारित परिवहन व्यवस्था की ओर भी एक बड़ी छलांग मानी जा रही है। इस परियोजना के माध्यम से रेलवे डीजल पर अपनी निर्भरता कम करने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी लाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए साबरमती कोचिंग डिपो में विशेष रूप से 1400 हॉर्सपावर क्षमता वाले दो पावर कार इंजन तैयार किए गए हैं। अत्याधुनिक डुअल-फ्यूल तकनीक से लैस इन इंजनों को इस तरह विकसित किया गया है कि वे डीजल और एलएनजी दोनों ईंधनों का उपयोग कर सकें। ट्रेन को यात्रियों के लिए पटरी पर उतारने से पहले रेलवे प्रशासन ने इसकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और परिचालन क्षमता की व्यापक जांच की है।

4,618 लोगों की जांच, 10,701 बच्चों का टीकाकरण; प्रभावित गांवों में राहत अभियान तेज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रभावित ग्रामों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य परीक्षण, दवा वितरण एवं उपचार कर रही हैं। आज 32 लोगों को बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। अभियान के दौरान अब तक 356 मरीज जिला चिकित्सालय भेजे गए, जिनमें 278 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं और 78 उपचाररत हैं। घर-घर स्वास्थ्य सर्वेक्षण में अब तक 4,618 लोगों की जांच की गई, जिसमें 939 मरीज विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मिले। इनमें 278 को अस्पताल तथा 583 को घर पर उपचार दिया गया। प्रभावित क्षेत्रों में 20 सर्वेक्षण टीमों, 10 चिकित्सा अधिकारियों, 04 एम्बुलेंस एवं 04 पीएम जन एंबुलेंस की सेवाएं लगाई गई हैं। बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। आज 792 बच्चों को विटामिन-ए, ओआरएस एवं जिंक, 735 बच्चों को आयरन सिरप तथा 642 बच्चों को एल्बेंडाजोल दिया गया। अब तक 190 सत्रों में 10,701 बच्चों का टीकाकरण किया जा चुका है। मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए 61 गांवों के 3,920 घरों में कीटनाशक छिड़काव तथा 86 ग्रामों में 6,550 इंडोर एवं आउटडोर फॉगिंग की गई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में जल स्रोतों का क्लोरीनेशन, जल परीक्षण, ब्लीचिंग छिड़काव एवं हैंडपंप सुधार के कार्य किए जा रहे हैं। आज 34 जल स्रोतों का क्लोरीनेशन, 10 जल स्रोतों से पानी के नमूने संग्रहित करने तथा 02 हैंडपंपों का सुधार किया गया। प्रभावित क्षेत्र के 23 परिवारों को 'राशन आपके द्वार' योजना एवं उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से खाद्यान्न वितरित किया गया। बिरसा विकासखंड में 10 पशुओं की जांच कर आवश्यक दवाइयां दी गईं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में साफ-सफाई, बच्चों को भोजन तथा महिलाओं एवं बच्चों को पोषण आहार उपलब्ध कराया गया।

बिरसा क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की सतत निगरानी, 356 में से 278 बच्चे स्वस्थ होकर लौटे घर

विशेष अभियान में 10 हजार 701 बच्चों का हुआ टीकाकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा विकासखंड के ग्राम कुंडेकसा, अडोरी, कोरका एवं बांदरी सहित प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मौसमी बीमारियों एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की रोकथाम एवं उपचार के लिए लगातार स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विगत एक माह में विभिन्न बीमारियों से पीड़ित 356 बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 278 बच्चे उपचार के बाद स्वस्थ होकर अपने गांव लौट चुके हैं। वर्तमान में 78 बच्चे अस्पताल में उपचाररत हैं और उनकी स्थिति स्वस्थ एवं स्थिर है। आज 32 मरीजों को अस्पताल में एहतियात के तौर पर भर्ती कराया गया है और 27 मरीजों के स्वस्थ होने पर अस्पताल ले डिस्चार्ज कर उनके घर पहुंचाया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन क्षेत्रों में घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण एवं निगरानी के लिए 20 सर्वेक्षण टीमें तैनात की गई हैं। बीमार व्यक्तियों की जांच एवं उपचार के लिए 10 चिकित्सा अधिकारी, 4 पीएम जनमन एएमएमयू तथा 4 एम्बुलेंस सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा अब तक किए गए सर्वेक्षण में 939 मरीज विभिन्न बीमारियों से प्रभावित पाए गए, जिनमें से 278 मरीजों को अस्पताल में तथा 583 मरीजों को घर पर ही उपचार उपलब्ध कराया गया। उपचार के बाद सभी को स्वास्थ्य लाभ मिला है। प्रभावित ग्रामों कुंडेकसा, बांदरी, कोरका, घुम्मुर, अडोरी, मछुरदा, गठिया एवं मातला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार घर-घर सर्वे किया जा रहा है। सर्वे के दौरान 792 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक, ओआरएस एवं जिंक टेबलेट, 735 बच्चों को आयरन सिरप तथा 642 बच्चों को एल्बेंडाजोल की टेबलेट दी गई है। वहीं, कुल 190 टीकाकरण सत्रों में 10 हजार 701 बच्चों का टीकाकरण किया गया है। बीमारियों की रोकथाम के लिए मच्छर एवं कीट नियंत्रण गतिविधियां भी लगातार संचालित की जा रही हैं। आज 61 ग्रामों के 3,920 मकानों में कीटनाशक का छिड़काव तथा 86 ग्रामों में 6,550 स्थानों पर इनडोर एवं आउटडोर फॉगिंग की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में सतत निगरानी रखते हुए आवश्यक उपचार, दवाइयां एवं स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं।

अनिकेत शांडिल्य ने बैहर एसडीएम का कार्यभार संभाला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2024 बैच के अधिकारी अनिकेत शांडिल्य ने आज 30 अगस्त को बैहर एसडीएम का कार्यभार संभाल लिया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अर्पित गुप्ता को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बड़वानी का कार्यभार ग्रहण करने के लिए बैहर एसडीएम के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष प्रणाली पर फंसा पेंच

9 साल बाद छात्रसंघ चुनाव की आहट, सितंबर में चुनाव कराने की तैयारी

भोपाल। मध्यप्रदेश के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में करीब नौ साल बाद छात्रसंघ चुनाव की राह खुलती नजर आ रही है, लेकिन चुनाव की तारीख तय होने से पहले ही चुनाव प्रणाली को लेकर सरकार के सामने सबसे बड़ा पेंच खड़ा हो गया है। सितंबर में चुनाव कराने का वार्षिक कैलेंडर तय होने और हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद सरकार अभी यह तय नहीं कर पाई है कि छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होंगे या अप्रत्यक्ष प्रणाली से। उच्च शिक्षा विभाग ने चुनाव प्रणाली को लेकर तीन सदस्यीय समिति से परीक्षण कराने के बाद अपने प्रस्ताव शासन को भेज दिए हैं। अब अंतिम फैसला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्तर पर होना है। यानी फिलहाल चुनाव कराने की दिशा में प्रशासनिक तैयारी शुरू हो चुकी है, लेकिन किस मॉडल पर चुनाव होंगे, यही सबसे अहम सवाल बना हुआ है। प्रदेश में वर्ष 2017 के बाद से छात्रसंघ चुनाव नहीं हुए हैं। अलग-अलग कारणों से चुनाव टलते रहे। इस बार उच्च शिक्षा विभाग के वार्षिक कैलेंडर में सितंबर में चुनाव कराने का उल्लेख है। इसके अलावा जबलपुर हाईकोर्ट के निर्देश के बाद सरकार पर चुनाव कराने का दबाव भी बढ़ा है। इसी वजह से छात्र संगठनों में लंबे अंतराल के बाद चुनाव होने की उम्मीद जगी है। लेकिन चुनावी मॉडल स्पष्ट नहीं होने के कारण अब छात्र राजनीति में भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

सरकार के सामने प्रत्यक्ष बनाम अप्रत्यक्ष चुनाव का सवाल

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने अधिकारियों के साथ बैठक कर संभावित चुनाव व्यवस्था और मॉडल पर चर्चा की थी। इसके बाद तीन सदस्यीय समिति का गठन कर चुनाव प्रणाली का परीक्षण कराया गया। समिति की रिपोर्ट के आधार पर विभाग ने अपने प्रस्ताव शासन को सौंप दिए हैं। अब सरकार को तय करना है कि विद्यार्थियों को सीधे मतदान के जरिए छात्र प्रतिनिधि चुनने का अधिकार दिया जाए या किसी दूसरे तरीके से छात्रसंघ का गठन किया जाए। यही फैसला चुनाव की पूरी प्रक्रिया, समय-सारिणी और छात्र संगठनों की रणनीति को प्रभावित करेगा।

एनएसयूआई का दबाव, एक सप्ताह का अल्टीमेटम

सरकार की ओर से अब तक चुनाव कार्यक्रम स्पष्ट नहीं किए जाने पर एनएसयूआई ने भी मोर्चा खोल दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया तो वह दोबारा हाईकोर्ट का रुख करेगा। इससे सरकार के सामने दोहरा दबाव बन गया है। एक ओर हाईकोर्ट के निर्देश के मुताबिक सितंबर में चुनाव कराने की समयसीमा है, वहीं दूसरी ओर चुनाव का मॉडल और विस्तृत कार्यक्रम तय करना बाकी है।

एबीवीपी प्रत्यक्ष चुनाव की मांग पर कायम

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भी छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग लगातार उठाता रहा है। परिषद की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को कई बार पत्र लिखकर प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की मांग की जा चुकी है। एबीवीपी का तर्क है कि प्रत्यक्ष चुनाव होने पर विद्यार्थी सीधे अपने प्रतिनिधि का चयन कर सकेंगे। परिषद फिलहाल कॉलेजों की अव्यवस्थाओं को लेकर प्रदेशभर में विद्यार्थी हुंकार अभियान भी चला रहा है, जिसमें छात्रसंघ चुनाव को लेकर सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही है।

चुनाव हुआ तो कॉलेज परिसरों में लौटेगी छात्र राजनीति

करीब नौ साल से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के कारण कॉलेज परिसरों में निर्वाचित छात्र प्रतिनिधियों की व्यवस्था नहीं रही है। चुनाव होने की स्थिति में छात्र संगठनों को एक बार फिर कैंपस स्तर पर सक्रिय होने का मौका मिलेगा। छात्रसंघ चुनाव का असर केवल प्रतिनिधियों के चयन तक सीमित नहीं रहेगा। फीस, छात्रावास, परीक्षा व्यवस्था, छात्रवृत्ति, कॉलेजों की सुविधाएं और अन्य विद्यार्थी समस्याओं को लेकर छात्र संगठनों की भूमिका भी बढ़ सकती है। फिलहाल निगाह मुख्यमंत्री के फैसले पर है। सितंबर में चुनाव कराने की घोषणा के बावजूद अगर चुनावी मॉडल और कार्यक्रम जल्द तय नहीं होता है तो इतने लंबे अंतराल के बाद चुनाव कराने की पूरी प्रक्रिया फिर समय के दबाव में आ सकती है। ऐसे में सरकार का अगला फैसला यह तय करेगा कि मध्यप्रदेश के कॉलेज परिसरों में छात्र राजनीति वास्तव में लौटती है या चुनाव की घोषणा एक बार फिर प्रक्रिया और मॉडल के विवाद में उलझती है।

तीन महीने में इस्तेमाल नहीं की तो बैंक की बिजली होगी लैप्स

ग्रीन पावर बैंकिंग पर सरकार का शिकंजा, 30 प्रतिशत सीमा, 8 प्रतिशत बिजली कटेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश में ग्रीन एनर्जी ओपन एक्सेस के तहत बिजली बैंक करने वाले उद्योगों और अन्य पात्र उपभोक्ताओं के लिए बैंकिंग व्यवस्था अब पहले से ज्यादा सीमित और लागत आधारित हो गई है। नई व्यवस्था में उपभोक्ता एक महीने में अपनी डिस्कॉम से हुई वास्तविक बिजली खपत के अधिकतम 30 प्रतिशत तक ही सरप्लस बिजली बैंक कर सकेगा। इसके अलावा बैंक की गई बिजली में से 8 प्रतिशत ऊर्जा बैंकिंग चार्ज के रूप में काटी जाएगी। यानी बैंकिंग सुविधा का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ता को अपनी सरप्लस बिजली का पूरा लाभ नहीं मिल पाएगा। नई व्यवस्था में बैंकिंग का चक्र तीन महीने का होगा। जिस महीने बिजली बैंक की गई, उसे ह महीना माना जाएगा। इसके बाद अगले दो महीने यानी एन+1 और एन+2 में बैंक की गई बिजली वापस ली जा सकेगी। इसके बाद बची ऊर्जा लैप्स हो जाएगी। मसलन, जुलाई में बैंक की गई बिजली अगस्त और सितंबर में इस्तेमाल की जा सकती है। 30 सितंबर के बाद बची ऊर्जा खत्म मानी जाएगी। हालांकि उपभोक्ता वित्तीय वर्ष में एक बार बैंकिंग साइकल बढ़ाने का अनुरोध कर सकता है। इसके लिए एन+2 महीने की समाप्ति के तीन दिन के भीतर आवेदन करना होगा और संबंधित लाइसेंसधारी की तकनीकी मंजूरी भी आवश्यक होगी।

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की नई व्यवस्था में सबसे बड़ा बदलाव बैंकिंग की सीमा को लेकर है। यदि किसी उपभोक्ता की वास्तविक मासिक खपत 10 लाख यूनिट है तो वह अधिकतम 3 लाख यूनिट तक ही बिजली बैंक कर सकेगा। इससे ज्यादा सरप्लस बिजली उपलब्ध होने पर भी अतिरिक्त ऊर्जा बैंकिंग में शामिल नहीं की जाएगी। बैंकिंग चार्ज राशि में नहीं, बल्कि ऊर्जा की मात्रा में लिया जाएगा। उदाहरण के लिए किसी उपभोक्ता के पास 1000 यूनिट बिजली बैंक करने की पात्रता है तो उसमें से 8 प्रतिशत यानी 80 यूनिट बैंकिंग चार्ज के रूप में कट जाएगी। उपभोक्ता के इस्तेमाल के लिए सिर्फ 920 यूनिट उपलब्ध रहेंगी। बैंकिंग की गणना प्रत्येक 15 मिनट के टाइम ब्लॉक में होगी। जनरेटर से ग्रिड में डाली गई बिजली में लागू ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन लॉस तथा उपभोक्ता की वास्तविक खपत घटाने के बाद बची ऊर्जा को सरप्लस माना जाएगा। हालांकि पूरे महीने की बैंकिंग ऊर्जा निर्धारित 30 प्रतिशत सीमा से अधिक नहीं हो सकेगी। सीमा पार होने पर अलग-अलग 15 मिनट के टाइम ब्लॉक की बैंकिंग ऊर्जा को अनुपात के आधार पर कम किया जाएगा।

बैंक की बिजली वापस लेना भी पड़ सकता है महंगा

नई व्यवस्था में उपभोक्ता के लिए एक और वित्तीय जोखिम बैंक की गई बिजली को वापस लेने के समय सामने आ सकता है। यदि डिस्कॉम या संबंधित इकाई को बैंक की ऊर्जा लौटाने के लिए अतिरिक्त बिजली खरीदनी पड़ती है और उस बिजली की वास्तविक ऊर्जा लागत बैंकिंग के समय निर्धारित बिजली की वैल्यू से ज्यादा होती है, तो दोनों के बीच का अंतर अतिरिक्त पावर खरीद लागत के रूप में उपभोक्ता से वसूला जा सकता है। वहीं यदि अतिरिक्त बिजली खरीदने की वास्तविक लागत बैंकिंग के समय तय वैल्यू से कम या उसके बराबर रहती है तो अतिरिक्त शुल्क शून्य रहेगा।

पीक टाइम की बिजली इस्तेमाल करने में ज्यादा विकल्प

बैंकिंग में टाइम ऑफ डे व्यवस्था का भी असर रहेगा। पीक समय में बैंक की गई बिजली का इस्तेमाल पीक और ऑफ-पीक दोनों अवधि में किया जा सकेगा। लेकिन ऑफ-पीक समय में बैंक की गई बिजली का इस्तेमाल केवल ऑफ-पीक अवधि में ही किया जा सकेगा। इसका मतलब है कि उपभोक्ता अपनी बैंक की गई बिजली को हर समय अपनी सुविधा के अनुसार इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। बिजली बैंक करते समय टाइम ब्लॉक का भी ध्यान रखना होगा।

उपभोक्ताओं के सामने तीन बड़ी चुनौतियां

नई बैंकिंग व्यवस्था से ग्रीन एनर्जी ओपन एक्सेस उपभोक्ताओं के लिए तीन प्रमुख वित्तीय जोखिम सामने आते हैं-पहला, बैंक की गई ऊर्जा में से 8 प्रतिशत ऊर्जा चार्ज के रूप में कट जाएगी। दूसरा, तीन महीने की समय सीमा में इस्तेमाल नहीं होने पर बची ऊर्जा लैप्स हो जाएगी। तीसरा, बिजली वापस लेने के समय अतिरिक्त पावर खरीद लागत बढ़ने पर उसका अंतर भी उपभोक्ता को देना पड़ सकता है। इसके अलावा 30 प्रतिशत की सीमा के कारण ज्यादा उत्पादन वाले महीनों में उपलब्ध पूरी सरप्लस बिजली बैंक नहीं की जा सकेगी।

पुरानी बैंकिंग बिजली पहले होगी एडजस्ट

यदि किसी उपभोक्ता के पास एक साथ कई बैंकिंग साइकल की बिजली उपलब्ध है तो पहले पुराने बैंकिंग साइकल की ऊर्जा का समायोजन किया जाएगा। इससे पुरानी बिजली के लैप्स होने का जोखिम कम होगा। डिस्कॉम को प्रत्येक बैंकिंग महीने के बाद तीन कार्यदिवस के भीतर उपभोक्ता को 15-15 मिनट के टाइम ब्लॉक के हिसाब से बैंक की गई बिजली का पूरा विवरण देना होगा। इसमें पीक और ऑफ-पीक ऊर्जा की जानकारी भी शामिल होगी। कुल मिलाकर नई व्यवस्था में ग्रीन पावर बैंकिंग की सुविधा जारी है, लेकिन अब इसका इस्तेमाल पहले की तुलना में अधिक अनुशासन और गणना के साथ करना होगा। 30 प्रतिशत की बैंकिंग सीमा, 8 प्रतिशत ऊर्जा कटौती, तीन महीने की एक्सपायरी और संभावित अतिरिक्त खरीद लागत के कारण उपभोक्ताओं के लिए सरप्लस ग्रीन बिजली को बैंक करना अब पूरी तरह लाभ-मुक्त सुविधा नहीं रह गया है।

In The Court Of II Civil Judge Class-I, Civil Court Waraseoni, District Court, Balaghat
Presiding Officer:ऋषभ डोनल सिंह

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)

(MJC SUC/००००११/२०२६)
राहुल मडावी..............वादी
Vs
मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक..............प्रतिवादी
Process Id- /२०२६
पेशी दिनांक :- 06/10/2026

प्रेषिति-
(1) सर्वसाधारण आमजनता पता- सर्वसाधारण आम जनता

यह कि प्रार्थी राहुल मडावी ने आपके विरूध्द समंस नोटिस एवं अनावेदक आम जनता को बालाघाट एक्सप्रेस समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 24 August 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

(ऋषभ डोनल सिंह)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड
वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

कृपया ध्यान दे:-
१. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को मिलेगा मुआवजा

भोपाल। सतना और चित्रकूट समेत आसपास के इलाकों में आई भीषण बाढ़ के बाद हालात का जायजा लेने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव चित्रकूट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी और सिंहावल नदी में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और राहत शिविरों व बस्तियों में पहुंचकर प्रभावित लोगों का कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अगले दो-तीन दिन तक अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में ही रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करें। साथ ही पीड़ित परिवारों के लिए आवश्यक सामग्री, चिकित्सा सुविधाएं और खाद्यान्न की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बाढ़ से जिन परिवारों को आर्थिक नुकसान हुआ है, उसका विधिवत सर्वे कराया जाएगा और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। चित्रकूट में मंदाकिनी और सिंहावल नदी के उफान पर आने के बाद कई इलाकों में बाढ़ के हालात बने हैं। बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य लगातार जारी हैं। प्रशासन की टीमें प्रभावित लोगों तक जरूरी मदद पहुंचाने में जुटी हुई हैं। मुख्यमंत्री यादव ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने राहत शिविरों और बस्तियों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अगले दो-तीन दिनों तक प्रभावित क्षेत्रों में ही रहकर राहत कार्यों की लगातार निगरानी करें। बाढ़ प्रभावित लोगों को खाद्यान्न, चिकित्सा सुविधा और अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में प्रदेश सरकार बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की कृपा और मौसम के पूर्वानुमान के चलते प्रशासन की तत्परता से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि कई परिवारों को आर्थिक नुकसान हुआ है। मुख्यमंत्री ने बाढ़ से हुए नुकसान का विधिवत सर्वे कराने के निर्देश दिए हैं।

कटारा में नगर निगम का पुतला फूंका

भोपाल। भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अमलतास चौराहे पर रविवार को लोगों ने नगर निगम का पुतला फूंका। इलाके में जलभराव, गंदगी, बंद स्ट्रीट लाइटों को लेकर उनका गुस्सा फूटा। उनका कहना था कि बारिश में परेशानी ज्यादा बढ़ गई है। नगर निगम टैक्स तो पूरा वसूल रहा है, लेकिन सुविधाएं नहीं दे रहा। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी भी मौजूद रहे। जिन्होंने निगम के जिम्मेदारों को आड़े हाथों लिया। युवक कांग्रेस के अनिकेत द्विवेदी ने कहा कि वार्ड-85 के कई इलाकों में मूलभूत सुविधाएं नहीं है। ऊपर से समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। मुख्य सड़क से लेकर अंदरूनी सड़क तक में गड्ढे ही गड्ढे हैं। इससे निकलना मुश्किल हो रहा है। रात के समय स्ट्रीट लाइटें बंद रहती है। जिससे हादसा होने का खतरा बना रहता है। लोगों ने कहा कि तेज बारिश होते ही इलाके के कई स्थानों पर जलभराव हो जाता है और कॉलोनियों के आसपास पानी भरा रहता है। कीचड़ भी फैल रहा है। सफाई व्यवस्था भी ठीक नहीं है। इस वजह से हर व्यक्ति परेशान है। कांग्रेसियों के साथ लोगों ने पुलिस के सामने ही नगर निगम का पुतला दहन किया। हंगामे की स्थिति को देखते हुए यहां पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही वार्ड की मूलभूत समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और व्यापक किया जाएगा।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
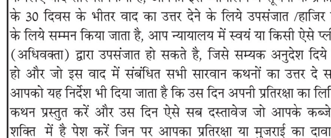
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

लोधी समाज महिला संगठन ने ली शपथ, भुजली मिलन समारोह में दिखी सामाजिक एकजुटता

महिला पदाधिकारियों और ब्लॉक अध्यक्षों ने ग्रहण की जिम्मेदारी, जनप्रतिनिधियों व समाज प्रमुखों ने दिलाई शपथ

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिला महिला लोधी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में रविवार को नगर के कमला नेहरू महिला मंडल प्रेक्षागृह में महिला संगठन का शपथ ग्रहण समारोह एवं भुजली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर 3 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में महिला जिलाध्यक्ष शीला नगपुरे के नेतृत्व में कार्यकारिणी पदाधिकारियों एवं ब्लॉक अध्यक्षों ने शपथ ग्रहण कर सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन का संकल्प लिया।कार्यक्रम के प्रारंभ में वीरांगना अवंती बाई के तैल्यचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर पूजन किया गया। सभी अतिथियों का साल श्रीफल से महासभा की जिलाध्यक्ष श्रीमती शीला नगपुरे द्वारा स्वागत किया गया।शपथ ग्रहण समारोह के बाद सामाजिक परंपरा के अनुसार रक्षाबंधन के पश्चात मनाए जाने वाले भुजलियां पर्व के तहत भुजलियों का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम के समापन के बाद भुजलियों का विसर्जन नगर के मोती तालाब सरोवर में किया जाएगा। समारोह में बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं एवं सामाजिकजन शामिल हुए।कार्यक्रम में विधायक अनुभा मुंजारे, राजकुमार कर्राहे, प्रदेश अध्यक्ष कमलेश वर्मा, जिलाध्यक्ष डॉ. अशोक लिल्हारे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, समाज प्रमुख एवं सामाजिकजन मौजूद रहे। अतिथियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाज की एकजुटता पर जोर दिया।

एकजुटता से ही समाज का सर्वांगीण विकास

मंचासीन अतिथियों ने कहा कि किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी सामाजिक एकता और आपसी सहयोग होती है। समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है कि सामाजिकजन आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ समाज को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सामाजिक भागीदारी बढ़ने से समाज को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। जनप्रतिनिधियों ने सामाजिक उन्नति एवं प्रगति के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

नगर में निकली भव्य भुजली शोभायात्रा

हर साल की तरह लोधी समाज की ओर से भुजली पर्व भी मनाया गया। शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम स्थल से शोभायात्रा के रूप में सबसे पहले अवंती बाई चौक पहुंचें। जहां पर पूजन कर पुन: शोभायात्रा प्रारंभ हुई। गीत संगीत के बीच यह शोभायात्रा पदयात्रा करते हुये अवंती बाई चौक से काली पुतली, अंबेडकर चौक होते हुये रामाबापू उद्यान मोती तालाब पहुंची। जहां पर भुजलियों की पूजा कर विसर्जन किया गया। साथ ही एक दूसरे को भुजली का वितरण कर शुभकामनायें दी गई। प्रकृति का संदेश व सभी की खुशहाली व सुख समृद्धि का संदेश देने वाली भुजली पर्व को लोधी समाज में बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता हैं। इस बार भी समाज की महिलाओं ने भव्य स्वरूप प्रदान कर धूमधाम के साथ मनाया। आल्हा प्रसंग के साथ भुजली गीत गाकर इस आयोजन को किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जिले भर से महिलायें शामिल हुई।

विभिन्न कार्यक्रमों के किए गए आयोजन- शीला

जिला महिला लोधी क्षत्रिय महासभा की जिलाध्यक्ष शीला नगपुरे ने बताया कि समारोह में महिला संगठन की कार्यकारिणी पदाधिकारियों के साथ ब्लॉक अध्यक्षों ने भी शपथ ग्रहण की। इसके पश्चात भुजलियां मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विधिवत पूजन के बाद भुजलियों का मोती तालाब में विसर्जन किया गया है। इसके अलावा विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन संपन्न कराए गए हैं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों ने दिया फिटनेस का संदेश

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निर्देशानुसार विकासखंड खैरलांजी में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में विद्यालय के स्टाफ, छात्र-छात्राओं और खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम का शुभारंभ मेजर ध्यानचंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर किया गया। उपस्थित अतिथियों ने मेजर ध्यानचंद के जीवन और खेल क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों एवं खिलाडि़यों को खेलों के प्रति प्रेरित किया।राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'एक घंटा खेल के मैदान की ओर' अभियान के

तहत रैली भी निकाली गई। रैली में छात्र-छात्राओं और खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए खेल एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।इस दौरान अतिथि अनिल करते ने फिटनेस का संदेश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस का उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देना है। नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने से शरीर स्वस्थ रहने के साथ आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच भी विकसित होती है रैली के दौरान विद्यार्थियों और खिलाड़ियों ने 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत', 'फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज' जैसे नारों के साथ व्यक्तिगत स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नशे से दूरी बनाए रखने तथा स्वच्छ पर्यावरण और स्वस्थ समाज के निर्माण का आह्वान किया।कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्य एवं व्यायाम शिक्षक लक्ष्मण बहेतवार, फुटबॉल खेल प्रशिक्षक सौरभ मेश्राम, व्यायाम शिक्षक हेमंत माहुले, डेकचंद ठाकुर, जन अभियान परिसर के ब्लॉक समन्वयक, वरिष्ठ खिलाड़ी सहित ब्लॉक युवा समन्वयक दिव्या मोहरे उपस्थित रहीं।

एक माह से प्रारंभ श्री रामचरितमानस पाठ का हुआ समापन

श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर समिति ने किया कांवड़ियों व रामायण मंडली का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर भरवेली में श्रावण मास के पावन अवसर पर विश्व की सबसे ऊंची 205 फीट दिव्य श्री हनुमान जी की प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण के महासंकल्प सिद्धि हेतु 30 जुलाई से प्रारंभ हुई अखंड श्री रामचरितमानस पाठ का समापन 30 अगस्त को किया गया था। इस अवसर पर हवन पूजन कर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मंदिर के ट्रस्टी किरणभाई त्रिवेदी सहित समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति में समिति की ओर से अखंड रामायण पाठ में शामिल भजन मंडली एवं महासंकल्प यात्रा किष्किंधा गए यात्रियों एवं महासंकल्प कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों एवं हनुमान जी महाराज की प्रतिमा स्थापना के संकल्प में सहयोग करने वाले श्रद्धालुओं को सम्मानित किया गया। समापन अवसर पर राम भोग व भंडारा वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से वैभव कश्यप, बस एसोसिएशन अध्यक्ष मुकेश चौहान, श्याम कौशल, हीरापुर सरपंच श्रीमती दिवान, नरेन्द्र महाराज, अंकित असाटी, अनिल बिसेन, संतोष अर्जुनवार, पवन कश्यप सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन शामिल रहे।

4 माह से विभिन्न कार्यक्रमों के हो रहे आयोजन- किरण भाई

इस संबंध में श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर के ट्रस्टी किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि विष्णुधाम हीरापुर में विश्व की सबसे ऊंची 205 फीट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इसके निमित्त गत तीन-चार माह से विभिन्न आयोजन किए जा रहे है। इसमें तपस्वी श्री दादा गुरू का भी श्री सिद्धपीठ विष्णुधाम में आगमन हुआ था। देश की विभिन्न पवित्र नदियों का जल एवं मिट्टी लाई गई है। कोटेश्वर धाम के लिए भव्य कांवड़ यात्रा व एक माह तक श्री अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया। जिसका समापन 30 अगस्त को सुबह 8 बजे हुआ। तत्पश्चात् पूर्णाहूति व हवन पूजन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि हनुमान जी की विशाल प्रतिमा के लिए भूमिपूजन का कार्य शीघ्र किया जाएगा। हमारा प्रयास है कि जल्द ही प्रतिमा स्थापित हो। इसके लिए सभी सनातनियों व धर्म प्रेमियों का सहयोग मिल रहा है।

जल्द पूर्ण होगा,प्रतिमा स्थापना का संकल्प- वैभव

वहीं उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए वैभव कश्यप ने कहा कि 205 फीट हनुमान जी महाराज की प्रतिमा स्थापना का संकल्प जल्द पूर्ण होगा। सच्ची आस्था व विश्वास के साथ किए जाने वाला कार्य अवश्य सफल होता है। उन्होंने सभी रामभक्तों से आव्हान किया है कि वे इस संकल्प को पूरा करने में यथा शक्ति सहयोग प्रदान करें।

बालाघाट के कराते खिलाड़ी शुशांक पारधी को मिला महाकौशल खेल रत्न अवार्ड

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीत चुके हैं कई पदक

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को जबलपुर के मानस भवन में महाकौशल क्रीड़ा परिषद द्वारा अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बालाघाट जिले के प्रतिभाशाली कराते खिलाड़ी शुशांक पारधी को उनके खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाकौशल खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया।बताया गया कि महाकौशल क्रीड़ा परिषद द्वारा हर वर्ष विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाडि़यों को सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष बालाघाट के कराते खिलाड़ी शुशांक पारधी का चयन खेल रत्न सम्मान के लिए किया गया।शुशांक ने सब-जूनियर वर्ग में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की कराते प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने वर्ष 2022 से 2026 के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उन्होंने रजत और कांस्य पदक हासिल किए हैं। उनके लगातार बेहतर प्रदर्शन के चलते बालाघाट जिले का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

स्तर पर रोशन हुआ है।बालाघाट के खिलाड़ी को महाकौशल खेल रत्न अवार्ड मिलने को जिले के खेल जगत के लिए गौरव की उपलब्धि माना जा रहा है

27 खेल प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जबलपुर के मानस भवन में शाम 7 बजे से आयोजित समारोह में विभिन्न खेलों से जुड़ी 27 खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान संध्या अग्रवाल, मिस्टर वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग प्रेमचंद ढींगरा, स्ट्रांग मैन ऑफ इंडिया एवं पावरलिफ्टर अमनप्रीत तथा इंडियन आइडल के फर्स्ट रनर-अप तनिष्क शुक्ला सहित खेल एवं अन्य क्षेत्रों से जुड़े अतिथि मौजूद रहे।महाकौशल क्रीड़ा परिषद के संस्थापक प्रशांत मिश्रा सहित संस्था के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने शुशांक पारधी को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

खेल प्रशिक्षकों ने बढ़ाया उत्साह

सम्मान समारोह में शुशांक पारधी के साथ उनके कराते प्रशिक्षक संतोष पारधी और ब्लॉक युवा समन्वयक, कटंगी खेल विभाग से जुड़े पदाधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने खिलाड़ी का उत्साहवर्धन किया।शुशांक को मिले इस सम्मान पर जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा, कराते स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन के मुख्य प्रशिक्षक एवं सचिव संतोष पारधी, संरक्षक अनिल धुवारे, अध्यक्ष किरण त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, कोषाध्यक्ष सरिता सोनेकर, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार सहित संस्था के पदाधिकारियों और खेल प्रशिक्षकों ने बधाई दी।

पूजा-पाठ नहीं करने से भड़की सास ने बहू से जलती लकड़ी की मारपीट- पूजा पाठ नहीं करने पर दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। रूपझर थाने की डोरा पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोहगांव में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पूजा पाठ नहीं करने से भड़की सास ने अपनी ही 21 वर्षीय बहू पर जलती लकड़ी से हमला कर दिया और दांत से काटकर घायल कर दिया। घायल बहू डाली पति राजेश उइके 21 वर्ष को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डाली का मायका भी मोहगांव में ही है। पिछले वर्ष उसने गांव के ही राजेश उइके के साथ मंदिर में प्रेम विवाह की है। शादी के बाद से वह अपने पति राजेश और सास कोसुला बाई उइके के साथ ससुराल में रह रही है। और घरेलू काम करती है। शादी के बाद से ही सास बहू के बीच घरेलू बातों को लेकर अक्सर विवाद होटे रहता था।घटना 29 अगस्त की सुबह करीब 6 बजे की है। डाली घर में नाश्ता बना रही थी।तभी उसकी सास कोसुला बाई वहां आई और सुबह उठकर नहा-धोकर पूजा-पाठ नहीं करने को लेकर ताना मारने लगी। इस पर डाली ने कहा कि तुम भी तो नहा धोकर सुबह पूजा-पाठ नहीं करती।

इसी बात पर दोनों सास बहू के बीच बहस शुरू हो गई। सास कोसुला बाई ने बहु डाली को अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। जब डाली ने गाली देने से मना किया तो कोशुला बाई आवेश में आ गई और उसने चूल्हे में से जलती हुई लकड़ी निकालकर बहू डाली पर हमला कर मारपीट करने लगी और दांत से काट लिया।जिससे खून निकलने लगा।सास बहू के बीच झगड़ा होते देख मोहल्ले-पड़ोस के लोग दौड़े और बीच बचाव किया। इसके बाद भी कोसुला बाई ने बहू डाली को सुबह पूजा-पाठ नहीं करने पर जान से खत्म करने की धमकी दी।हमले में डाली की बाएं हाथ की कलाई और दाहिने हाथ के बीच का हिस्सा झुलस गया है। इसके बाद डाली रिपोर्ट करने रूपझर थाना पहुँची।रूपझर पुलिस ने डाली की शिकायत पर उसकी सास कोसुला बाई उइके के विरुद्ध अश्लील गाली गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किये है जिसकी विवेचना की जा रही है।

बारिश और बढ़ती महंगाई से संकट में मूर्तिकार

भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति को अंतिम रूप दे रहे मूर्तिकार, कंडे से मूर्तियां सुखाने को मजबूर, लागत बढ़ने से घट रही कमाई

भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई जायेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व ४ सितंबर को, घर-घर विराजेंगे नंदलाला

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा आगामी ४ सितंबर को भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जायेगा, जिसकी तैयारी श्रध्दालुओं के द्वारा प्रारंभ कर दी गई है। मूर्तिकारों के द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर भगवान की प्रतिमाएं बनाने का काम जोर-शोर से जारी है, लेकिन इस बार बारिश का मौसम और महंगाई मूर्तिकारों के लिए बड़ी मुसीबत बनकर सामने आई है। लगातार हो रही बारिश और सीलन के कारण मूर्तियों को सुखाना मुश्किल हो गया है, वहीं कच्ची सामग्रियों के दाम दोगुने होने से मूर्तिकारों की लागत बेतहाशा बढ़ गई है। ऐसी स्थिति में मूर्तिकारों को कंडे जलाकर मूर्तियां सुखानी पड़ रही है।

मूर्ति को दे रहे अंतिम रूप, पर्व को लेकर श्रध्दालुओं में खासा उत्साह

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर नगर मुख्यालय की पांढरवानी के लालबर्रा कुम्हारी मोहल्ले, अमोली के गड्डा मोहल्ला सहित क्षेत्र के अन्य मुर्तिकारों के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक मूर्तियों को अंतिम रूप देने के साथ ही उसमें रंग रोगन कर उसे सुंदर व आकर्षक बना रहे है और यह मूर्तियां तैयार होकर ३ सितंबर से बाजार में बिकने भी आ जायेगी। वहीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ प्रतिवर्ष मनाया जाता है। यही वजह है कि पर्व नजदीक आते ही लोगों में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है और मूर्तिकार भी समय कम होने के कारण मूर्ति को भव्य रूप देने के लिए दिन-रात काम में जुटे हुए हैं परन्तु महंगाई के कारण मूर्ति के दामों में भी इजाफा होने की बात कही जा रही है। साथ ही बार-बार मौसम परिवर्तन, बारिश के साथ ही बदलीनुमा मौसम होने एवं मिट्टी पास में नही मिलने से मूर्तिकारों को मूर्ति बनाने एवं सुखाने में परेशानी हो रही है और मौसम साफ होने के बाद धुप या गैस व कंडे से सुखाकर उसमें रंग-रोगन का कार्य किया जा रहा है, जो २ सिंतबर तक बनकर तैयार हो जायेगें। वहीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर सभी हिन्दु धर्मलंबी खासा उत्साहित नजर आ रहे है और जिसकी तैयारी में जुट गये है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर नंदलाला की होगी आराधना

आपकों बता दे कि द्वापर युग में भगवान श्रीहरि विष्णु ने माता देवकी की कोख से दुष्ट कंस का वध करने के लिए धरती पर आठवां अवतार लिया था। तभी से प्रतिवर्ष भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के रूप से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाता है। जिसमें लोग भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति व फोटो स्थापित कर उसकी पूजा अर्चना कर धूमधाम से यह पर्व मनाते हैं। वहीं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर लालबर्रा नगर मुख्यालय के कुम्हारी मोहल्ला में मूर्तिकारों के द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति को अंतिम रूप देने का कार्य किया जा रहा है परन्तु पीओपी पर प्रतिबंध होने व मिट्टी खदान उपलब्ध नही होने के कारण उन्हे बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही नगर मुख्यालय में मिट्टी की खदान नहीं होने के कारण मूर्ति निर्माण के लिये मूर्तिकारों को महंगे दामों पर दुर से मिट्टी लाकर मूर्ति व मिट्टी के बर्तन बनाने का कार्य कर रहे है। जबकि मूर्तिकारों के द्वारा प्रशासन से मिट्टी खदान के साथ-साथ ही जलाऊ लकड़ी एवं शासन से अन्य सुविधा मुहैया करवाने की मांग पूर्व में कर चुके है परन्तु अब तक उनकी मांगों को पूरा नही किया गया है। जिससे उन्हे अपना पुस्तैनी कार्य करने में परेशानी हो रही है। साथ ही प्रशासन के द्वारा कुम्हार (मूर्तिकारों) की मांगों की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे उनमें शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

कंडे जलाकर मूर्तियों को सुखाना पड़ रहा है - गणेश

मूर्तिकार गणेश घाटे ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण मूर्तियां प्राकृतिक रूप से नहीं सूख पा रही हैं। इस वजह से काम की रफ्तार धीमी हो गई है और लागत में भी इजाफा हो रहा है। मौसम साफ नहीं है और लगातार बारिश हो रही है। मूर्तियों को सुखाने के लिए हमें बाजार से ७ रूपये प्रति कंडे (उपले) के हिसाब से खरीद कर लाना पड़ रहा है। इससे हमारा खर्च बहुत ज्यादा बढ़ गया है। श्री घाटे ने बताया कि पूरा परिवार पिछले दो महीनों से मूर्तियों के निर्माण और तैयारी में रात-दिन लगा हुआ है, लेकिन इस कठिन मेहनत के बावजूद वाजिब मुनाफा नहीं मिल पा रहा है। लेकिन पुस्तैनी कार्य के चलते काम कर रहे है, साथ ही मिट्टी सहित अन्य सामग्री के रेट बढ़ गये है।

मूर्तिकला से जुड़ी सामग्रियों के दाम लगभग दोगुने हो गये है - दीपक

मूर्तिकार दीपक प्रजापति ने बताया कि ४ सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जायेगा है इसलिए वर्तमान में भगवान श्रीकृष्ण की मूर्तियों को बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें पेंट का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जो २ सितंबर तक बनकर तैयार हो जायेगें जिसके बाद बाजार में लेकर आयेगें। आगे बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में इस बार मूर्तिकला से जुड़ी सामग्रियों के दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं। हर सामग्री महंगी हो गई है, सुतली जो पिछले साल १२० रूपये में मिलती थी, इस बार उसका रेट बढ़कर २४० हो गया है। मूर्तियां तैयार तो हो रही हैं, लेकिन मेहनत के हिसाब से हमें सही दाम और कमाई नहीं मिल पाती। श्री प्रजापति ने बताया कि मूर्तियों पर मुख्य रंग-रोगन (सफेद कोटिंग व पेंटिंग) के लिए कम से कम १-२ दिन मौसम का खुलना और धूप निकलना बेहद जरूरी है, अगर बारिश के साथ ही बदलीनुमा मौसम बना रहेगा तो मूर्ति को तैयार करने में कुछ परेशानी होगी। साथ ही महंगे दामों से मिट्टी खरीदकर लाना पड़ रहा है, जबकि लंबे समय से प्रशासन से मिट्टी खदान उपलब्ध करवाने की मांग की जा रही है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। शासन-प्रशासन की ओर से इस पारंपरिक कला और मूर्तिकारों के प्रोत्साहन के लिए कोई योजना या आर्थिक सहायता नहीं दी जा रही है। प्रशासन से मांग है कि हम लोगों को मिट्टी खदान एवं शासन की अन्य योजनाओं का लाभ दिलवाये ताकि अपनी पुस्तैनी कार्य को निरंतर रूप से कर सके।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर गूंजा खेलेगा भारत, जीतेगा भारत

लालबर्रा में भव्य कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग बालाघाट के निर्देशानुसार एक घंटा खेल के मैदान में अभियान के तहत विकासखंड लालबर्रा में एक भव्य कबड्डी प्रतियोगिता का सफल आयोजन शनिवार को हाई स्कूल खेल मैदान में किया गया। जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा के मार्गदर्शन में आयोजित इस खेल सप्ताह के दौरान पूरा खेल मैदान खिलाड़ियों के उत्साह और खेलेगा भारत, जीतेगा भारत के नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम का पारंपरिक शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस दौरान उपस्थित अतिथियों, खेल प्रेमियों और युवा खिलाड़ियों ने मेजर ध्यानचंद के महान योगदान को याद करते हुए खेल भावना और अनुशासन को अपने जीवन में बनाये रखने का संकल्प लिया। इस भव्य कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक समन्वयक लव नगपुरे ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि २९ अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती को देश भर में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद जी का खेल ऐसा था कि दुनिया हैरत से देखती थी और बड़े-बड़े खिलाड़ियों के पसीने छूट जाते थे। उन्होंने ओलंपिक में भारत को स्वर्ण पदक दिलाकर इतिहास रचा था। उन्होंने युवाओं से पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने और खेल संस्कृति को आगे ले जाने का आव्हान किया। श्री नगपुरे ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय खेल दिवस २०२६ की थीम खेलेगा भारत, जीतेगा भारत तथा युवा सहभागिता, खेल विकास एवं राष्ट्र निर्माण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। वहीं कार्यक्रम को अन्य वक्ताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन केवल एक याद नहीं, बल्कि फिटनेस, अनुशासन और देश को २०३६ ओलंपिक की मेजबानी के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाने का एक माध्यम है। शुभारंभ के बाद कबड्डी के बेहद रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले खेले गये, जिसमें युवा खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक लव नगपुरे, छत्तरसिंह, जय ठाकरे, विकास चौबे, विजेंद्र उइके, उमेश सपाटे, शुभम बिसेन, राधिका नायक, सुमित तुमसरे, साक्षी दांदरे, स्वाति दमाहे, कशिश यादव, नव्या, खुशी, वंश सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे।

अखण्ड रामायण पाठ का हवन-पूजन के साथ हुआ समापन

एक माह तक निरंतर रात्रि में रामायण पढ़ने वालों का किया गया सम्मान, महाआरती कर महाप्रसादी का किया गया वितरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर में गत एक माह से जारी संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का ३० अगस्त को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। इस अवसर पर दोपहर १ बजे मंदिर प्रांगण में पं. प्रमोद दुबे के द्वारा मुख्य जजमान संजीव नामदेव सहपत्नि की मौजूदगी में हवन-पूजन प्रारंभ हुआ। जिसमें उपस्थिजनों ने हवनकुण्ड में पूर्णाहुति डालकर धर्मलाभ अर्जित किये जिसके बाद महाआरती कर भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण कर गत एक माह से जारी संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का समापन किया गया। साथ ही सावन मास के अवसर पर एक माह से जारी रहे संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ में दिन में महिलाएं एवं रात्रि के समय युवा व पुरूष वर्ग के द्वारा संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का वाचन किये है। जिसमें जिन श्रध्दालुओं के द्वारा निरंतर एक माह तक रात्रिकालीन अखण्ड रामायण पाठ का वाचन किया गया जिनका शाल, श्रीफल भेंट कर समिति के द्वारा सम्मान किया गया। जिसमें संजय चंदलानी, ऋषभ दुबे, श्री पुंड, भोलाराम सर्राटे, राजेश हटवार, भोलाराम गोंदुड़े शामिल है। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि सावन मास के अवसर पर निरंतर पिछले ४४ वर्षों से पूरे माह अखण्ड रामायण पाठ धर्मप्रेमियों द्वारा किया जा रहा है जिसमें दिन में महिलाएं एवं रात के समय युवा व पुरूष वर्ग के द्वारा संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का गायन किया गया। जिसका ३० अगस्त को दोपहर में हवन-पूजन के बाद भंडारारूपी महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि इस एक माह से जारी अखण्ड रामायण पाठ के माध्यम से क्षेत्र की सुख, शांति व समृध्दि बनाये रखने की कामना भगवान श्रीराम व भगवान हनुमान से की है। इस अवसर पर बजरंग मंदिर समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण व श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

१९८० से निरंतर जारी है यह अखण्ड रामायण पाठ - ज्ञानचंद

बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के संरक्षक ज्ञानचंद शर्मा ने बताया कि बजरंग मंदिर परिसर में वर्ष १९८० से निरंतर सावन मास के पावन अवसर पर एक माह तक निरंतर अखंड मानस पाठ का आयोजन किया जा रहा है। इस वार्षिक आयोजन का समापन भुजलिया (कजलियां) के दूसरे दिन विधि-विधान से आयोजित हवन-यज्ञ और पूर्णाहुति के साथ होता है। इसके उपरांत विशाल महाप्रसाद (भोजन प्रसादी) का आयोजन किया जाता है, जिसमें संपूर्ण ग्रामीणजन एवं श्रध्दालु सहभागिता करते हैं। गत दिवस से जारी संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ का ३० अगस्त को हवन-पूजन एवं महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया गया। मंदिर के इतिहास और मान्यताओं पर प्रकाश डालते हुए श्री शर्मा ने बताया कि शुरूआत में यहां पीपल के वृक्ष के नीचे हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित थी। समय के साथ ग्रामीणों और क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिकों के सामूहिक प्रयास से मंदिर का निर्माण करवाया गया। जिसके बाद जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय सहयोग से मंदिर का जीर्णोद्वार संपन्न हुआ, जिससे आज यह भव्य रूप ले चुका है। आगे बताया कि अखंड मानस पाठ के समापन, हवन एवं महाप्रसादी वितरण में क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बजरंग मंदिर समिति की ओर से कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी श्रध्दालुओं, ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का सहृदय आभार एवं साधुवाद व्यक्त करता हूं। इसी तरह मंदिर के सभी कार्यक्रमों में सहयोग प्रदान करें।

मरार माली समाज लालबर्रा ब्लॉक की आमसभा बैठक संपन्न

बैठक में आय-व्यय, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा, संगठित होकर काम करने पर दिया गया जोर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में जिला मरार माली समाज बालाघाट के निर्देशानुसार रविवार को ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा की प्रथम आमसभा बैठक संपन्न हुई। यह बैठक मरार माली समाज के ब्लॉक प्रभारी, जिला उपाध्यक्ष नोकेन्द्र सिंघनदुपे के मुख्य आतिथ्य, ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश मात्ते की अध्यक्षता, जिला उपाध्यक्ष ओपी बाहेश्वर, वरिष्ठ समाजसेवी भाऊराम गाड़ेश्वर, जिला प्रतिनिधि श्रीमती सरिता/गणेश मात्ते, श्रीमती कंटेश्वरी बाहेश्वर, धनीराम खैरवार, बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, कोपे सरपंच लक्ष्मण आचरे, नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर, सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने समाज के मसीहा महात्मा ज्योतिबाराव फुले एवं माता सावित्री फुले के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित प्रथम आमसभा के अवसर पर आय-व्यय, भवन निर्माण, समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान उपस्थितजनों ने समाजोत्थान पर कौन-कौन से कार्य होना चाहिए उस पर अपने विचार भी रखे। साथ ही निर्णायक समिति द्वारा प्रस्ताव की समीक्षा की और विभिन्न ग्राम से आये ब्लाक अध्यक्ष, सर्कल अध्यक्ष द्वारा अपने सुझाव भी दिये गये। साथ ही आने वाले समय में भवन निर्माण, सामाजिक सदस्यता की राशि आवश्यक रूप से अभियान के तहत चलाने के निर्देश भी अध्यक्ष महोदय के द्वारा सभी को दिये गये। वहीं बैठक में संगठित होकर काम करने पर विशेष जोर दिया गया ताकि समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम हो सके। चर्चा में ब्लॉक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश मात्ते ने बताया कि मानुपर स्थित लॉन में समाज की पहली आमसभा बैठक रविवार को आयोजित की गई थी। इस बैठक में आय-व्यय सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई है। साथ ही यह भी बताया कि सभी सामाजिक पदाधिकारियों से कहा गया है कि सामाजिक लोगों को जागरूक कर संगठित करें और समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम करने प्रेरित किया गया है। इस अवसर पर ब्लाक मरार माली समाज लालबर्रा के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

बुदबूदा धानीटोला रेलवे क्रॉसिंग के पास उखड़ी सड़क बनी आफत

मार्ग पर सड़क हादसे हुए आम, जिम्मेदार विभाग मौन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी से कटंगी को जोड़ने वाले अति महत्वपूर्ण और प्रमुख मार्ग पर स्थित ग्राम बुदबूदा धानीटोला रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क की बदहाली से राहगीर बेहद परेशान हैं। कुछ वर्ष पूर्व ही बने इस बेहतरीन मार्ग का एक करीब ५० फीट का हिस्सा रेलवे परिसर के अंतर्गत पूरी तरह तोड़ दिया गया था। जो वर्तमान में बड़े गड्ढे और गहरे कीचड़ में तब्दील हो चुका है। इस मार्ग पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं में लोग घायल हो रहे हैं जिसके कारण उन्हें अपनी नौकरी व कामकाज से छुट्टियां लेनी पड़ रही हैं।

अंडरपास निर्माण के नाम पर तोड़ी गई थी सड़क

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व में अंडरपास निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद रेलवे परिसर के अंतर्गत आने वाली सड़क के एक छोर को लगभग ५० फीट तक तोड़ दिया गया था। गहरा गड्ढा हो जाने पर स्थानीय ग्रामीणों ने स्वयं पहल करते हुए मुरुम डालकर किसी तरह आवागमन बहाल किया था। हालांकि इसके बाद ना तो सड़क निर्माण एजेंसी और ना ही रेलवे विभाग ने इस हिस्से के स्थायी सुधार पर ध्यान दिया। वर्तमान में बारिश का पानी जमा होने से यहां दलदल और कीचड़ की स्थिति बन गई है। वारासिवनी कटंगी मार्ग एक अति व्यस्त सड़क है जो सीधे बड़े महानगरों को जोड़ती है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों मालवाहक, यात्री बसें, निजी वाहन और स्थानीय ग्रामीण गुजरते हैं। सड़क के दूसरे छोर पर बने स्पीड ब्रेकर और साइड शोल्डर भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर टूट चुके हैं। सबसे अधिक परेशानी रात्रि के समय होती है जब अंधेरे के कारण चालकों को पानी और कीचड़ से भरा गड्ढा दिखाई नहीं देता और वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। ग्रामीणों ने इस जनसमस्या और खतरे की ओर रेलवे विभाग व संबंधित अधिकारियों का ध्यान कई बार आकर्षित कराया है लेकिन अब तक कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। स्थिति जस की तस बनी हुई है और लोग जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों और राहगीरों ने प्रशासन व रेलवे विभाग से मांग की है कि यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए अविलंब सड़क मरम्मत और क्षतिग्रस्त साइड शोल्डर का सुधार कार्य कराया जाए।

सड़क की स्थिति जर्जर होने से हो रही दुर्घटनायें-कुवंरलाल पंचेश्वर

ग्रामीण कुंवरलाल पंचेश्वर ने बताया कि यहां पर अंडरपास के लिए टांके बने थे उस समय सड़क को तोड़ने का काम शुरू हुआ था। फिर बीच में सब बंद हो गया हम यहां दुकान लगाते हैं तो सब देखे हैं अभी यह गड्ढा बना हुआ है जिससे दुर्घटनाएं होती रहती है। रेलवे खुद कुछ नहीं कर रहा है जबकि उनके द्वारा तोडा गया हैं गहरा गड्ढा हो जाने से एक दुकानदार के द्वारा यहां मुरुम डाल दी गई थी। तब जाकर यह भरा है पंचायत का यहां कुछ नहीं है रेलवे का परिसर पड़ता है सरपंच ने भी अधिकारियों से कहा पर उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। अधिकारी आकर नाप कर चले जाते हैं यहां पर आये दिन दुर्घटनाएं होती रहती है,लोग गंभीर चोटिल होकर परेशान होते हैं और कई बार लोग बड़ी दुर्घटना से बच भी जाते हैं।

जगह गड्ढे और ब्रेकर क्षतिग्रस्त है साइड सोल्डर खराब है-तिलकचंद निकोसे

तिलकचंद निकोसे ने बताया मैं कटंगी रहता हूं सब्जी का व्यापार करता हूं रोजाना मेरा वारासिवनी आना जाना लगा रहता है। यह जो धानीटोला रेलवे क्रॉसिंग है यहां पर हमें डर लगता है क्योंकि सड़क जो है उसे बीच से आधा काट दिया गया है। जहां पर मुरुम भर दिए हैं इस स्थान पर मेरे जैसे कई लोगों को समस्या होती है। कभी गाड़ी स्लिप हो जाती है या अचानक अनियंत्रित हो जाती है दुर्घटना का डर लगा रहता है। दिन में तो आसानी से दिख जाता है रात्रि के समय बहुत ज्यादा समस्या है संबंधित विभाग को गंभीरता से इस पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि बहुत लंबे समय से यहां दिक्कत यह बनी हुई है वही जगह जगह गड्ढे और ब्रेकर भी क्षतिग्रस्त है साइड सोल्डर खराब हैं।

वारासिवनी में कलश वंदन एवं समरसता संकल्प यात्रा का हुआ स्वागत

संत रविदास जी की ६५० वीं जयंती पर निकला नगर भ्रमण

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। नगर में महान संत, महान समाज सुधारक और भक्ति आंदोलन के सिरमौर कवि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की ६५० वीं जन्म जयंती के निकाली गयी । कलश वंदन यात्रा एवं समरसता संकल्प अभियान का नगर मंडल में आगमन उत्साह और गरिमा के साथ हुआ। कटंगी से प्रारंभ होकर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामीण अंचलों का भ्रमण करते हुए यह यात्रा वारासिवनी पहुंची। जहाँ रेस्ट हाउस में कुछ समय

के विश्राम और स्वागत.सत्कार के बाद यात्रा रेस्ट हाउस से शुरू होकर यह समरसता यात्रा वारासिवनी नगर के विभिन्न प्रमुख चौक.चौराहों, मुख्य मार्गों एवं गलियों से गुजरी। जहाँ स्थानीय नागरिकों व श्रद्धालुओं ने कलश वंदन कर यात्रा का स्वागत किया। भक्तिमय भजनों और गुरु रविदास जी के समरसता संदेशों के साथ यह यात्रा पूरे नगर में सामाजिक एकता का अलख जगाते हुए आगे बढ़ी। नगर भ्रमण के पश्चात यात्रा समीपस्थ ग्राम वारा पहुंची, जहां यात्रा का विश्राम हुआ। यह यात्रा २० अगस्त से शुरू होकर १० सितंबर तक संचालित हो रही है। वारा में विश्राम के बाद अब यह संकल्प यात्रा अपने अगले पड़ाव जिला मुख्यालय बालाघाट के लिए रवाना होगी। यात्रा का मुख्य उद्देश्य संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के बताए सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के विचारों को जन जन तक पहुंचाना है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले ,नगर मण्डल प्रभारी अभय कोचर नगर, मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, एसटी प्रकोष्ठ अध्यक्ष ढीलन सिंह तारम, एससी मोर्चा अध्यक्ष सिद्धार्थ मेश्राम, सद्गुरु रविदास सामाजिक संगठन ब्लॉक वारासिवनी के अध्यक्ष प्रवीण खरोले ,पूर्व मण्डल अध्यक्ष चिरोजी पारधी ,शैलेन्द्र सेठी , श्याम लाल बारेकर ,अरमान खान, मनोज दांदरे ,आलोक खरे ,प्रवीण रूसिया ,प्रबल जायसवाल, मिथलेश बुरडे, शशांक डोंगरे ,मनोज लिल्हारे ,जीतू पूरी एवं समस्त सामाजिक बंधु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रामपायली रोड पर एफसीआई वेयरहाउस के सामने ट्रकों का जमावड़ा, हादसे की बनी आशंका

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के रामपायली रोड़ स्थित भारतीय खाद्य निगम के वेयरहाउस के सामने पिछले कुछ दिनों से अव्यवस्थित तरीके से खड़े भारी ट्रकों के कारण आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वेयरहाउस में अनाज खाली करने आए यह ट्रक सड़क के दोनों ओर कतारबद्ध खड़े हैं जिससे व्यस्त मार्ग पूरी तरह संकरा हो गया है और राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

तीन प्रमुख मार्गों का संगमए तेज रहता है यातायात

जिस स्थान पर यह ट्रक खड़े हो रहे हैं वह क्षेत्र यातायात की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। यहां मदनपुर रोड, डोंगरमाली रोड और रामपायली रोड इन तीनों प्रमुख मार्गों से वाहनों का आवागमन निरंतर बना रहता है। सड़क संकरी हो जाने से ना केवल राहगीरों को निकलने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है बल्कि तेज रफ्तार वाहनों के कारण आमने सामने की भिड़ंत और हादसों का अंदेशा बना हुआ है। यह स्थिति पिछले लगभग एक सप्ताह से जस की तस बनी हुई है। उक्त क्षेत्र में सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के कारण पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। हाल ही में सिंचाई विभाग कार्यालय के सामने सड़क किनारे खड़े एक डंपर से पीछे से आ रही मोटरसाइकिल टकरा गई थी जिसमें एक गंभीर हादसा घटित हुआ था। इसके बावजूद प्रशासन और संबंधित विभाग के द्वारा सड़क किनारे बेतरतीब खड़े ट्रकों पर अब तक कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई है जिससे लोगों में रोष व्याप्त है। अनाज खाली करने के इंतजार में एक एक सप्ताह से खड़े इन ट्रकों के चालकों द्वारा पूरी सड़क को ही पार्किंग स्थल बना लिया गया है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि एफसीआई गोदाम में आने वाले ट्रकों के लिए किसी उपयुक्त या अन्यत्र स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था की जाए। ताकि मुख्य मार्ग पर यातायात सुगम हो सके और किसी भी बड़ी अनहोनी को टाला जा सके।

जिम्मेदार नपा अधिकारियों को खड़े ट्रको पर कार्यवाही करना चाहियें- शुभम शर्मा

शुभम शर्मा ने बताया की यह काफी व्यस्त मार्ग है चारों तरफ ग्रामीण क्षेत्र के लोग यहीं से आना जाना करते हैं। पूर्व में कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी है हर बार यहां ट्रैकों की पार्किंग बनी रहती है। अभी करीब ८ दिनों से हम देख रहे हैं ट्रक सड़क के दोनों तरफ खड़े हैं और यह रोड़ किनारे भी नहीं है आधे रोड पर है। इस प्रकार कभी भी दुर्घटना हो सकती है इन ट्रैकों को दूसरे स्थान पर खडे करना चाहिए ताकि लोगों को आने जाने में दिक्कत ना हो। यहां पहले भी कई लोग गंभीर रूप से घायल और मौत तक हो चुकी है दुर्घटनाओं की संभावना या हर समय बनी रहती हैं। इस समस्या पर कई बार पुलिस प्रशासन का ध्यान आकर्षण कराया गया है,पर किसी के द्वारा कोई आज तक कार्यवाही नहीं की गई। इस प्रकार ट्रक सड़क पर खड़ा करवाना बंद करना चाहिए ऐसी किसी और स्थान पर इन्हें खड़ा करना चाहिए ताकि बड़ी दुर्घटना को रोका जा सके।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि उक्त संबंध में हमारे द्वारा पुलिस थाना वारासिवनी को पूर्व में पत्र लिखा जा चुका है। वहीं यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए कई बार मांग की गई है। इस प्रकार ट्रक खड़े हो रहे है तो पुलिस प्रशासन को पत्र लिखकर ध्यान आकर्षण करवाया जायेगा।

श्रीमती सरिता दांदरे
अध्यक्ष नगर पालिका वारासिवनी

खैरलांजी में श्रद्धा व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भुजली पर्व

शोभायात्रा निकाल कर तालाब में किया भुजली विसर्जन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी में प्रकृति प्रेम और खुशहाली का प्रतीक भुजली कजलियां पर्व रक्षाबंधन के अगले दिन २९ अगस्त को बड़े ही धूमधाम, भक्तिभाव और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सदियों पुरानी परंपरा को जीवंत रखते हुए ग्राम पटेल नगपुरे परिवार द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी सामूहिक आयोजन किया गया। जिसमें संपूर्ण गांव की अभूतपूर्व सहभागिता देखने को मिली।

पूर्व सरपंच स्व.मोहनलाल नगपुरे के निवास पर जुटीं महिलाएं

भुजली पर्व की शुरुआत नागपंचमी के दिन से होती है और रक्षाबंधन के दूसरे दिन इसका विसर्जन किया जाता है। फसल की उन्नति और सुख समृद्धि के प्रतीक इस पर्व पर खैरलांजी के पूर्व सरपंच स्वर्गीय मोहनलाल नगपुरे के निवास स्थान पर ग्रामवासी एवं मातृशक्ति एकत्रित हुईं। गांव की सैकड़ों माताएं और बहनें अपने अपने घरों में उगाई गई भुजली की टोकरियों को सिर पर धारण कर पूर्वज काल से चली आ रही परंपरा में शामिल हुईं।

बैंड. बाजों की थाप पर निकली भव्य शोभायात्रा

विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद गाजे.बाजे और ढोल.नगाड़ों की थाप पर भव्य भुजली शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल महिलाएं एवं ग्रामीण जन पारंपरिक भजनों और गीतों पर झूमते नजर आए। यह शोभायात्रा गांव के प्रमुख चौक.चौराहों, गलियों और मुख्य मार्गों से होती हुई खैरलांजी स्थित कन्या शाला के समीप बने तालाब पहुंची। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ग्राम पंचायत के द्वारा विसर्जन स्थल पर विशेष साफ सफाई की व्यवस्था की गई थी वहीं पुलिस प्रशासन भी पूरे समय मुस्तैद रहा। तालाब किनारे पूजा अर्चना के बाद महिलाओं ने अपनी भुजली का विसर्जन किया।

गांधी चौक में आयोजित हुआ भव्य मिलन समारोह

भुजली विसर्जन के पश्चात गांधी चौक स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में विशाल मिलन समारोह का आयोजन किया गया। विसर्जन कर लौटे ग्रामीणों ने हनुमान जी एवं गांव के अन्य प्रमुख मंदिरों में भगवान के चरणों में भुजली अर्पित की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद शुरू हुआ परस्पर सामाजिक सौहार्द और स्नेह का आदान प्रदान। ग्रामीणों ने एक दूसरे को भुजली भेंट कर गले मिले और पर्व की शुभकामनाएं दीं। कनिष्ठों ने वरिष्ठों के चरण छूकर आशीर्वाद लिया तो वहीं बड़ों ने छोटों को स्नेह दिया। भुजली देने और बधाई संदेशों का यह दौर देर शाम तक चलता रहा जिससे संपूर्ण खैरलांजी क्षेत्र आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक चेतना के रंग में सराबोर नजर आया।

पूर्वजों की इस परंपरा को हमने आज भी जीवंत रखा है-रामकुमार नगपुरे

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामकुमार नगपुरे ने बताया की भुजली पर्व हमारी समृद्ध बुंदेलखंडी और ग्रामीण संस्कृति की जीवंत पहचान है। यह केवल एक त्यौहार नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे आभार फसल की समृद्धि और आपसी स्नेह का एक अनुपम प्रतीक है। यह पर्व हमारे सामाजिक सौहार्द की नींव को मजबूत करता है। ग्रामीणों ने श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ इस परंपरा को निभाया गया। माता बहनों द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा और उसके पश्चात गांधी चौक स्थित हनुमान मंदिर में आयोजित मिलन समारोह ने यह सिद्ध कर दिया कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें आज भी बेहद मजबूत हैं। एक दूसरे को भुजली भेंट कर बड़ों का आशीर्वाद लेना और छोटों को स्नेह देना हमारी उस महान परंपरा का हिस्सा है। जो गांव में समरसता और भ्रातृत्व की भावना को बनाए रखती है। ईश्वर से प्रार्थना है कि यह भुजली पर्व हमारे पूरे खैरलांजी क्षेत्र में सुख, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए।

तेलंगाना और कर्नाटक की मतदाता सूचियां

संबंधों को प्रगाढ़ करने का भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा चलाई जा रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की वजह से देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों के मतदान का अधिकार छिनने का मामला साफ तौर पर सामने आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट से आगे बढ़ने की इजाजत मिलने के बाद आक्रामक तरीके से, एसआईआर ने अब तेलंगाना और कर्नाटक में मतदाता सूचियों से पांचवें हिस्से के बराबर नाम – जो क्रमश: लगभग 22 फीसदी और 19.5 फीसदी हैं – हटा दिए हैं और हटाए गए नामों की यह तादाद देश में सबसे ज्यादा है। सबसे ज्यादा छंटाई इन दोनों राज्यों की राजधानियों में हुई है – बेंगलुरु में पांच निर्वाचन क्षेत्रों में आधे से ज्यादा मतदाता कम हो गए हैं, जबकि हैदराबाद के 15 में से नौ क्षेत्रों में 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता हटा दिए गए हैं। इस किस्म की कटौतियां महज किनारों पर मौजूद फालतू हिस्सों को छांटने तक ही सीमित नहीं हो सकतीं। अगर ये बातें सही हैं, तो ईसीआई की अपनी संक्षिप्त पुनरीक्षण (समरी रिविजन) प्रक्रियाओं के कारण हाल के चुनावों में मतदाता सूचियों में जरूरत से ज्यादा नाम शामिल हो गए थे और ऐसा उन जगहों पर हुआ जहां देश के दूसरे हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग आकर बसे थे। और अगर नामों को हटाने को सही ठहराना है, तो जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें राज्य छोड़कर जाना पड़ा होगा – क्योंकि कर्नाटक या तेलंगाना के अंदर ही कहीं और जाने पर मतदाता का नाम उसी राज्य की दूसरी जगह की मतदाता सूची में चला जाएगा, पूरी तरह से हटेगा नहीं। फिर भी, न तो हाल के सर्वेक्षण के आंकड़ों से और न ही सरकार के अपने जनसंख्या संबंधी अनुमानों से इसकी पुष्टि होती है।

बिहार एसआईआर के दौरान, अदालत ने पूछा था कि राजनीतिक पार्टियों ने गलत तरीके से हटाए गए नामों को फिर से शामिल करने के लिए इतनी कम आपत्तियां क्यों दर्ज कराईं। यह सवाल इन दक्षिणी राज्यों के लिए भी मौजूं हो सकता है। इसकी एक वजह यह हो सकती है कि मतदाता पहचान-पत्र नागरिकों के लिए कुछ सालों में सिर्फ एक बार ही काम आता है, लिहाजा वे इसे लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिखाते। इससे यह समझा जा सकता है कि मतदाताओं पर जिम्मेदारी डालने वाली इस प्रक्रिया की वजह से इतने बड़े पैमाने पर कटौतियां क्यों होती हैं। इस बीच, ईसीआई की पारदर्शिता की कमी के चलते इन आंकड़ों में कोई ठोस सबूत साबित कर पाना मुश्किल है। आयोग द्वारा पुनरीक्षण के दौरान अब तक किसी भी राज्य का मतदाता-जनसंख्या अनुपात प्रकाशित नहीं किया गया है, जबकि ऐसा करना अनिवार्य है और यह कम पंजीकरण की जांच का एकमात्र तरीका है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नाम हटाने की प्रक्रिया का लिंग-वार ब्योरा जारी करने की भी जहमत नहीं उठाई। इसके बजाय, उन्होंने पुरानी मतदान केंद्र संख्या के बगैर गूगल ड्राइव की कई लिंक पर सूचियां बिखेर दीं, जिससे सत्यापन का काम मुश्किल हो गया है। इस किस्म की लापरवाही का नतीजा पश्चिम बंगाल में साफ दिखता है, जहां ईसीआई की संदिग्ध तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिसक्रेपेंसी) प्रक्रिया के कारण लाखों मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो गए और उन्हें अदालत की देखरेख में बने न्यायाधिकरणों में जाकर अपनी शिकायत दर्ज करानी पड़ी। चुनाव के कई महीनों बाद, सूचना के अधिकार के तहत मिले रिकॉर्ड से पता चलता है कि 19 न्यायाधिकरणों के सामने आई लगभग 38 लाख अपीलों में से बमुश्किल 82,000 अपीलों पर ही फ़ैसला हुआ है और इनमें से 90 फीसदी से ज्यादा फैसले अपना नाम वापस जुड़वाने की चाहत रखने वाले मतदाताओं के पक्ष में रहे हैं। ईसीआई – एक ऐसा संस्थान जिसकी तारीफ कभी अमीर लोकतंत्र भी इतनी बड़ी संख्या में भारतीयों को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने की वजह से करते थे – अब सभी वयस्कों के मतदान करने के अधिकार की राह में एक रोड़ा बन गया है।

युवाचार्य महावीर कुमार- अध्यात्म-जगत में एक नवीन युग-संभावना का उद्घाटन

कुछ घटनाएं इतिहास में दर्ज होती हैं और कुछ घटनाएं इतिहास की दिशा बदलने की क्षमता रखती हैं। तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा मुख्य मुनि महावीर कुमारजी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में युवाचार्य मनोनीत किया जाना ऐसी ही घटना है। 27 जुलाई 2026, आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी को लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती के सुधर्मा सभा परिसर में हुई यह घोषणा तेरापंथ की लगभग ढाई शताब्दी पुरानी आचार्य-परम्परा में एक नया अध्याय जोड़ने वाली है। लेकिन इस घटना को केवल एक धार्मिक संगठन के भावी नेतृत्व के निर्धारण के रूप में देखना इसके वास्तविक महत्व को सीमित करना होगा। यह मनोनयन साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा के एक ऐसे समन्वय की प्रतिष्ठा है, जो आने वाले समय में अध्यात्म को नई भाषा, नई दृष्टि और नया वैश्विक आयाम दे सकता है।

तेरापंथ में युवाचार्य का पद किसी राजनीतिक या प्रशासनिक उत्तराधिकार जैसा पद नहीं है। यहां नेतृत्व अधिकार से नहीं, आत्मानुशासन से अर्जित होता है; प्रतिष्ठा पद से नहीं, साधना से मिलती है; और उत्तराधिकार किसी वंश का नहीं, विचार, मर्यादा, तप और आध्यात्मिक संस्कारों की निरंतरता का होता है। आचार्य श्री महाश्रमण जी ने इसी स्वस्थ परम्परा का निर्वाह करते हुए मुनि महावीर कुमार जी को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है। इसलिए यह प्रश्न अधिक महत्वपूर्ण है कि मुनि महावीर कुमार जी कौन हैं और उनके युवाचार्यत्व में भविष्य के अध्यात्म की कौन-सी संभावनाएं दिखाई देती हैं?

मुनि महावीर कुमार जी का जीवन इस प्रश्न का उत्तर स्वयं देता है। अल्पायु में दीक्षा ग्रहण करने से लेकर मुख्य मुनि जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण दायित्व तक की उनकी यात्रा केवल पदों की यात्रा नहीं है। यह आत्मसंयम, स्वाध्याय, तप, अनुशासन, चिंतन और निरंतर आत्मपरिष्कार की यात्रा है। उनके व्यक्तित्व में आध्यात्मिक साधक की गंभीरता के साथ आधुनिक समय को समझने वाले चिंतक की दृष्टि दिखाई देती है। यही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उनके जीवन का एक उल्लेखनीय पक्ष यह भी है कि आध्यात्मिक साधना को उन्होंने ज्ञान से अलग नहीं माना। पर्यावरणीय चिंतन पर उनका शोध और जैन आगमों में पर्यावरणीय दृष्टि का अध्ययन यह संकेत देता है कि उनकी दृष्टि केवल परम्परा के संरक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि परम्परा में निहित उन जीवन-मूल्यों को समकालीन विश्व की समस्याओं से जोड़ने वाली है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार उन्हें जैन आगमों में पर्यावरणीय चिंतन पर शोध के लिए पीएचडी उपाधि भी प्राप्त हुई है। यह तथ्य आज विशेष अर्थ रखता है। दुनिया जलवायु संकट, पर्यावरणीय असंतुलन, हिंसा, मानसिक तनाव और असीमित उपभोग की संस्कृति से जूझ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अपरिग्रह, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश केवल धार्मिक सिद्धांत नहीं रह जाता, बल्कि मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। यदि अध्यात्म आधुनिक समस्याओं के समाधान से जुड़ता है, तभी वह जीवंत और प्रभावी बनता है।

युवाचार्य महावीर कुमार की संभावित भूमिका इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। उनका व्यक्तित्व हमें यह विश्वास दिलाता है कि आने वाला अध्यात्म केवल मंदिरों, उपाश्रयों और प्रवचन सभाओं तक सीमित रहने वाला अध्यात्म नहीं होगा। वह मनुष्य के मन, परिवार के संस्कार, समाज के चरित्र, पर्यावरण की रक्षा और वैश्विक सह-अस्तित्व से जुड़े प्रश्नों पर भी अपना प्रभाव डालेगा। आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ा संकट बाहरी संसाधनों का नहीं, आंतरिक संतुलन का है। मनुष्य के पास ज्ञान बहुत है, लेकिन विवेक कम होता जा रहा है। सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। संपर्क के साधन बढ़े हैं, लेकिन आत्मीयता कम हुई है। स्वतंत्रता का विस्तार हुआ है, लेकिन आत्मानुशासन कमजोर पड़ा है। आर्थिक विकास ने जीवन को गति दी है, लेकिन उस गति की दिशा पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। ऐसे समय में अध्यात्म की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक है। मगर ऐसा अध्यात्म, जो जीवन से भागना नहीं सिखाए; बल्कि जीवन को अधिक जागरूकता, संयम, करुणा और उत्तरदायित्व के साथ जीना सिखाए।

युवाचार्य महावीर कुमार जी की साधना की दिशा इसी जीवंत अध्यात्म की ओर संकेत करती है। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता है मानवीय चेतना की ऊष्मा। अध्यात्म तभी प्रभावी होता है जब उसमें मनुष्य के प्रति करुणा हो। केवल ज्ञान मनुष्य को बड़ा विद्वान बना सकता है, लेकिन करुणा उसे बड़ा मनुष्य बनाती है। केवल अनुशासन व्यवस्था पैदा कर सकता है, लेकिन आत्मीयता समाज को जोड़ती है। युवाचार्य महावीर कुमार के व्यवहार में सरलता, सहजता, विनम्रता और आत्मीयता का समन्वय उनकी आध्यात्मिकता को मानवीय धरातल प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में धर्म विभाजन की दीवार नहीं, मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाला सेतु बन सकता है। यही दृष्टि आज की विभाजित दुनिया के लिए अत्यंत आवश्यक है।

आज जाति, भाषा, क्षेत्र, विचारधारा और आर्थिक विषमता के आधार पर समाजों में दूरी बढ़ रही है। ऐसे समय में जैन दर्शन का अनेकांत और सह-अस्तित्व केवल दार्शनिक अवधारणाएं नहीं, बल्कि सामाजिक शांति के व्यावहारिक सूत्र बन सकते हैं। युवाचार्य महावीर कुमार जी की भूमिका यहां एक आध्यात्मिक सेतु की हो सकती है-परम्परा और आधुनिकता के बीच, धर्म और समाज के बीच, व्यक्ति और विश्व के बीच तथा आत्मकल्याण और लोकमंगल के बीच। उनके नेतृत्व का सबसे महत्वपूर्ण आयाम युवा चेतना हो सकता है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश भारत में युवा शक्ति यदि चरित्र, विवेक और नैतिकता से जुड़ती है तो वह राष्ट्र के भविष्य को बदल सकती है। लेकिन यदि वही युवा केवल उपभोग, प्रतिस्पर्धा, नशे, आभासी दुनिया और तात्कालिक सफलता की दौड़ में उलझ जाए तो उसकी ऊर्जा विघटनकारी भी बन सकती है।

तेरापंथ की मूल चेतना-अहिंसा, संयम, अनुशासन, अनेकांत, अपरिग्रह और आत्मजागरण-आज पहले से अधिक प्रासंगिक है। आवश्यकता केवल इतनी है कि इन मूल्यों को आधुनिक मनुष्य की भाषा में, आधुनिक समस्याओं के संदर्भ में और वैश्विक समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रस्तुत किया जाए। यदि ऐसा होता है तो तेरापंथ का प्रभाव केवल धार्मिक अनुयायियों तक सीमित नहीं रहेगा। वह विश्व-चेतना के विमर्श में अपनी विशिष्ट भूमिका निभा सकता है। युवाचार्य का मनोनयन इसलिए एक व्यक्ति का सम्मान नहीं, एक संभावना का उद्घाटन है। यह संभावना उस अध्यात्म की है जो विज्ञान का विरोध नहीं करता, बल्कि विज्ञान को विवेक देता है; जो विकास को रोकता नहीं, बल्कि विकास को मानवीय बनाता है; जो भौतिक समृद्धि का निषेध नहीं करता, बल्कि उसके साथ संतुलन और संयम की चेतना जोड़ता है; जो धर्म को संकीर्ण पहचान नहीं, बल्कि सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों का माध्यम बनाता है।

आज विश्व को किसी नये संघर्ष की नहीं, नई चेतना की आवश्यकता है। उसे ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो सत्ता के बिना प्रभाव पैदा कर सके, संसाधनों के बिना परिवर्तन की प्रेरणा दे सके और किसी पर नियंत्रण किए बिना आत्मानुशासन का मार्ग दिखा सके। संत परम्परा का वास्तविक सामर्थ्य यही है। युवाचार्य महावीर कुमार जी के व्यक्तित्व में यह संभावना दिखाई देती है कि वे तेरापंथ की आध्यात्मिक विरासत को नई पीढ़ी की चेतना से जोड़ते हुए व्यापक मानव समाज तक पहुंचाने वाले प्रभावी संवाहक बनें। उनका युवाचार्यत्व इसलिए केवल तेरापंथ के भविष्य की घोषणा नहीं है। यह अध्यात्म के भविष्य के प्रति एक विश्वास की घोषणा है। यह उस यात्रा का प्रारंभ है जिसमें साधना व्यक्तिगत मुक्ति से आगे बढ़कर लोकमंगल की शक्ति बन सकती है; ज्ञान पुस्तकालयों से निकलकर जीवन का प्रकाश बन सकता है; संयम व्यक्तिगत तपस्या से आगे बढ़कर सामाजिक संतुलन का आधार बन सकता है और अहिंसा केवल सिद्धांत न रहकर वैश्विक जीवन-पद्धति का विकल्प बन सकती है।

आचार्य श्री महाश्रमण जी ने मुनि महावीर कुमार जी को युवाचार्य बनाकर जिस उत्तरदायित्व की धवल चादर ओढ़ाई है, उसमें केवल तेरापंथ की परम्परा का भार नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की आशाएं भी समाहित हैं। इस अवसर पर आचार्यश्री ने उन्हें आचार्य श्री भिक्षु की परम्परा को आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहने का संदेश दिया। यही इस घटना का सबसे गहरा संदेश है-उत्तराधिकार किसी पद का नहीं, मूल्यों का है। और जब मूल्य किसी ऐसे साधक को सौंपे जाते हैं, जिसके जीवन में साधना की गहराई, ज्ञान की व्यापकता, मानवीय चेतना की ऊष्मा, विनम्रता की ऊंचाई और नेतृत्व की विलक्षण प्रतिभा एक साथ दिखाई देती हो, तब वह घटना केवल एक धर्मसंघ की घटना नहीं रहती बल्कि भारतीय अध्यात्म के एक नये वैश्विक अध्याय के उद्घाटन के रूप में देख सकता है। यही इस घटना की ऐतिहासिकता है। यही इसकी आध्यात्मिक ऊंचाई है। और यही युवाचार्य महावीर कुमार जी से जुड़ी सबसे बड़ी आशा भी- 'वे स्वयं साधना की ज्योति बनें और उस ज्योति से मनुष्य के भीतर के अंधकार को दूर करते हुए समूचे विश्व की चेतना को करुणा, संयम, अहिंसा और सह-अस्तित्व के प्रकाश से आप्लावित करें।'

ललित गर्ग

शांति के लिए नारायणोपनिषद की विशेषताएं

आज युद्ध नेपाल में आपदा के कारण दु:ख का माहौल है इस माहौल में मानवता सेवा और शांति की आवश्यकता है जिसके लिए भगवान नारायण से हाथ जोड़ कर विनती करते हैं आप इस पीड़ा को हरे इसका वर्णन नारायणोपनिषद में है नारायणोपनिषद कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित एक लघु और महत्वपूर्ण उपनिषद है, जो संस्कृत भाषा में रचित है। इसमें भगवान नारायण को ही परम ब्रह्म, सर्वव्यापक परमात्मा और सृष्टि का मूल आधार बताया गया है। नारायणोपनिषद का मूल संस्कृत पाठ कृष्ण यजुर्वेदीय शाखा से संबंधित है और इसमें भगवान नारायण को सर्वोच्च माना गया है। मूल पाठ का सार यह है कि मंत्र (1-12) के श्लोक भगवान नारायण के सर्वव्यापकता का वर्णन करते हैं, जो हृदय के भीतर सूक्ष्म अग्नि के रूप में स्थित हैं। इसमें नारायण की महिमा बताई गई है- नारायण को सर्वव्यापक, अजन्मा और विश्व का आधार बताया गया है, जो ?नमो नारायणाय मंत्र का केंद्र हैं। फलश्रुति (अंतिम भाग)- इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त होकर नारायण सायुज्य प्राप्त करता है। मुख्य विशेषताएं सर्वव्यापकता- इस उपनिषद के अनुसार ब्रह्मा, शिव, इंद्र और संपूर्ण जगत नारायण ही हैं। अष्टाक्षर मंत्र- इसमें ? नमो नारायणाय इस आठ अक्षर वाले महामंत्र और उसके जप के महात्म्य का वर्णन है। मोक्ष प्राप्ति- इस उपनिषद का पाठ करने वाला व्यक्ति सभी पापों से मुक्त रूप विष्णु स्वरूप (नारायण सायुज्य) को प्राप्त करता है जो भगवान नारायण शाश्वत हैं। ब्रह्माजी भी नारायण हैं। भगवान निशि और दाराज भी नारायण हैं। समय और दिशाएँ भी नारायण हैं। दिशाएँ (दिशाओं के समुद्र तट) भी नारायण हैं। ऊपरी भाग भी नारायण है और निचला भाग भी नारायण है। इसलिए, बाहरी व्यक्ति भी नारायण है। जो कुछ भी हुआ है, जो हो रहा है और जो होने वाला है, वह सब भगवान नारायण ही हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त, आनंदमयी, बिना किसी विकल्प के, अवर्णनीय और शुद्ध देवता हैं। भगवान रुद्र का जन्म नारायण से हुआ है। नारायण के माध्यम से ही डेराज प्रकट हुए। नारायण के पेज भी अनुभव में आई। राजा अनादित्य का जन्म नारायण से हुआ। भगवान नारायण से बारह रुद्र, असिसु और संपूर्ण श्लोक प्रकट हुए। नारायण से प्रेरित होकर, हर कोई अपने-अपने काम में शामिल हो जाता है और एकमात्र भगवान नारायण में ही शामिल हो जाता है। यह ऋवैदिक उपनिषद का वर्णन है। ?। नारायण ही ब्रह्मा हैं, नारायण ही निशि हैं, नारायण ही इन्द्र हैं, नारायण ही आकाश और पृथ्वी हैं। नारायण ही काल हैं, नारायण ही नाद हैं। नारायण ही ऊर्ध्व (ऊपर) हैं, नारायण ही अध: (नीचे) हैं, नारायण ही बाहर हैं। नारायण ही शिव हैं। जो भूतकाल में था और जो भविष्य में होगा, वह सब नारायण ही हैं। वे निश्चल (बिना टुकड़ों के), निरंजन (दोषरहित), निर्विकल्प (बिना किसी विकल्प के), शुद्ध और एकमात्र नारायण हैं। वे ही विष्णु हैं, वे ही विष्णु हैं। नारायण ही एकमात्र मुक्त, मनोरंजन-अनिवार्य, निर्विकार, अवर्णनीय और शुद्ध देव हैं। अ, उ और म इन तीन मात्राओं से यह प्रत्यक्ष (ओंकार) स्वरूप आनंदमय और ब्रह्मपुरुष का प्राण-रूप है। ये अलग-अलग हैं, लेकिन इनमें से तीन मात्राओं के अद्भुत रूप को ही ओम कहा जाता है। इस ओम मंत्र का जाप करने से योगी-साधक जन्म-मृत्यु के बंधनों से मुक्त हो जाता है। जो व्यक्ति ओम नमो नारायणाय मंत्र का जाप करता है, वह वैकुंठ धाम जाता है। इसी वैकुंठ धाम को पुण्डरीक (हृदय-कमल) के रूप में जाना जाता है। वैसे, इसका स्वरूप परम प्रकाशमय और बिजली के समान है। ब्रह्ममय देवकीनंद भगवान श्री कृष्ण ही ब्राह्मण यानी ब्राह्मणों के आराध्य हैं। मधुसूदन, पुण्डरीकाक्ष और विष्णु- ये सभी अचूक और अज्ञानी हैं। हर आत्मा में केवल भगवान नारायण ही निवास करते हैं। वे सभी गुण के मूल (कारण-पुरुष) होने पर भी स्वयं कारण-रहित हैं। वे ही परम पुरुष हैं। पवित्र अक्षर ? के रूप में प्रकट होने से इस सार का अध्ययन और भोर में इस उपनिषद के पाठ से रात में पाप धोए जाते हैं। दोनों साध्य-कालों (भोर और शाम) में इसका पाठ करने से साधक पापों से मुक्त हो जाते हैं, यहाँ तक कि पिछले जन्मों के पापों से भी। दो में सूर्य देव की ओर से इसका पाठ करने से मनुष्य पाँच महापापों (*महापातक*) और छोटे पापों (*उपपातक*) से सदा के लिए मुक्त हो जाता है। इससे चारों वेदों के पाठ का पुण्य प्राप्त होता है और नश्वर शरीर त्यागने पर भगवान नारायण के साथ शाश्वत मिलन (*सायुज्य*) प्राप्त होता है। जो इस सत्य को जानता है, वह भी भगवान नारायण में अवतरित होता है। 77577 हे भगवान! आप सत्य, निजी और आनंद के स्वरूप हैं! मेरी वाणी मेरे मन में स्थित हो और मेरा मन मेरी वाणी में स्थित हो। हे प्रकाश के स्वामी! आप स्वयं को मेरे साथ प्रस्तुत करें। हे मन और वाणी! आप मेरे लिए वैदिक ज्ञान के भंडार। मैंने जो ज्ञान सुना है, वह कभी मुझसे दूर नहीं हो गया। मैं सदैव श्रेष्ठ शब्द बोलूं और केवल सत्य ही कहूं। वह परम सत्य (*ब्रह्म*) मेरी और मेरे गुरु की रक्षा करे। 77 ? शांति, शांति, शांति! 77 भगवान शांति के स्वरूप हैं; वे तीन प्रकार के पदार्थ हैं—भौतिक (आधिभौतिक), दैवीय (आधिदैविक) और आध्यात्मिक (आध्यात्मिक)—को पूरी तरह से शांत करें।जो अनंत सिरों वाला है (वही विश्वरूप जिससे सब लोकों की उत्पत्ति होती है, वही महेश्वर का शरीर है। इसलिए हमारी आत्माओं के सिर भी उन्हीं के सिर हैं। इसलिए वह महेश्वर अनंत सिरों वाला है। इसी तर्क से), अनंत नेत्रों वाला है, जिससे सब लोकों का सुख उत्पन्न होता है, वही विश्वशंभु, जगत् को देने वाला, नारायण (जो जगतों के कारण पाँच तत्वों में विद्यमान है), स्वयं प्रकाशित करने वाला, अक्षर, सबका कारण, परम और बुद्धिमानों को प्राप्त होने वाला है; उसी ब्रह्म (महेश्वर) का ध्यान करना चाहिए।

सभी भौतिक श्रेणियों से ऊपर, वह परमात्मा अविनाशी, शाश्वत, सर्वव्यापी होने के कारण, ब्रह्मांड, दुनिया के कारण में स्थित होने के कारण नारायण है, और पाप और अज्ञान का नाश करने वाला होने के कारण हरि है; इसी तरह, अज्ञानी को जो कुछ भी दिखाई देता है, वह मूल रूप से परमात्मा ही है। वह परमात्मा इस ब्रह्मांड में रहता है यानी, अपने कामों के लिए इसमें (ब्रह्मांड में) शरण लेता है

पतिं विश्वस्याईत्मेश्वत शिवाम्चुत्मे भगवान का ध्यान करना चाहिए क्योंकि वे जगत के पालक हैं, भगवान क्योंकि वे पति हैं, भगवान क्योंकि वे आत्मा के नियंत्रक हैं, भगवान क्योंकि वे निरंतर और शाश्वत हैं, भगवान क्योंकि वे परम शुभ हैं, भगवान क्योंकि वे अपरिवर्तनीय हैं, भगवान क्योंकि वे नारायण हैं, भगवान क्योंकि वे ज्ञेय सिद्धांतों में सर्वोच्च हैं, भगवान क्योंकि वे महान ज्ञेय हैं, भगवान क्योंकि वे जगत के कारण हैं और इसलिए जगत से अलग हैं, भगवान क्योंकि वे ब्रह्मांड हैं, और भगवान क्योंकि वे श्रेष्ठ हैं, भगवान क्योंकि वे पारलौकिक हैं।

पुराणों में नारायण शब्द से जाने जाने वाले भगवान सत्य और ज्ञान आदि का सिद्धांत हैं, जो परम प्रकाश है। नारायण ही परमात्मा हैं। नारायण ही परम ब्रह्म हैं। नारायण ही सर्वोच्च हैं। वे ध्यात (वेदांत के रचयिता), ध्यान (परमात्मा के बारे में दृष्टिकोण) और पापियों के शत्रु हैं।

इस वर्तमान संसार में जो कुछ भी निकट जगत में देखा जाता है या दूर जगत में सुना जाता है, नारायण उसमें भीतर और बाहर से व्याप्त हैं। (जैसे मुकुट, कंगन आदि आभूषणों का सोना, उनमें भीतर और बाहर से व्याप्त है, वैसे ही नारायण हर जगह व्याप्त हैं।

नारायण का स्वरूप असीम, विनाशरहित, निराकार, सर्वज्ञ, सागर के समान विशाल, जगत का अंत और उसकी उत्पत्ति का कारण है। जैसे आठ पंखुड़ियों वाले कमल के बीच के छिद्र का हृदय नीचे की ओर होता है।

-संजय गोस्वामी

(स्मृति शेष) कविता का सवाल अब भी बाकी है

कई साल बीत गए। वर्ष ठीक-ठीक याद नहीं। तब मुंगेर का गंगा पुल नहीं बना था। बेगूसराय का स्थापना दिवस था और विमल कीर्ति सिंह वहां के जिला पदाधिकारी। उसी अवसर पर कवि सम्मेलन हुआ था। मुंगेर से अनिरुद्ध सिन्हा, छंदराज और सियाराम प्रहरी काव्यपाठ के लिए गए थे। मैं कला-संस्कृति की रिपोर्टिंग के सिलसिले में वहां था। उसी मंच पर पहली बार सत्यनारायण और गोपी वल्लभ सहाय को एक साथ सुनने का अवसर मिला। परिचय औपचारिक नहीं था। वे मुझे नाम से जानते थे। आगे चलकर यह परिचय आत्मीयता में बदल गया।

28 अगस्त 2026 को पटना के कदमकुआं स्थित आवास पर सत्यनारायण का निधन हो गया। सात दशकों से अधिक समय तक कविता को अपने समय की बेचैनी से जोड़कर रखने वाला यह कवि अपने रचनात्मक जीवन के समग्र प्रकाशन 'सत्यनारायण समग्र' की प्रतीक्षा कर रहा था। विडंबना यह कि उनकी रचनाओं का समग्र पाठकों तक पहुंचने वाला था, लेकिन कवि स्वयं उसका साक्षी नहीं बन सका।

सत्यनारायण को याद करने का सबसे सार्थक तरीका शायद उनके पुरस्कारों, सम्मानों और पदों की सूची दोहराना नहीं, बल्कि उस सवाल तक लौटना है जो उनकी कविता बार-बार उठाती है—अन्याय कब तक चलेगा और चुप्पी आखिर किसकी रक्षा करती है?

卐जुल्म का चक्का और तबाही,
केतना दिन-केतना दिन!
वे करते हैं हम भरते हैं,
अईसन काहे-अईसन काहे!卐

'केतना दिन' केवल लोकभाषा का मुहावरा नहीं है। यह सत्ता और समाज के बीच जवाबदेही का प्रश्न है। सत्यनारायण की कविता पाठक को केवल सहमत कराने नहीं आती, उसे असहज भी करती है। यही उनकी जनधर्मी कविता की केंद्रीय शक्ति थी।

कविता का सड़क पर उतरना

1974 का जेपी आंदोलन सत्यनारायण की कविता के लिए निर्णायक प्रसंग था। गोपी वल्लभ सहाय, परेश सिन्हा, लाल धुआं और अनेक साहित्यकार उस दौर की जनचेतना से जुड़े थे। फणीश्वरनाथ रेणु जैसे साहित्यकार भी आंदोलन की सामाजिक बेचैनी के साथ खड़े दिखाई देते थे। सत्यनारायण ने कविता को सभागार से निकालकर नुक्कड़ तक पहुंचाया।

नुक्कड़ कविता का महत्व केवल यह नहीं था कि वह अधिक लोगों तक पहुंचती थी। उसका असली महत्व यह था कि उसने कविता और नागरिकता के बीच सीधा संबंध बनाया। सभागार में कविता श्रोता तक पहुंचती है, सड़क पर वह श्रोता को नागरिक में बदलने की कोशिश करती है।

1974 में बिहार की सड़कों पर कविता का यह रूप असाधारण था। सत्ता के केंद्रीकरण, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और राजनीतिक असंतोष के बीच कविता ने प्रतिरोध की भाषा खोजी। सत्यनारायण की भारी आवाज और सहज लोकभाषा इस वातावरण में दूर तक जाती थी। उनकी कविता आंदोलन का घोषणापत्र नहीं थी, लेकिन उसने आंदोलन की भावनात्मक और नैतिक जमीन को मजबूत किया।

इसीलिए सत्यनारायण को केवल गीतकार के रूप में देखना उनके कवि-व्यक्तित्व को सीमित करना होगा। उनके गीत में राजनीतिक चेतना थी, लेकिन वे कविता को नारे में बदल देने से बचते थे। उनका आग्रह मनुष्य की गरिमा और सच बोलने के अधिकार से शुरू होता था।

卐राज नंगा है, मत कहना।
राज नंगा है तो है, इससे तुमको क्या?
सच को सच कहने पर होगी घोर समस्या
सभी सयाने चुप हैं, तुम भी चुप।卐

इन पंक्तियों का निशाना किसी एक सरकार या किसी एक कालखंड तक सीमित नहीं है। यहां सत्ता से अधिक खतरनाक वह सामाजिक विवेकहीनता है, जो सत्ता की भाषा को अपनी भाषा बना लेती है। 'सयाने' लोग चुप हैं, क्योंकि सच बोलने की कीमत है। कविता इसी कीमत का हिसाब मांगती है।

इसलिए सत्यनारायण की कविता को केवल जेपी आंदोलन की राजनीतिक स्मृति में रख देना उसके अर्थ को छोटा करना होगा। जेपी आंदोलन उनके कवि-व्यक्तित्व में मौजूद उस बेचैनी का ऐतिहासिक क्षण था, जिसमें कविता और नागरिक प्रतिरोध एक-दूसरे से मिले।

कविता और सत्ता का द्वंद्व

सत्यनारायण की रचनात्मक यात्रा का एक रोचक विरोधाभास बाद में सामने आता है। जिस कवि ने सत्ता से सवाल किए, उसी की रचना 'मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार' बिहार का राज्यगीत बनी।

क्या सत्ता द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के बाद कविता का प्रतिरोध समाप्त हो जाता है? क्या किसी कवि की रचना का राज्यगीत बन जाना उसके आलोचनात्मक तेवर को निष्प्रभावी कर देता है?

इन सवालों का उत्तर सत्यनारायण की समूची रचनात्मकता को साथ रखकर ही मिल सकता है। राज्यगीत में वे बिहार की सांस्कृतिक स्मृति को वाल्मीकि, वैशाली, बुद्ध, महावीर, नालंदा, अशोक, आर्यभट्ट, शेरशाह, कुंवर सिंह और गांधी से जोड़ते हैं। बिहार उनके लिए इतिहास, ज्ञान, करुणा, लोकतंत्र और संघर्ष की भूमि है।

यानी जिस कवि की कविता कहती है—'राज नंगा है'—वही कवि राज्य से अपने इतिहास और आत्मसम्मान को पहचानने का आग्रह करता है। सत्ता की आलोचना और समाज की सामूहिक स्मृति का निर्माण परस्पर विरोधी नहीं हैं। असली प्रश्न यह है कि राज्यगीत बनने के बाद भी कवि की दूसरी कविताएं अपने सवाल बचाए रखती हैं।

सत्यनारायण की रचनाओं को पढ़ते हुए इसका उत्तर हां में मिलता है।

卐चिरागों से धुआं उठने लगा, कुछ कीजिए!
अब तो इस घर में भी दम घुटने लगा, कुछ कीजिए!卐

यहां 'घर' राज्य भी हो सकता है, समाज भी और मनुष्य का निजी संसार भी। चिराग से धुआं उठना उस व्यवस्था का रूपक है जिसमें रोशनी की संस्थाएं ही घुटन पैदा करने लगती हैं। यह कविता किसी एक सत्ता को नहीं, सत्ता के उस चरित्र को संबोधित करती है जो अपने मूल उद्देश्य से विचलित हो जाए।

लोकभाषा की ताकत

सत्यनारायण की कविता की बड़ी विशेषता उसकी भाषा है। भोजपुरी और हिंदी के बीच उनका आना-जाना महज भाषिक प्रयोग नहीं था। यह सामाजिक अनुभवों के बीच आवाजाही भी थी। लोकभाषा उनके यहां सजावट नहीं, कविता की सामाजिक ऊर्जा थी।

'केतना दिन' और 'अईसन काहे' जैसी अभिव्यक्तियां साहित्यिक भाषा की कृत्रिम शालीनता को तोड़ती हैं। वे उस मनुष्य की भाषा हैं जो व्यवस्था से सवाल कर रहा है और जिसे अपने सवाल के लिए किसी साहित्यिक प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं।

उनकी लोकप्रियता केवल भारी आवाज की वजह से नहीं थी। आवाज के पीछे भाषा की पहचान थी और भाषा के पीछे जीवन का अनुभव। वे गीत, नवगीत और नई कविता के बीच कठोर विभाजन को भी स्वीकार नहीं करते थे। उनका विश्वास था कि रचना अपने कथ्य के अनुरूप अपना शिल्प स्वयं खोजती है। इसीलिए उनकी कविता में गीत की लय, नवगीत की आधुनिक बेचैनी और जनकविता का प्रतिरोध एक साथ दिखाई देता है।

उनका जन्म 13 सितंबर 1935 को भोजपुर जिले के कौलोडिहरी गांव में हुआ था। पटना कॉलेज के दिनों में काव्यपाठ से उनकी साहित्यिक यात्रा को गति मिली। डॉ. रामखेलावन पांडे और रामगोपाल रूद्र जैसे साहित्यिक संस्कारों से उन्हें दिशा मिली। हरिवंश राय बच्चन को सुनने का अनुभव भी उनकी काव्य-चेतना के निर्माण में महत्त्वपूर्ण रहा। लेकिन उनकी वास्तविक पहचान उनके लंबे जीवन-वृत्तांत से नहीं, उस रचनात्मक आग्रह से बनी जिसमें कविता जीवन से अलग नहीं थी।

'तुम ना नहीं कर सकते', 'सुनें प्रजाजन', 'टूटते जल बिंब' और 'सभाध्यक्ष हंस रहा है' जैसी कृतियां उनके रचनात्मक संसार के अलग-अलग पक्ष खोलती हैं। 'नुक्कड़ कविता' जैसी पत्रिका के संपादन के जरिए भी उन्होंने कविता को सार्वजनिक जीवन से जोड़ने का प्रयास किया।

मेरी स्मृति में सत्यनारायण

मेरी स्मृति में सत्यनारायण का एक चेहरा उस पुराने बेगूसराय के कवि सम्मेलन से जुड़ा है। बाद में भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट में बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अधिवेशन में उनसे फिर मुलाकात हुई। डॉ. विष्णु किशोर झा 'बेचन' तब बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष थे। समय बदलता गया, शहर बदले, साहित्यिक संस्थाएं बदलीं, कविता के मंच बदले, लेकिन सत्यनारायण की आवाज की पहचान बनी रही।

आज पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि उस समय कविता से मिलने का अनुभव अलग था। मुंगेर का गंगा पुल नहीं बना था। शहरों की दूरी सड़क से तय होती थी। इंटरनेट, मोबाइल और सोशल मीडिया नहीं थे। कवि को सुनने जाना पड़ता था। बातचीत के लिए बैठना पड़ता था। परिचय को आत्मीयता में बदलने में समय लगता था।

शायद साहित्य का एक अर्थ समय को थोड़ा धीमा करना भी है।

सत्यनारायण उसी धीमे समय के कवि थे, लेकिन उनके सवाल धीमे नहीं थे।

शोक के बाद शुरू होती है असली परीक्षा

सत्यनारायण के निधन पर राजनीतिक और साहित्यिक जगत से श्रद्धांजलियां आईं। उन्हें हिंदी का 'ध्रुवतारा', जेपी आंदोलन का सशक्त सिपाही और बिहार की सांस्कृतिक पहचान को स्वर देने वाला कवि कहा गया।

लेकिन मृत्यु के बाद किसी कवि की असली परीक्षा श्रद्धांजलियों से नहीं, पाठ से होती है।

क्या हम उनकी कविता इसलिए पढ़ेंगे कि वे बिहार गीत के रचनाकार थे? या इसलिए कि उन्होंने एक दौर में जनांदोलन के साथ कविता को सड़क पर उतारा? या इसलिए कि उन्होंने लोकभाषा में सत्ता से सवाल करने का जोखिम उठाया?

इन तीनों के बीच से ही सत्यनारायण का कवि निकलता है।

'सत्यनारायण समग्र' का प्रकाशन इसलिए महज एक साहित्यिक घटना नहीं होगा। वह यह देखने का अवसर भी होगा कि सात दशकों में फैली उनकी रचनात्मक यात्रा में कौन-से प्रश्न लगातार बने रहे और कौन-से बदल गए। किसी कवि की प्रासंगिकता इस बात से तय नहीं होती कि उसे कितने सम्मान मिले, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी कविता अपने समय से आगे जाकर कितने सवाल छोड़ती है।

सत्यनारायण की कविता का सवाल आज भी हमारे सामने है—अन्याय कब तक चलेगा? चुप्पी किसकी रक्षा करती है? और सच बोलने की कीमत से बचने के लिए हम कब तक 'सयाने' बने रहेंगे?

कवि की आवाज खामोश हुई है, लेकिन कविता का सवाल अब भी बाकी है।

卐केतना दिन-केतना दिन!卐

यह सवाल सत्ता से जितना है, समाज से भी उतना ही। और शायद साहित्य से भी।

क्योंकि कविता का अंतिम अर्थ केवल सुंदर होना नहीं है। उसका एक अर्थ यह भी है कि जब समय चुप रहने का दबाव बनाए, तब कविता बोल सके।

सत्यनारायण की सबसे बड़ी विरासत शायद यही है—उन्होंने कविता को सवाल करने का साहस दिया। अब उस सवाल को जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है।

- कुमार कृष्णन

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

विदेशी मजबूती के बावजूद तेल-तिलहन बाजार में कहीं बढ़त, कहीं गिरावट

सरसों में सीमित बढ़त, सोयाबीन और बिनौला फिसले; आयातकों की लागत से कम बिक्री से बाजार पर दबाव

नई दिल्ली । बीते सप्ताह भारतीय खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख रहा। विदेशी बाजारों की मजबूती के बावजूद, घरेलू कारकों, विशेषकर आयातकों की लागत से कम बिकवाली, के चलते अधिकांश तेलों में या तो गिरावट आई या वे स्थिर रहे। केवल सरसों तेल-तिलहन में सीमित वृद्धि दर्ज हुई। सरसों तेल-तिलहन में विदेशी बाजारों की मजबूती से मामूली बढ़त दिखी। हालांकि, सीमित उपलब्धता के बावजूद ऊंची कीमतें खरीदारों को हतोत्साहित कर रही हैं, जिससे लिवाली कमजोर बनी हुई है। दूसरी ओर सोयाबीन तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में गिरावट आई। सूत्रों के अनुसार, बड़े संयंत्रों द्वारा सस्ते में खरीद के प्रयास और आयातकों की लागत से नीचे की बिकवाली ने सोयाबीन पर दबाव बनाया, भले ही उसकी उपलब्धता कम थी। मूंगफली तेल-तिलहन और कच्चे पामतेल (सीपीओ) व पामोलीन तेल के दाम स्थिर रहे। सोमवार को मलेशिया एक्सचेंज बंद रहेगा। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये

की मजबूती के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 100 रुपये के सुधार के साथ 16,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 15-15 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,675-6,725 रुपये और 6,525-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।इसी तरह, दिल्ली में सोयाबीन तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 13,950 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 15,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 14,600 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। मूंगफली तेल का दाम नहीं बढ़ने के कारण बिनौला तेल का दाम 225 रुपये की गिरावट के साथ 16,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पहले दिन ही 2 गुना हुआ आईपीओ, निवेशक 1 सितंबर तक लगा सकते हैं दांव

नई दिल्ली। ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ ग्रे मार्केट में इस समय एक बेहतर स्थिति में है। आईपीओ का जीएमपी 372 रुपए के स्तर पर है। जोकि 86 फीसदी के लिस्टिंग का संकेत दे रहा है। इस समय आईपीओस ग्रे मार्केट में सबसे मजबूत स्थिति में है। बता दें अगर यही जीएमपी लिस्टिंग के वक्त भी रहा तो आईपीओ एक लॉट पर 12648 रुपए का फायदा दे सकता है। ग्रे मार्केट से मिल रहे रिस्पॉन्स का ही असर है कि पहले दिन ही आईपीओ पूरी तरह से भर गया। अब तक इस आईपीओ को 2.21 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। रिटेल कैटगरी में आईपीओ को अबतक 2.84 गुना, क्यूआईबी में 0.01 गुना और एनआईआई कैटगरी में 3.70 गुना सब्सक्राइब किया गया है।

ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ का प्राइस बैंड का प्राइस बैंड 408 रुपए से 429 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का लॉट साइज 34 शेयरों का है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14586 रुपए का दांव लगाना होगा। बता दें आईपीओ 28 अगस्त को खुला था। निवेशकों के पास 1 सितंबर तक दांव लगाने का मौका है। यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 27 अगस्त को खुल गया था। एंकर इनवेस्टर्स से कंपनी ने 216 करोड़ रुपए जुटाए हैं।

ईएसडीएस साफ्टवेयर सेल्युशन आईपीओ का साइज 720 करोड़ रुपए का है। आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित है। आईपीओ के जरिए कंपनी 1.68 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। बता दें डेम केपिटल एडवाइजर लिमिटेड को लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया को रजिस्ट्रार बनाया गया है। इस आईपीओ से जुटाए 576 करोड़ रुपए से कंपनी इक्विपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रयोग करेगी। बाकि पैसों का उपयोग जनरल कॉरपोरेट कार्यों के लिए होगा। इस इश्यू में मौजूदा निवेशक शेयर नहीं बेच रहे हैं। प्रमोटर और प्रमोटर ग्रुप के पास 46.06 फीसदी हिस्सा है। वहीं, पोस्ट आईपीओ के बाद 39.47 फीसदी हिस्सा है। वहीं, पब्लिक की हिस्सेदारी 53.04 फीसदी से बढ़कर 60.53 फीसदी हो जाएगी।

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। सरकार के हस्तक्षेप के बाद आलौच्य सप्ताह के दौरान शक्कर में बाजार लुड़क गये। नारियल भी घटाकर बोला गया। खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन में मामूली गिरावट दर्ज हुई। दलहनों में उड़द बाजार बड़त पर रहे।

किराना :- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा अच्छी ही रही। राखी के लि?ए नारियल, खोपरा गोला व बुरा में जहां एकतरफा खरीद देखी गयी, वहीं शक्कर में बाजार लम्बी छलांक के बाद टूट गये। बाजार सूत्रों के अनुसार शक्कर में बड़ती कीमतों पर नियंत्रण के लि?ए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बाद बाजार पुनः पुराने स्तर की ओर लौटने लगे है। शक्कर में बाजार 6450-6500 रू. प्रति क्विंटल से टूटकर 5300-5400 रू. प्रति क्विं?टल पर आ गये। खोपरा गोला उठाव सुस्त पड़ने के बाद 10-15 रू. प्रति कि?लो हल्का पड़ा। मसाला जिंसों में सौंफ, जीरा व हल्दी में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। नारियलों में औसत आवक 5-6 गाड़ी से अधि?क नहीं देखी गयी। राखी की भरपूर माँग निकलने के बाद नारियल सभी भारती मालों में 100-200 रू. प्रति थैले तक टूट गये। इस दौरान नारियल (120) भरती मालों में 3400 रू. प्रति थैले से टूटकर 3300 रू. प्रति थैले पर आ गये। अन्य किराना जिंसों में बाजार सुस्ती पर देखे गये।

तेल तिलहन :- आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। बाजार सूत्रों का मानना है कि सींगदाना तेलों में माँग व पूर्ती सामान्य रहने के बीच बाजार में विशेष तेजी मंदी का अभाव रहा। इस दौरान सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 1730-1750 रू. प्रति 10 कि?लो पर बने रहे। वहीं, सोया तेल ऊपरी स्तरों से 15-20 रू. प्रति 10 किलो तक टूटा और सोया तेल इंदौर लाइन पर 1410-1415 रू. प्रति कि?लो से टूटकर 1395-1400 रू. प्रति 10 कि?लो पर आ गया। कपास्या तेलों में भाव बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन में भाव 100 रू. प्रति क्विं?टल हल्के पड़कर 6900 रू. प्रति क्विं?टल पर आ गये। सरसो व रायडा में बाजार बने रहे।

दाल दलहन :- समीक्षा सप्ताह के दौरान दाल दलहनों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। चने में पूरे सप्ताह बाजार 6600-6700 रू. प्रति क्विं?टल के दायरे में रहे। तुअर में बाजार 6500-6700 रू. प्रति क्विं?टल पर मजबूत नज़र आये। उड़द में लेवाली के चलते भावों में 100-200 रू. प्रति क्विं?टल का इजाफा रहा और उड़द बढ़ि?या मालों में बाजार 9100-9300 रू. प्रति क्विं?टल पर आ गये। मूंग में बाजार बने रहे।

शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.13 लाख करोड़ से अधिक घटा

मुंबई । पिछले सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में जारी गिरावट के बीच, सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात को भारी नुकसान हुआ। इन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,13,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमी दर्ज की गई। इस दौरान भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक झटका लगा, जो साप्ताहिक बाजार रिपोर्ट में प्रमुखता से सामने आया। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 276.32 अंक (0.35 प्रतिशत) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76.35 अंक (0.31 प्रतिशत) गिरकर बंद हुआ। इस बाजार गिरावट का सीधा असर देश की सबसे बड़ी कंपनियों पर पड़ा। समीक्षाधीन अवधि में, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 40,500.85 करोड़ रुपये घटकर 11,74,462.30 करोड़ रुपये रह गया, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 40,056.32 करोड़ रुपये घटकर 17,38,119.27 करोड़ रुपये पर आ गया। इन दोनों कंपनियों को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा। अन्य प्रमुख कंपनियों में, एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 11,558.35 करोड़ रुपये घटकर 11,09,600.70 करोड़ रुपये रह गई। बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में भी 10,086.05 करोड़ रुपये की कमी आई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) ने भी अपने बाजार मूल्यांकन में क्रमशः 6,473.45 करोड़ रुपये, 3,162.5 करोड़ रुपये और 1,550.73 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की। हालांकि, इस गिरावट के विपरीत, कुछ कंपनियों ने बढ़त भी दर्ज की। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 16,643.20 करोड़ रुपये बढ़कर 8,48,079.71 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत में 4,475.28 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में 599.99 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, बजाज फाइनेंस, एलआईसी, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

गहरे समुद्र में तेल-गैस खोज तेज करेगी ओएनजीसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज में तेजी लाने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बदलाव की तैयारी कर रही है। कंपनी अब गहरे पानी में ड्रिलशिप खरीदने या किसी वैश्विक कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाने पर विचार कर रही है। इसका मकसद विशेष खुदाई क्षमताओं तक स्थायी और प्राथमिकता के आधार पर पहुंच सुनिश्चित करना और विदेशी रिग पर निर्भरता कम करना है। यह कदम ओएनजीसी के मिशन समुद्र मंथन कार्यक्रम का हिस्सा है। इस दिशा में, ओएनजीसी ने एक वैश्विक विशेषज्ञ समुद्री रिग-ब्रोकर सलाहकार नियुक्त करने के लिए रुचि पत्र (ईओआई) जारी किया है। यह सलाहकार वैश्विक भागीदारों की पहचान कर तकनीकी-व्यावसायिक आकलन में मदद करेगा। यह पहल केंद्र सरकार की समुद्र मंथनड्ड राष्ट्रीय अपतटीय अन्वेषण योजना के अनुरूप है, जिस पर 2030-31 तक 84,084 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसका लक्ष्य घरेलू उत्पादन बढ़ाकर आयात निर्भरता कम करना है। वर्तमान में भारत में अत्याधुनिक गहरे पानी की ड्रिलशिप बनाने की क्षमता नहीं है, जिससे ओएनजीसी विदेशी कंपनियों पर निर्भर रहती है। ड्रिलशिप का स्वामित्व या संयुक्त उद्यम इस निर्भरता को कम करेगा और कंपनी को समयबद्ध तरीके से गहरे पानी में अन्वेषण कार्यक्रम चलाने में मदद मिलेगी।

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए उम्मीद और खुशियों की छोटी-छोटी सौगात लेकर आ सकता है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को मनचाही खबर मिल सकती है। वहीं, सिंगल लोगों की मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जो दिलचस्पी जगाए। परिवार और रिश्तेदारों का साथ आपको मजबूत बनाएगा। बस बेवजह की बहस से खुद को दूर रखें।

वृषभ राशि - मन में थोड़ी बेचैनी रहेगी, लेकिन आपकी मेहनत आर्थिक स्थिति को संभालने में अहम भूमिका निभाएगी। पैसों से जुड़ी निजी बातें हर किसी से साझा न करें। शेयर मार्केट में कदम बढ़ाने से पहले अच्छी तरह सोच लें। किसी करीबी का अचानक आना पुरानी यादों को फिर से जीवंत कर सकता है।

मिथुन राशि- आज ऐसा लग सकता है जैसे मेहनत का परिणाम आखिरकार आपके सामने आने लगा है। सफलता के संकेत मजबूत हैं। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात दिल को खुशी देने के साथ भावुक भी कर सकती है। संतान की खुशी के लिए कोई जरूरी या पसंदीदा खरीदारी हो सकती है।

कर्क राशि- आज कुछ मामलों में स्थिति थोड़ी उलझी हुई नजर आ सकती है, इसलिए जल्दबाजी के बजाय समझदारी से आगे बढ़ें। परिवार की किसी बात को लेकर मतभेद हों तो प्यार से बात करना बेहतर रहेगा। प्रॉपर्टी या लोन से जुड़े मामलों में सकारात्मक प्रगति हो सकती है।

सिंह राशि- आर्थिक मोर्चे पर आज किस्मत आपका साथ देती दिखाई दे रही है। लंबे समय से अटके काम पूरे होंगे तो आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। कारोबार में पार्टनर के साथ भविष्य की नई योजनाओं पर बातचीत अच्छे परिणाम दे सकती है। स्वादिष्ट भोजन और सुख-सुविधाओं का आनंद लेने का मौका मिलेगा। निवेश के नए अवसर सामने आ सकते हैं, लेकिन उत्साह में आकर जल्दबाजी न करें। धन लाभ की खुशी पूरे दिन चेहरे पर दिखाई दे सकती है।

कन्या राशि- आज कोई बड़ा सपना सिर्फ सपना न रहकर उसे पूरा करने की दिशा में पहला कदम बन सकता है। किसी जरूरतमंद की मदद करने से मन को गहरी संतुष्टि मिलेगी। यात्रा को फिलहाल टालना आपके लिए बेहतर रहेगा। माता-पिता की कोई सलाह आज बेहद काम की साबित हो सकती है। संतान के भविष्य से जुड़ा फैसला आगे चलकर आपको गर्व महसूस करा सकता है। सकारात्मक सोच रखें, क्योंकि आज आपकी सोच ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

तुला राशि- आज आपको अपनी सूझबूझ और सतर्कता दोनों का पूरा इस्तेमाल करना होगा। कुछ विरोधी आपकी राह में परेशानी खड़ी करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आप अपनी समझदारी से स्थिति को अपने पक्ष में कर लेंगे। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने की खुशी मिल सकती है। आय बढ़ाने का नया रास्ता खुल सकता है। सामाजिक या सेवा से जुड़े किसी काम में सम्मान मिलने से आत्मविश्वास और प्रतिष्ठा दोनों बढ़ेंगे।

वृश्चिक राशि- आज परिवार और अपनी सेहत, दोनों को नजरअंदाज न करें। जीवनसाथी के साथ छोटी-सी नोकझोंक संभव है, लेकिन बातचीत में प्यार बनाए रखेंगे तो बात ज्यादा नहीं बढ़ेगी। कारोबारियों के लिए दिन खास रह सकता है। मेहनत के दम पर बड़ा ऑर्डर मिलने या किसी अच्छे अवसर के आने के संकेत हैं। वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी रखें। साथ ही, बढ़ते खर्चों पर नजर रखना जरूरी होगा, वरना बजट बिगड़ सकता है।

धनु राशि- आज आपका प्रभाव लोगों पर साफ दिखाई देगा और सम्मान भी बढ़ सकता है। घर में कोई शुभ या मांगलिक आयोजन खुशियों का माहौल बना सकता है। सरकारी कामों में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। दूर रह रहे किसी प्रियजन की याद आपको भावुक कर सकती है। संतान के करियर से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण फैसला भविष्य की दिशा बदल सकता है। अपने परिवार से जुड़े कोई निर्णय लंबे समय तक सकारात्मक असर छोड़ सकता है।

मकर राशि- आज मेहनत का फल मिलने और अधूरी इच्छाओं के पूरे होने की उम्मीद है। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली बॉस को प्रभावित करेगी। समाज सेवा या किसी अच्छे काम में योगदान देने से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। अतीत में हुई कोई गलती आज आपके लिए सीख बनकर काम आएगी।

कुंभ राशि- आज अवसर खुद आपके आसपास आते दिखाई दे सकते हैं। नया काम शुरू करने का विचार आगे चलकर लाभदायक साबित हो सकता है। रिश्तेदारों के साथ छोटी-मोटी बहस संभव है, लेकिन परिवार के बड़े आपकी स्थिति समझकर आपका साथ देंगे। महिला मित्रों या सहयोगियों के माध्यम से व्यापार में लाभ मिलने के संकेत हैं।

मीन राशि- आज मन में चल रही किसी दुविधा के कारण निर्णय लेना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। कोई महत्वपूर्ण डील अंतिम समय में अटक जाए तो परेशान होने के बजाय धैर्य रखें। कार्यक्षेत्र में कुछ लोगों का व्यवहार तनाव बढ़ा सकता है, लेकिन जल्द प्रतिक्रिया देने से बचें। नौकरी के नए अवसर उम्मीद की नई किरण लेकर आ सकते हैं। जीवनसाथी से अनावश्यक बहस से बचना बेहतर रहेगा। सेहत और खासकर खानपान पर ध्यान दें, क्योंकि छोटी लापरवाही भी परेशानी बढ़ा सकती है।

शब्दजाल - 8366

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'राज' लगा हो. शब्द ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्र	अ	मे	क	रा	म	रा	ज	र	प	म
न	द	क	म	व	डो	ने	ग	ति	मा	हा
अ	रा	र	ला	ण	ग	अं	द	ह	प	रा
जी	ज	ल	का	रा	न	स	ध	ह	लि	ज
त	अ	अ	र	ज	जा	मे	ह	का	न	दे
अ	ना	का	र	व	प	धि	त	ह	र	वि
ए	स्व	रा	ज	व	अ	ला	रा	मा	न	रा
त	न	भा	र	प	र्व	त	रा	ज	वि	ज
रा	न	बा	अ	लं	का	र	ह	न	जू	दे
ज	का	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स्	का	प	श
बां	र	मे	घ	रा	ज	स	त्ता	प	र	र

रामराज, रावणराज, मेघराज, राजाधिराज, एतराज, पर्वतराज, महाराज, विराज, दराज, स्वराज

शब्दजाल - 8365 का हल

म	अ	मु	न	मू	ल्य	वा	न	ग	ल	व
रा	वि	प	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	भा
चु	मे	ष	ह	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ग्य
इं	को	ब	न	ल	वा	स	थु	ल	ष	वा
डि	च	मी	भ	ग	वा	न	क्रो	न	भ	न
य	वा	न	र	रा	क	न	ती	ण	य	र
द	न	र्निं	ग	ट्रे	न	र	स	सौ	श	स
क	ह	ऊ	द	द	ब	क	फ	ग	वा	क
रा	म	तु	ला	या	म	प	क	वा	न	आ
क	गॉ	ल	प	लि	वा	कुं	भ	न	प	द
ज्ञा	न	वा	न	या	क	न	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7310

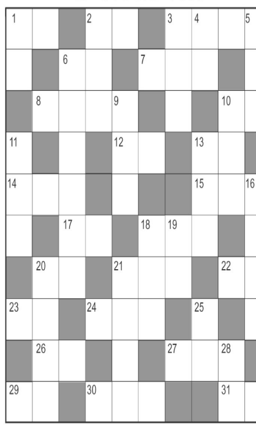

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7309

गु	ना	ह		ग	ज	ब		बा	गी
स		व	जू	द		हा	र	जी	त
	द	स		र	फ्ता	र		ग	
दो	स्त		द				शा	र	दा
	क	या	म	त		घ			स्ता
क		दें		ह	म	रा	ज		न
ल	ज्जा		खे	ल		ना		बा	
हो		ना		का	श		जं	ग	ल
ना	जा	य	ज		रा	नी		बा	
हो		क		बॉ	बी		जा	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

31 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.58 बजे से
चंद्र	मीन में	तुला	09.09 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.23 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.39 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.44 बजे से
शुक्र	कन्या में	कुंभ	17.31 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.04 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.34 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.14 बजे से
राहुकाल		मिथुन	00.13 बजे से
7.30 से 9.00		कर्क	02.26 बजे से
बजे तक		सिंह	04.42 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 243 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 08.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** रेवती 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **योग** गण्ड 01.51 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 08.52 बजे तदनन्तर बव 20.20 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 08° 43' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872818 **जूलियन दिन** 2461283.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 17 **विशेष** कजरी तीज, बहुला चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः वेदांत का मर्म

उन दिनों स्वामी विवेकानंद पैरिस में थे। वहां इटालियन डचेस (राजकुमारी) ने उनसे अनुरोध किया कि वह उन्हें आसपास के इलाके में घुमाना चाहती हैं। दोनों घोड़ागाड़ी से घूमने निकले। चलते हुए वे शहर से बाहर आ गए। कोचवान ने एक जगह गाड़ी रोकी और सड़क किनारे के एक पार्क में चला गया। वहां एक बूढ़ी नौकरानी एक लड़का-लड़की का हाथ पकड़ कर बैठी थी। कोचवान ने उन बच्चों को प्यार किया। बच्चों से कुछ देर बात करने के बाद वह फिर से घोड़ागाड़ी चलाने लगा। डचेस को यह सब थोड़ा अजीब लगा। उन दिनों वहां अमीर-गरीब के बीच बड़ा कठोर विभाजन था। वे बच्चे अभिजात लग रहे थे और कोचवान का इस तरह उन्हें प्यार करना डचेस को खटका। डचेस ने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया। कोचवान ने डचेस से कहा, 'वे मेरे बच्चे हैं। मैं पेरिस के सबसे बड़े बैंक का मैनेजर था। मैंने इतना घाटा उठाया कि उसे चुकाने में कई साल लग जाएंगे। अपनी पत्नी और बच्चों को मैंने इस जगह पर एक किराए के मकान में रखा है। एक बूढ़ी औरत उनकी देखभाल करती है। कुछ रकम जुटाकर मैंने यह घोड़ागाड़ी ले ली और अब इसे चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता हूं। कर्ज चुका देने के बाद मैं फिर से एक बैंक खोलूंगा और उसे विकसित करूंगा।' उसका आत्मविश्वास देखकर विवेकानंद बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने डचेस से कहा, 'इसे वेदांत का मर्म मालूम है। अपनी हैसियत से गिरने के बाद भी अपने व्यक्तित्व और कर्म पर उसकी आस्था डिगी नहीं है। यह अपने मकसद में अवश्य सफल होगा।'

सूडोकु नवताल- 7619

★★★ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7618 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8834

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8833 का हल

ती	रं	दा	ज		को	म	लां	गी
व्र		म	न	भ	र	ना		ज
ता	र			र			स	र
	म		क	म	र		मा	
प्र	ता	ड़	ना		स	र	ज	मीं
	जो		त	र	ना		वा	
बा	गी			सी			दी	न
य		ल	ची	ला	प	न		य
स	ना	त	न		र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

संविधान की पाठशाला बना पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन बिसोनी

देश के 22वें और लांजी क्षेत्र के दूसरे संविधान मेले में जुटे विभिन्न प्रांतों के लोग, चित्र प्रदर्शनी से लेकर संविधान प्रश्नोत्तरी तक हुए आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। तहसील अंतर्गत ग्राम बिसोनी स्थित पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूशन में 28 एवं 29 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय संविधान मेला सामान्य मेलों से बिल्कुल अलग नजर आया। यहां न मिठाइयों की दुकानें थीं, न खिलौनों की और न ही मनोरंजन के साधन। इसके बजाय पूरा परिसर भारतीय संविधान, उसके अधिकारों, कर्तव्यों और संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देने वाली जीवंत पाठशाला में तब्दील रहा। देश के विभिन्न प्रांतों और जिलों से पहुंचे लोगों ने मेले में सहभागिता कर संविधान को समझने और जानने का प्रयास किया। यह आयोजन देश का 22वां संविधान मेला तथा लांजी क्षेत्र का दूसरा संविधान मेला रहा। भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भीमरत्न पुरस्कार से सम्मानित अधिवक्ता धनीराम बंजारे के नेतृत्व में वर्ष 2015 से देश के विभिन्न प्रांतों, जिलों और कस्बों में संविधान मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इन आयोजनों का प्रमुख उद्देश्य आमजन को भारतीय संविधान की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के साथ ही संवैधानिक अधिकारों, कर्तव्यों और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना है।

मेले में दिखी संविधान की तस्वीर, समझाए गए अधिकार और प्रावधान

संविधान मेले की सबसे बड़ी विशेषता रही कि इसे मनोरंजन के बजाय ज्ञान, जागरूकता और संवैधानिक चेतना का मंच बनाया गया। संविधान चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से संविधान निर्माण की यात्रा और उससे जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रदर्शित किया गया। वहीं चलित संविधान पाठशाला के माध्यम से लोगों को संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों एवं संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी सरल माध्यम से दी गई। दो दिनों तक मेले में संविधान विषय पर निबंध लेखन, तात्कालिक भाषण, गीत, संविधान प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इनमें विद्यार्थियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से संविधान को केवल किताब तक सीमित रखने के बजाय उसे दैनिक जीवन और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया गया।

विभिन्न प्रांतों से पहुंचे वक्ता

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से मुख्य वक्ता एम.डी. वाल्दे एवं नीलाराम घृतलहरे, पांढुर्णा से विज्ञान जंगल एवं मानिक वानखेड़े, कटंगी से क्रांतिकारी वक्ता अधिवक्ता संजय खोबरागड़े तथा बालाघाट से विकास खांडेकर सहित अनेक अतिथियों ने सहभागिता की। वक्ताओं ने संविधान की उपयोगिता, नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों तथा संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर विचार रखे।

आयोजन को सफल बनाने में इनका रहा विशेष योगदान

संविधान मेले के सफल आयोजन में भारतीय संविधान प्रचारिणी सभा भारत के सदस्य एवं मुख्य संयोजक पी.डी. भालाधरे, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष पी.के. भीमटे, करुणागिरी समिति कलपाथरी के अध्यक्ष सी.एल. बोरकर, महासचिव ईश्वर बंसोड, रितेश बांसोड़, प्रज्ञा महिला मंडल लांजी तहसील अध्यक्ष शशि बौद्ध, प्रज्ञा महिला मंडल नगर शाखा लांजी अध्यक्ष धर्मशिला मेश्राम, एम.के. बौद्ध, समिता बोरकर, कमल मेश्राम, कैलाश वैध, नमिता मेश्राम, वंदना वैद्य, मनोहर चौरे, गजेंद्र नागदेव, निरंजना बसोड, गिरीश गोस्वामी, प्रेमलाल रामटेके एवं हिमांशु बंसोड सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

सफल अभ्यर्थियों और प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

संविधान मेले के अवसर पर युवाओं और विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन के लिए भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा लांजी द्वारा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर शासकीय सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों तथा कक्षा 12वीं में विभिन्न संकायों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। सम्मानित अभ्यर्थियों में मिलिंद/ज्ञानी एन. रामटेके का मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग में सहायक संचालक, आकांक्षा/अरुण भीमटे का रेलवे भर्ती बोर्ड, निविदा/लक्ष्मण बोरकर का भारतीय स्टेट बैंक में सहयोगी, कमलेश/महेंद्र रामटेके का जिला शीघ्र हस्तक्षेप अधिकारी, रानी/छोटेलाल मडामें का दिल्ली में कला शिक्षक, माया/केशोराव बोरकर का माध्यमिक शिक्षक, राकेश/प्रभुदास रामटेके का प्राथमिक शिक्षक, प्रवीण/राजेंद्र चंद्रिकपुरे का सहायक ग्रेड-3, संदीप/नानाजी बोरकर का केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, आकाश/टेकचंद खोबरागड़े का सीमा सुरक्षा बल तथा ऐश्वर्य/नीलकंठ गजभिए का नागपुर में एमबीबीएस प्रशिक्षण के लिए चयन होने पर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि संविधान केवल एक पुस्तक नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र की आधारशिला है। संविधान की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना और नई पीढ़ी को संवैधानिक मूल्यों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। बिसोनी में आयोजित यह संविधान मेला इसी दिशा में एक सार्थक और प्रभावी पहल के रूप में सामने आया। दो दिनों तक चले इस आयोजन ने लांजी क्षेत्र में संवैधानिक जागरूकता, शिक्षा और सामाजिक चेतना का संदेश दिया। ज्ञान और सम्मान के संगम के साथ देश का 22वां संविधान मेला सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पैतृक ग्राम कारंजा पहुंचे बालासाहेब देवरस के परिजन, पुरानी स्मृतियों से भावुक हुआ माहौल

दत्त मंदिर में किया पूजन-अर्चन, स्मृति भवन एवं आवासीय विद्यालय का किया अवलोकन

पद्मेश न्यूज। लांजी। परम पूज्य बालासाहेब देवरस के परिवार के सदस्यों ने उनके पैतृक ग्राम कारंजा पहुंचकर दत्त मंदिर में विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके पश्चात परिजनों ने विद्याभारती बाल-भाऊ देवरस आवासीय विद्यालय एवं न्यास परिसर का भ्रमण कर विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों, छात्रावास व्यवस्था एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। इस दौरान बालासाहेब देवरस से जुड़ी पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए परिजनों ने अपने संस्मरण साझा किए, जिससे माहौल भावुक हो गया। परिवार के सदस्यों के कारंजा स्थित विद्याभारती बाल-भाऊ देवरस आवासीय विद्यालय के न्यास परिसर पहुंचने पर विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे एवं आचार्या अनीता बोपचे ने सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

स्मृति भवन में ताजा हुईं पुरानी यादें

अतिथियों ने सबसे पहले स्मृति भवन का अवलोकन किया। यहां प.पू. बालासाहेब देवरस के जीवन, कार्यों एवं उनसे जुड़ी स्मृतियों को देखकर परिजन भावुक हुए और उन्होंने उनसे संबंधित पुराने संस्मरणों को याद किया। इसके बाद अतिथियों ने न्यास परिसर एवं विद्याभारती बाल-भाऊ देवरस आवासीय विद्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, छात्रावास व्यवस्था तथा प्रकल्प के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों एवं व्यवस्थाओं पर अतिथियों ने संतोष व्यक्त करते हुए प्रकल्प के निरंतर विकास के लिए शुभकामनाएं दीं।

छात्रावास विकास के लिए 5 हजार रुपये का सहयोग

इस अवसर पर मेजर जनरल अनिल बाम ने बाल-भाऊ देवरस छात्रावास के विकास एवं विद्यार्थियों की सुविधाओं के लिए 5,000 रुपये की नगद सहयोग राशि भेंट की। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए प्रकल्प के उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में डॉ. ईला अनिल बाम, श्रीमती गौरी देशमुख, श्रीमती ऋद्धा सरदेसाई एवं श्री सिद्धार्थ सरदेसाई सहित अन्य अतिथियों ने भी विद्यालय परिसर का अवलोकन किया। सभी ने प्रकल्प की गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए इसे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

परिजनों का आगमन विद्यालय परिवार के लिए रहा भावुक अवसर

बालासाहेब देवरस के पैतृक ग्राम में उनके परिजनों का आगमन विद्यालय परिवार के लिए विशेष और भावनात्मक अवसर रहा। स्मृति भवन में पुरानी यादों को साझा करने के साथ ही अतिथियों ने विद्यालय की वर्तमान प्रगति को भी नजदीक से देखा। परिजनों ने विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए प्रकल्प के निरंतर विस्तार एवं सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बालासाहेब देवरस की स्मृतियों और उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की भावना भी प्रमुखता से दिखाई दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य चुन्नीलाल बोपचे ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीधी बुवाई से घट रही खेती की लागत, प्राकृतिक खेती से बढ़ रहा किसानों का भरोसा

उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने लांजी क्षेत्र के गांवों में खेतों और जैव संसाधन केंद्रों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान एवं राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत उपसंचालक कृषि एवं परियोजना संचालक आत्मा फूलसिंह मालवीय ने शनिवार 29 अगस्त को लांजी विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण किया। उन्होंने किसानों के खेतों में धान की सीधी बुवाई पद्धति से तैयार फसल का जायजा लेने के साथ जैव संसाधन केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान किसानों से खेती की लागत, फसल की स्थिति और प्राकृतिक खेती से जुड़ी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की।

सीधी बुवाई से कम हुई लागत

ग्राम कालीमाटी में कृषक बसंत घोरमारे के खेत में धान की सीधी बुवाई पद्धति से लगाई गई फसल का निरीक्षण किया गया। किसान ने बताया कि पारंपरिक रोपा पद्धति की तुलना में सीधी बुवाई से खेती की लागत कम हुई है और फसल की स्थिति भी अच्छी है। उपसंचालक मालवीय ने फसल का अवलोकन करते हुए प्राकृतिक कृषि आधारित नीमास्त्र एवं ब्रह्मास्त्र के उपयोग और छिड़काव की सलाह दी। इसके बाद ग्राम भूरसाडोगरी में कृषक चेतन मेहरबान के खेत में धान की सीधी बुवाई के साथ ढैंचा की फसल का निरीक्षण किया गया। यहां भी फसल की स्थिति संतोषजनक पाई गई। अधिकारियों ने किसानों को कम लागत, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और टिकाऊ कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

जैव संसाधन केंद्रों में तैयार हो रहे प्राकृतिक कृषि उत्पाद

भ्रमण के दौरान ग्राम कालीमाटी, मनेरी एवं करेजा में संचालित जैव संसाधन केंद्रों की गतिविधियों का भी निरीक्षण किया गया। कालीमाटी स्थित गणेश जैव संसाधन केंद्र में जीवामृत, घनजीवामृत, जैविक कीटनाशक, नीमास्त्र एवं ब्रह्मास्त्र सहित विभिन्न प्राकृतिक कृषि उत्पादों के निर्माण एवं विक्रय की जानकारी ली गई। ग्राम मनेरी में कृषक पन्नालाल चौधरी के घर संचालित जैव संसाधन केंद्र में जैव अपघटक यंत्र के माध्यम से तैयार किए जा रहे जीवामृत एवं जैविक कीटनाशकों की प्रक्रिया देखी गई। वहीं ग्राम करेजा में कृषि सखी भुवनेश्वरी उमरे, उषा भटेरे एवं कृषक हेमेंद्र उमरे द्वारा संचालित केंद्र का निरीक्षण कर उत्पादन बढ़ाने और केंद्र को अधिक विकसित करने के लिए नई तकनीकों पर चर्चा की गई।

अरहर की कतार बुवाई और धान की सीधी बुवाई का भी लिया जायजा

ग्राम फोपसा में प्रगतिशील कृषक देवराम चौरागडे के खेत का निरीक्षण किया गया। यहां अरहर की कतार में बुवाई तथा धान की सीधी बुवाई पद्धति से लगाई गई फसल का अवलोकन किया गया। कृषक देवराम चौरागडे को वर्ष 2025 में आत्मा विभाग के माध्यम से कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में जिले में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

कम लागत वाली खेती को बढ़ावा देने पर जोर

उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने किसानों से चर्चा करते हुए कहा कि लांजी क्षेत्र के किसान आधुनिक एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर खेती की लागत कम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। धान की सीधी बुवाई, जैविक आदानों का उपयोग तथा जैव संसाधन केंद्रों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर कृषि उपयोगी सामग्री तैयार करना टिकाऊ एवं कम लागत वाली खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने किसानों को उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए कृषि में लागत कम करने वाली तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कुलदीप गणवीर, विकासखंड तकनीकी प्रबंधक अजय बिजेवार, कृषि सखी रूपा कंकरायणे, उमेश्वरी बंसोड, लीला राहंगडाले एवं इंदु चौधरी सहित संबंधित कृषक एवं कृषि सखियां उपस्थित रहीं।

अस्पताल में भर्ती बैगा परिवारों का बना सहारा, चाय-पोहा से लेकर रात के भोजन तक निःशुल्क करा रहे विधान जोगी

पद्मेश न्यूज। लांजी। बीमारी की पीड़ा के बीच अस्पताल में भर्ती बैगा परिवारों के लिए किसी ने अपनेपन की ऐसी थाली परोसी है, जिसमें सिर्फ गरमा-गरम भोजन नहीं, बल्कि इंसानियत और संवेदना भी है। भोजन के लिए भटकते इन परिवारों की परेशानी देख विधान जोगी ने बिना किसी स्वार्थ और प्रशंसा की चाह के अपने खर्च पर सेवा का बीड़ा उठाया, जो पिछले 9 दिनों से लगातार जारी है। सिविल अस्पताल लांजी में इन दिनों लांजी से लगे बिरसा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामों से बैगा समुदाय के मरीज उपचार के लिए भर्ती हैं। दूर-दराज के गांवों से इलाज कराने पहुंचे इन मरीजों के साथ उनके परिजन भी अस्पताल में रह रहे हैं। ऐसे में बीमारी और इलाज की चिंता के बीच उनके सामने भोजन की व्यवस्था करना भी एक बड़ी परेशानी बन गया था। मरीजों के परिजनों को भोजन के लिए इधर-उधर भटकते देख आशा सामाजिक सेवा संगठन के सदस्य विधान जोगी का मन विचलित हुआ। उन्होंने महसूस किया कि जब ये परिवार अपने मरीज के इलाज के लिए अस्पताल में हैं, तब कम से कम भोजन की चिंता उन्हें न करनी पड़े। इसी भावना से उन्होंने अपने निजी व्यय पर मरीजों और उनके परिजनों के लिए निःशुल्क भोजन की व्यवस्था शुरू कर दी। एक ओर अस्पताल में बैगा समुदाय के मरीज अपने स्वास्थ्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके लिए परोसी जा रही भोजन की हर थाली यह एहसास करा रही है कि मुश्किल वक्त में वे अकेले नहीं हैं—समाज में कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो बिना किसी स्वार्थ के उनके साथ खड़े हैं।

सुबह की चाय-पोहा से रात के भोजन तक सेवा

विधान जोगी द्वारा प्रतिदिन मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए भोजन की पूरी व्यवस्था की जा रही है। सुबह के समय चाय और पोहा दिया जा रहा है, जबकि दोपहर के भोजन में रोटी, सब्जी, दाल और चावल परोसे जा रहे हैं। रात में भी इसी तरह रोटी, सब्जी, दाल और चावल का गरमा-गरम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि इस पूरी व्यवस्था के लिए मरीजों अथवा उनके परिजनों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जा रहा है। अस्पताल में बीमारी से जूझ रहे मरीजों और उनकी देखभाल में जुटे परिजनों के लिए यह सेवा राहत का बड़ा सहारा बन गई है।

प्रशंसा के लिए नहीं, मन की संवेदना से कर रहा हूं सेवा

विधान जोगी का कहना है कि इस कार्य के पीछे किसी प्रकार की प्रशंसा पाने या लोगों के दिलों में जगह बनाने की मंशा नहीं है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में जब उन्होंने बैगा समुदाय के मरीजों के परिजनों को भोजन के लिए परेशान होते देखा तो उनके मन में उनके लिए कुछ करने का विचार आया। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में किसी जरूरतमंद के साथ खड़ा होना ही सच्ची इंसानियत है। बैगा समुदाय के लोग दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से उपचार के लिए यहां आते हैं। ऐसे में उनके लिए भोजन की व्यवस्था करना उन्हें अपना परिवार समझकर सेवा करने जैसा है। यह सेवा पिछले 9 दिनों से अनवरत जारी है और विधान जोगी ने इसे मरीजों के स्वस्थ होकर घर लौटने तक जारी रखने की बात कही है। आशा सामाजिक सेवा संगठन की इस पहल ने यह संदेश भी दिया है कि समाज में संवेदना और सेवा की भावना आज भी जीवित है।

गरमा-गरम भोजन से चेहरों पर दिख रही राहत

बीमारी और अस्पताल के माहौल के बीच जब मरीजों और उनके परिजनों को समय पर गरमा-गरम भोजन मिलता है तो उनके चेहरों पर राहत और संतोष साफ नजर आता है। भोजन की चिंता से मुक्त होकर परिजन अपना पूरा ध्यान मरीज के उपचार और देखभाल पर लगा पा रहे हैं। बैगा परिवारों के लिए भोजन की यह व्यवस्था महज एक सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि उस अपनत्व का एहसास है, जिसकी जरूरत किसी भी व्यक्ति को सबसे अधिक तब होती है, जब वह परेशानी में होता है।

संकट की घड़ी में पूरी सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ - मुख्यमंत्री

चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण, राहत शिविर पहुंचकर प्रभावितों को बांटी सामग्री

अधिकारियों को तीन दिन चित्रकूट में रहकर राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को चित्रकूट पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरी सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है। बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई नियमानुसार की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने प्राचीन मुखारविंद के पास बनाए गए राहत शिविर में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की कुशल-क्षेम जानी तथा उन्हें वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न सहित राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनजीवन सामान्य होने तक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी चित्रकूट में ही रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करें। अधिकारियों को कम से कम तीन दिन तक मौके पर रहकर प्रभावितों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री ने रामधाम मोहल्ले के जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। कीचड़ से भरे रास्तों से होते हुए वे प्रभावित परिवारों के घरों तक पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने रामफल गर्ग और किस्मत कुमार गर्ग से चर्चा कर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

सतना-चित्रकूट मार्ग पर माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने दुकानदार कामता प्रसाद गुप्ता से भी मुलाकात की और दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान का जायजा लिया।

भोजन, पानी और चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार हुई अतिवृष्टि के कारण सेमरावल और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर बढ़ने से चित्रकूट में बाढ़ की स्थिति बनी। कई घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन की तत्परता से अब तक किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं।

उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित लोगों के लिए भोजन, वस्त्र, पेयजल और चिकित्सा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का सर्वे कराया जाएगा। जिन लोगों के पशुओं की हानि हुई है अथवा अन्य नुकसान हुआ है, उन्हें भी नियमानुसार राहत एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने शनिवार रात रीवा में रुककर सतना और रीवा जिलों में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की थी। मौसम पूर्वानुमान के कारण प्रशासन पहले से अलर्ट था, जिससे राहत एवं बचाव कार्य समय पर शुरू किए जा सके। उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकार का पूरा ध्यान राहत कार्यों में तेजी लाने और जलस्तर कम होने के बाद प्रभावित परिवारों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचाने पर है।

राहुल के कार्यक्रम में 50 हजार जेन जी इकट्ठा करने का टारगेट

- लाइव कंसर्ट भी...जिसके माध्यम से युवाओं को जोड़ सके

- 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को लाने का टारगेट

- इंदौर और आसपास के जिलों से भी आएंगे युवा

- मध्यप्रदेश के मूद्दों पर भी बोलेंगे राहुल गांधी

भोपाल। अगले महीने की 12 तारीख को इंदौर आ रहे लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लाइव कंसर्ट को लेकर रूपरेखा बनना शुरू हो गई है। फिलहाल कांग्रेस ने नेहरू स्टेडियम जैसी बड़ी जगह मांगी है, जहां ज्यादा व्यवस्थाएं जुटाना नहीं पड़ेगी। कार्यक्रम में इंदौर तथा आसपास के जिलों से 50 हजार जेन जी युवाओं को लाने का टारगेट है, जिन्हें राहुल गांधी संबोधित करेंगे।

12 सितम्बर को राहुल गांधी का इंदौर दौरा तय हुआ है। कोटा, पुणे, प्रयागराज और बिहार में अब तक इस तरह के लाइव कंसर्ट आयोजित किए जा चुके हैं, जिसको लेकर कांग्रेस को जेन जी का सपोर्ट मिला है। कांग्रेस इसी क्रम को आगे बढ़ाना चाहती है और इंदौर जैसे शहर में राहुल गांधी के युवाओं से संवाद की योजना बनाई गई है। छात्रों की गूंज कार्यक्रम के तहत होने वाले इस संवाद में विशेषकर इंदौर के सभी कॉलेज-होस्टलों के साथ-साथ आसपास के शहरों से युवाओं को इंदौर लाने का टारगेट रखा गया है। अगर नेहरू स्टेडियम की अनुमति मिल जाती है, तो राहुल गांधी की टीम आकर यहां का निरीक्षण करेगी और स्थानीय नेताओं को निर्देश देगी। जिलाध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने बताया कि पूरी बागडौर राहुल गांधी के दिल्ली स्थित कार्यालय के हाथों में ही हैं, वे ही तय करते हैं कि कार्यक्रम की रूपरेखा कैसी हो? फिलहाल तय हुआ है कि राहुल गांधी के मंच पर आने के पहले प्रसिद्ध सिंगर का लाइव कंसर्ट भी होगा। कार्यक्रम के लिए प्रत्येक युवा का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय और प्रदेश की टीम यूनिवर्सिटी, कॉलेज और होस्टल में जाकर छात्रों से संपर्क करेगी। 30 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को ही कार्यक्रम में बुलाया जा रहा है। राहुल गांधी कार्यक्रम में जेन जी की बात तो करेंगे ही, इसके साथ ही मध्यप्रदेश के मूद्दों पर भी वे बोलेंगे। फिलहाल कांग्रेस नेता स्टेडियम की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं, जैसे ही अनुमति आएगी, मैदानी तैयारियां शुरू कर दी जाएगी।

संस्कारहीन नौजवान देश को आगे नहीं बढ़ा सकता - नरेन्द्र सिंह तोमर

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि युवाओं को अध्ययन के साथ अनुशासन, आत्मसंयम और आध्यात्मिक संस्कारों को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। संस्कारहीन नौजवान देश को आगे नहीं बढ़ा सकता। युवा देश निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं, इसी में समाज, धर्म और भारत का भविष्य निहित है।

श्री तोमर संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित 'विद्याकुल सेरेमनी' एवं 'युवाओं का विकासङ्कसंस्कारों के साथ' विषयक युवक-युवती सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में उन्होंने आचार्य श्री के चरणों का पाद-प्रक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और इसके बाद सभागार में मौजूद सैकड़ों युवक-युवतियों को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक संस्कारों का बीजारोपण बचपन से ही होना चाहिए। बचपन में लगाए गए संस्कारों का बीज धीरे-धीरे वृक्ष और फिर वटवृक्ष बनता है, जिसके फल का लाभ पूरे समाज को मिलता है। युवाओं को अपने जीवन में अच्छे संस्कार अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। श्री तोमर ने कहा कि इतिहास में बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय परिवर्तन करने वाले अनेक महान व्यक्तित्वों ने युवावस्था में ही महत्वपूर्ण कार्य किए। आदि गुरु शंकराचार्य ने देश को एकसूत्र में जोड़ने के लिए यात्रा की, जबकि स्वामी विवेकानंद ने युवावस्था में शिकागो की धर्म संसद में ऐतिहासिक उद्बोधन दिया। रानी लक्ष्मीबाई, राम प्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, राजगुरु और अशफाक उल्ला खान जैसे क्रांतिकारियों ने भी युवावस्था में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

उन्होंने कहा कि बचपन जानने, तरुणाई सीखने और युवावस्था काम करने का समय है। युवाओं को भगवान महावीर के बताए मार्ग तथा आचार्य विद्यासागर जी के विचारों से प्रेरणा लेकर ऐसा जीवन जीना चाहिए, जिससे भारत पुन: विश्व गुरु के पद पर प्रतिष्ठित हो।

तकनीक के उपयोग पर श्री तोमर ने कहा कि तकनीक के लाभ और नुकसान दोनों हैं। दूर रहने वाले लोग तकनीक के माध्यम से संतों के प्रवचन सुन सकते हैं, लेकिन जहां संभव हो, संतों के सानिध्य में प्रत्यक्ष रूप से प्रवचन सुनना अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से तकनीकी शिक्षा के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व निभाने और राष्ट्र एवं समाज की सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

51 सडक़ों की जांच में खामियां, 20 जगह क्रैश बैरियर गायब

- कैग रिपोर्ट ने खोली मप्र की सडक़ों की पोल, कहीं संकरे मोड़ तो कहीं जरूरत से ज्यादा ढाल

भोपाल। मध्य प्रदेश में सडक़ हादसों के बीच अब सडक़ की गुणवत्ता के साथ उसकी डिजाइन और सुरक्षा व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। राजगढ़ के घुमावदार ब्रिज पर हुए भीषण बस हादसे के बाद नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की सडक़ संबंधी प्रदर्शन लेखापरीक्षा रिपोर्ट चर्चा में आ गई है। रिपोर्ट में प्रदेश की कई सडक़ों पर ऐसी खामियां दर्ज की गई हैं, जो दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ा सकती हैं। कैग ने विभागीय अधिकारियों के साथ 51 सडक़ों का संयुक्त भौतिक निरीक्षण किया। इसमें कहीं घुमावदार हिस्सों पर पर्याप्त चौड़ाई नहीं मिली तो कहीं क्रैश बैरियर और रोड मार्किंग जैसी जरूरी सुरक्षा व्यवस्थाएं अधूरी मिलीं। कुछ जगह सडक़ की ढाल भी निर्धारित मानकों से काफी अधिक पाई गई।

कैग के निरीक्षण में भोपाल, बुरहानपुर और उज्जैन संभागों की तीन सडक़ों के घुमावदार हिस्सों पर कैरिजवे को आवश्यक अतिरिक्त चौड़ाई नहीं दिए जाने की बात सामने आई। सडक़ इंजीनियरिंग में घुमावदार हिस्सों पर पर्याप्त चौड़ाई और उचित डिजाइन जरूरी माना जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक खराब डिजाइन, तीखे मोड़ और अधिक ढाल वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ा सकते हैं। यही मुद्दा राजगढ़ के हादसे के बाद और महत्वपूर्ण हो गया है, जहां घुमावदार ब्रिज पर तेज रफ्तार स्लीपर बस अनियंत्रित होकर सुरक्षा दीवार से टकराई थी।

20 सडक़ परियोजनाओं में क्रैश बैरियर नहीं

कैग ने नौ संभागों में 20 सडक़ कार्यों का निरीक्षण किया। इनमें ऐसे स्थान भी मिले जहां क्रैश बैरियर की जरूरत थी, लेकिन उन्हें नहीं लगाया गया था। तीखे मोड़, पुल, ऊंचे तटबंध और सडक़ किनारे मौजूद बाधाओं वाले स्थानों पर क्रैश बैरियर वाहन के सडक़ से बाहर जाने या टकराने की स्थिति में नुकसान कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। रिपोर्ट में कई ऐसे स्थानों का उल्लेख किया गया है जहां तटबंध की ऊंचाई तीन मीटर से अधिक थी, लेकिन वहां आवश्यक सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए। सडक़ सुरक्षा की दूसरी बड़ी कमी रोड मार्किंग को लेकर सामने आई। कैग ने 13 संभागों के 26 सडक़ कार्यों में रिफ्लेक्टिव थर्मोप्लास्टिक रोड मार्किंग का प्रावधान या उसका क्रियान्वयन नहीं पाया। यह कमी कुल 404.75 किलोमीटर सडक़ पर दर्ज की गई। इन सडक़ों के निर्माण पर करीब 478.27 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। सरकार की ओर से ऑडिट के दौरान धन की कमी के कारण कुछ जगह रोड मार्किंग नहीं होने की बात कही गई और बाद में सभी कार्यों में इसे लागू करने की जानकारी दी गई। हालांकि कैग ने इस जवाब को स्वीकार नहीं किया और रोड मार्किंग को अनिवार्य सडक़ सुरक्षा प्रावधान माना।

एक सडक़ पर 17 प्रतिशत ढाल, मानक 5 से 7 प्रतिशत

कैग के संयुक्त निरीक्षण में रायसेन संभाग की चंदन-पिपलिया से जूना-रायपुरा सडक़ के एक हिस्से में करीब 17 प्रतिशत ढाल मिली। रिपोर्ट के अनुसार निर्धारित अधिकतम ढाल करीब 5 से 7 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए। ऐसे में 17 प्रतिशत ढाल वाला हिस्सा अत्यधिक असुरक्षित और दुर्घटना संभावित क्षेत्र बन सकता है। यह मामला बताता है कि सडक़ बनाने के दौरान केवल सडक़ की लंबाई और निर्माण पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके डिजाइन, ढाल, मोड़ और सुरक्षा सुविधाओं का मानकों के अनुरूप होना भी जरूरी है।

कैग ने सरकार को दिए तीन अहम सुझाव

सडक़ सुरक्षा से जुड़ी कमियों के बाद कैग ने सरकार को कई सुधारात्मक कदम उठाने की अनुशंसा की है। इनमें प्रमुख रूप से सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निर्धारित मानकों का पालन किया जाए। जहां जरूरी हो, वहां क्रैश बैरियर अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। सडक़ सुरक्षा ऑडिट की प्रक्रिया को प्रभावी बनाया जाए। कैग की रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सडक़ निर्माण को केवल परियोजना पूरा होने के आंकड़े से नहीं देखा जा सकता।

1.22 लाख विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए मिलेंगे 25-25 हजार रुपये

भोपाल। कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के करीब 1 लाख 22 हजार मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1 सितंबर को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के खातों में राशि का अंतरण करेंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग की प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को यह राशि प्रदान की जा रही है। इस वर्ष योजना में विद्यार्थियों को कुल 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी।

सरकार का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने और उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ना है। लैपटॉप मिलने से विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, ई-लर्निंग, डिजिटल पाठ्य सामग्री और अन्य तकनीकी संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। यह पहल विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा का संबल देने के साथ उनके शैक्षणिक विकास को गति देने में सहायक होगी।

'असामाजिक साबित हुए तो छोड़ दूंगा राजनीति' - गुना में भाजपा विधायक और जिला मंत्री के बीच छिड़ी खुली जंग

गुना । जिले में भाजपा का अंदरूनी सियासी घमासान थम नहीं रहा है। पार्टी की चांचौड़ा विधायक और संगठन के पदाधिकारियों के बीच चल रही खींचतान अब सार्वजनिक मंचों पर खुलकर सामने आ रही है। गतदिवस मधुसूदनगढ़ में त्री जनश्विास शिविर में क्षेत्रीय विधायक ने पार्टी के जिला मंत्री का नाम लिए बिना बसस्टैंड की जमीन से जुड़े मामले को लेकर उन्हें असामाजिक तत्व कह दिया, तो जिला मंत्री ने वीडियो जारी कर विधायक के आरोपों का खंडन किया। इससे पहले गुना में रविदास समरसता कार्यक्रम में जगह न मिलने पर चांचौड़ा विधायक ने मंच से ही भाजपा के वरिष्ठ नेताओं पर तंज कसा था।

जनविश्वास शिविर में कलह उजागर

दरअसल, मधुसूदनगढ़ मंडी परिसर में शनिवार को मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान का चौथा [illegible]रीय शिविर लगा था। इसमें जिला पंचायत अध्यक्ष अरविंद धाकड़, क्षेत्रीय विधायक प्रियंका मीना सहित कलेक्टर किशोर कन्याल और पुलिस अधीक्षक हितिका वासल भी मौजूद थीं। इस दौरान मंच से चांचौड़ा विधायक श्रीमती मीना ने कहा था कि गोशाला के लिए जमीन देख ली है, जो पठारी इलाका है। वहीं बसस्टैंड के मुद्दे पर विधायक ने कहा कि 'कुछ असामाजिक तत्व बोलते हैं कि रिश्तेदार हैं, वहां पहुंचाना चाहती हैं विधायक। तो मैं कहना चाहूंगी कि आप सब मेरा परिवार है। वहीं जो असामाजिक तत्व बोल रहे हैं, तो मुझे लगता है कि वहां उनकी जमीनें हैं।' इसके तत्काल बाद मधुसूदनगढ़ निवासी और भाजपा जिला मंत्री रुद्रदेव सिंह ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो जारी कर पलटवार किया। उन्होंने विधायक श्रीमती मीना के आरोपों को खारिज किया, तो खुद व स्वयं जैसों को असामाजिक तत्व भी स्वीकार किया। साथ ही कहा कि 'वे मधुसूदनगढ़ बसस्टैंड का मुद्दा वर्ष 2021 से उठा रहे हैं, जब प्रियंका मीना विधायक तो दूर भाजपा की सदस्य भी नहीं थीं।'

वर्ग-3 के 7हजार शिक्षकों की शाला आवंटन प्रक्रिया आज से

भोपाल। एमपी में वर्ग-3 के करीब 7 हजार चयनित शिक्षकों की शाला आवंटन प्रक्रिया सोमवार से शुरू होगी। 400 शिक्षकों को म्यूचुअल ट्रांसफर की सुविधा देने के बाद अब विभाग पदस्थापना की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है। शाला आवंटन के बाद चयनित शिक्षकों को एक सप्ताह के भीतर संबंधित स्कूलों में जॉइन करना होगा। इसी दिन वर्ग-2 के चयनित शिक्षकों के लिए वेटिंग काउंसलिंग का दूसरा चरण भी शुरू किया जाएगा।

लोक शिक्षण आयुक्त कार्यालय ने शाला आवंटन की प्रक्रिया की तैयारियां पूरी कर ली हैं। विभाग का कहना है कि शिक्षकों की पदस्थापना होने के बाद स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने में मदद मिलेगी। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने बताया कि वर्ग-3 के शिक्षकों की पदस्थापना 15 अगस्त तक करने की तैयारी थी। हालांकि, चयनित शिक्षकों के सामने पदस्थापना स्थल को लेकर गतिरोध की स्थिति सामने आई। इसके बाद विभाग ने पहली बार चयनित शिक्षकों को म्यूचुअल ट्रांसफर की सुविधा दी। इसके तहत शिक्षकों को आपस में संपर्क कर स्थानांतरण के लिए आवेदन करने का मौका दिया गया। करीब 400 चयनित शिक्षकों ने इस सुविधा का लाभ लिया। इस प्रक्रिया के कारण शाला आवंटन में कुछ देरी हुई, लेकिन अब सोमवार से आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

एम्स भोपाल की पीएचडी शोध छात्रा मयूरी बिसेन ने राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

भोपाल। एम्स भोपाल के जैवरसायन विभाग की पीएचडी शोध छात्रा सुश्री मयूरी बिसेन ने राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक सम्मेलन बायबायोमेडिका-2026 में मौखिक शोध प्रस्तुति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने डॉ. सुखेस मुखर्जी के मार्गदर्शन में 卐भारी धातुओं के संपर्क से उत्पन्न कोशिकीय तनाव में सर्वाइवरिन की भूमिका¬ एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन卐 विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

शोध प्रस्तुति का सारांश कोड एनएमएमटीए-बीओपी-01 था। शोध में यह समझने का प्रयास किया गया कि सीसा, पारा और अन्य भारी धातुओं के संपर्क में आने पर शरीर की कोशिकाओं में किस प्रकार का तनाव उत्पन्न होता है और इस दौरान सर्वाइवरिन किस तरह भूमिका निभाता है। भारी धातुओं के संपर्क से कोशिकाओं की सामान्य कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। ऐसे में सर्वाइवरिन कोशिकाओं की गतिविधियों और तनाव के प्रति उनकी प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शोध का उद्देश्य इसी प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझना है। भारी धातुओं का संपर्क पर्यावरण और कुछ कार्यस्थलों के माध्यम से होने की संभावना के कारण इस क्षेत्र में शोध महत्वपूर्ण माना जाता है।

सरकार आते ही खत्म करेंगे यूसीसी

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने समान नागरिक संहिता को लेकर बड़ा बयान देते हुए प्रदेश की राजनीति में सरगर्मी बढ़ा दी है। 'आजादी-उलेमा की कुर्बानी' कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में उन्होंने राज्य सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े किए। सिंघार ने स्पष्ट कहा कि बहुमत के दम पर विधानसभा में इस काले कानून को पास कराया गया है और 2028 में कांग्रेस की सरकार बनते ही इसे तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया जाएगा।

समान नागरिक संहिता के अलावा नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश के सतना और रीवा में आई भीषण बाढ़ की स्थिति पर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ की वजह से सैकड़ों परिवार बेघर हो चुके हैं और उनके पास खाने-पीने तक का सामान नहीं बचा है। सरकार को महज 'हवाई सर्वे' का नाटक बंद करके बाढ़ प्रभावितों को तुरंत आर्थिक मदद और ठोस राहत पैकेज उपलब्ध कराना चाहिए।

आरिफ मसूद ने खोली मोहब्बत की दुकान

विधायक आरिफ मसूद द्वारा आयोजित आज़ादी के पखवाड़े के समापन कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान अतिथियों द्वारा बच्चों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने विधायक आरिफ मसूद के प्रयासों की जमकर सराहना की। पटवारी ने कहा, नफरत के इस दौर में आरिफ मसूद जी ने आज़ादी का पखवाड़ा मनाकर राहुल गांधी जी की 'मोहब्बत की दुकान' को सही मायनों में खोला है।

बीजेपी कार्यसमिति और राहुल गांधी के इंदौर दौरे पर साधा निशाना

बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति बैठक को लेकर हमला बोलते हुए उमंग सिंघार ने कहा कि हेमंत खंडेलवाल को अध्यक्ष बने एक साल से अधिक का समय हो गया, लेकिन पहली कार्यसमिति बैठक अब बुलाई जा रही है। यह सीधे तौर पर उनकी नेतृत्व क्षमता की नाकामी को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश का युवा अपनी मांगों और रोजगार को लेकर सडक़ों पर उतरने को मजबूर है। इसी युवाओं की आवाज को बुलंद करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी 12 सितंबर को इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं। अगर सरकार वाकई युवा हितैषी है, तो उसे युवाओं की मांगें मानकर उन्हें रोजगार देना चाहिए।

लगातार गर्मा रहा है खरगे की सभा के बाद शुद्धिकरण का मामला

एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचे कांग्रेसी

भोपाल। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद कार्यक्रम स्थल के कथित शुद्धिकरण का मामला लगातार गर्माता जा रहा है। घटना के विरोध में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अनुसूचित जाति विभाग) के कार्यकर्ताओं ने एमपी नगर थाने पहुंचकर शिकायती आवेदन देते हुए दोषियों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस दौरान कार्यकर्ताओ ने थाने के बाहर जमीन पर बैठकर भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा और आरएसएस की इस कथित मनुवादी मानसिकता की कड़े शब्दों में निंदा की। उनका कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में छुआछूत जैसी अमानवीय कुप्रथाओं को बढ़ावा देती हैं, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस को आवेदन देने प्रदीप अहिरवार (प्रदेश अध्यक्ष, मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग), अभिनव बारोलिया (प्रदेश प्रवक्ता), मुकेश बंसल (प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कार्यालय प्रभारी), रमेश चंद्र बकोरिया (प्रदेश संगठन महामंत्री), जगदीश रोहर (प्रदेश सचिव), महेश वर्मा (प्रदेश सचिव) और नीरज चंडाले (जिला अध्यक्ष) सहित विभाग के कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

- ये है मामला

जानकारी के अनुसार कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक जनसभा को संबोधित किया था। मल्लिकार्जुन खरगे की यह सभा समाप्त होने के बाद भाजपा और आरएसएस समर्थित कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर गंगाजल छिड़ककर मंच और मैदान का कथित तौर पर शुद्धिकरण किया था। कॉग्रेस इसका देश भर में कड़ा विरोध कर रही है, इसी कड़ी में भोपाल में कांग्रेसियों ने पुलिस को शिकायती आवेदन देकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 5 रन बनाकर आउट

थाईलैंड के खिलाफ भारत का स्कोर 110/3, शेफाली फिफ्टी बनाकर खेल रहीं

दुबई। भारत ने विमेंस एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ तीसरा विकेट गंवा दिया है। कप्तान हरमनप्रीत कौर 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। प्रतिका रावल 22 रन और ओपनर स्मृति मंधाना 19 रन बना सकीं। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 12 ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 110/3 है। शेफाली वर्मा फिफ्टी लगाकर खेल रही हैं। भारती फूलमाली उनका साथ दे रही हैं। थाईलैंड ने ग्रुप-ए के इस मुकाबले का टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। प्रतिका रावल डेब्यू कर रही हैं। वहीं, दीप्ति शर्मा 150वां मैच खेल रही हैं। जेमिमा रोड्रिग्स चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं।

भारत ने तीसरा विकेट गंवाया, कप्तान कौर आउट

12वें ओवर की तीसरी बॉल पर भारत ने तीसरा विकेट गंवाया। यहां पर कप्तान हरमनप्रीत कौर 5 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें थिपाचा पुथावोंग ने पॉइंट पर फन्निता माया के हाथों कैच कराया। हरमनप्रीत कौर ने 9 गेंदों पर 5 रन बनाए। थिपाचा पुथावोंग महिला टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं।

प्रतिका आउट, शेफाली की फिफ्टी

9वें ओवर की आखिरी बॉल पर प्रतिका रावल 22 रन बनाकर आउट हुईं। उन्हें सुलेपोर्न लाओमी ने बोल्ड कर दिया।

5वीं बॉल पर शेफाली वर्मा ने सिंगल लेकर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल में 19वीं फिफ्टी लगाई है। इस ओवर के बाद टीम इंडिया का स्कोर 91/2 है।

शेफाली-प्रतिका में फिफ्टी पार्टनरशिप

7वें ओवर में शेफाली वर्मा और प्रतिका रावल में फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी की। शेफाली ने सुनीदा चतुरोंगरत्तना की चौथी बॉल पर छक्का लगाकर पार्टनरशिप को 50 पार पहुंचाया।

ब्रेविस की आक्रामक पारी से दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराया

विंडहॉक। युवा दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने नामीबिया में जारी त्रिकोणीय क्रिकेट सीरीज में 32 गेंदों पर नाबाद 75 रन बनाकर अपनी टीम को जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दिलायी है। ब्रेविस की तूफानी पारी से दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हराकर सीरीज में वापसी की है। इससे पहले के मैच में उसे नामीबिया के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच में ब्रेविस ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 7 चौके और 6 छक्के लगाये। उनकी इस आक्रामक पारी से टीम को आसानी से जीत मिल गयी। ब्रेविस ने अपने बल पर ही टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे दक्षिण अफ्रीका ने केवल 13.4 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया।

वहीं इससे पहले, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट पर 144 रन बनाए। जिम्बाब्वे की ओर से सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने 4 चौके और 1 छक्के लगाकर सबसे अधिक 34 रन बनाये। वहीं तादिवानाशे मारुमानी ने 30 रन बनाये। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की ओर से ब्रेविस के अलावा कुछ अन्य बल्लेबाजों ने अच्छी पारी खेली। सलामी बल्लेबाज लुहान-ड्रे प्रेटोरियस ने 22 रन और जॉर्डन हरमन ने 20 रन बनाए। वहीं टोनी डी जोर्जी ने भी 15 बनायेया। अंत में, रुबिन हरमन ने नाबाद 11 रन बनाकर टीम को 13.4 ओवर में ही लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं इससे पहले के मैच में मेजबान नामीबिया ने दक्षिण अफ्रीका को हराया था। अब जिम्बाब्वे पर जीत के साथ ही टीम मुकाबले में बनी हुई है।

श्रीलंका से छिनी महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

-आईसीसी ने लगाया सरकारी दखल का आरोप; अब दूसरे देश में होगा टूर्नामेंट

दुबई। 2027 में होने वाली पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी श्रीलंका से छिन गई है। आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट में सरकारी दखल को लेकर आपत्ति जताई है। अब 14 से 28 फरवरी तक होने वाला छह टीमों का टूर्नामेंट किसी दूसरे देश में खेला जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड का कामकाज फिलहाल सरकार की बनाई ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी देख रही है। आईसीसी के नियमों के मुताबिक सदस्य बोर्ड को सरकार के हस्तक्षेप के बिना स्वतंत्र रूप से काम करना होता है।

पाक टीम के कोच सरफराज बोले, मैच के बहिष्कार का इरादा नहीं था

लंदन । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सरफराज अहमद ने कहा है कि उनकी टीम का लॉर्ड्स में जारी पहले क्रिकेट टेस्ट के बहिष्कार का कोई इरादा नहीं था। वहीं इससे पहले कहा गया था कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और दिग्गज क्रिकेटर इमरान खान के बेटों सुलेमान और कासिम खान के इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथर्टन के साथ एक साक्षात्कार के मीडिया में आने के बाद से ही पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) भड़क गया था और उसने मैच से हटने की धमकी तक दी थी। इसी को लेकर सरफराज ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई जानकरी नहीं मिली थी और टीम का ध्यान खेल पर ही था। इस साक्षात्कार में इमरान के दोनों बेटों ने जेल में बंद अपने पिता की खराब सेहत का मामला उठाते हुए आरोप लगाया था कि पाक सरकार उन्हें इलाज तक उपलब्ध नहीं करा रही। इसके बाद पीसीबी ने इस संबंध में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से आधिकारिक शिकायत भी दर्ज कराई थी, जिससे यह मामला गरमा गया था। पीसीबी की कथित आपत्ति के बाद, मीडिया में यह अटकलें जोर पकड़ने लगीं कि यदि यह संवेदनशील साक्षात्कार टीवी पर प्रसारित किया गया, तो टीम विरोध स्वरूप मैदान पर उतरने से इनकार कर सकती है। हालांकि, इन अटकलों के बावजूद, ये साक्षात्कार प्रसारित किया गया। इसी को लेकर जब सरफराज सवाल किया गया, तो उन्होंने बेहद स्पष्ट शब्दों में कहा कि उन्हें इस मामले की कोई भी जानकारी नहीं थी।सरफराज ने से कहा कि उनका और उनकी पूरी टीम का एकमात्र ध्यान चल रहे टेस्ट मैच पर लगा था। उन्होंने उन सभी खबरों को बेबुनियाद बताया जिनमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों के मैच का बहिष्कार करने या मैदान पर नहीं उतरने की बात कही जा रही थी। उनके मुताबिक, जिस समय इमरान खान के बेटों का इंटरव्यू ब्रॉडकास्ट किया जा रहा था, उस वक्त टीम के खिलाड़ी आराम से अपना लंच कर रहे थे, और टीम के भीतर मैच छोड़ने या मैदान पर न उतरने जैसी किसी भी बात पर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

श्रीलंका ने महिला एशिया कप क्रिकेट में यूएई को 9 विकेट से हराया

दुबई । श्रीलंका टीम ने महिला टी20 एशिया कप क्रिकेट के दूसरे मुकाबले में मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आसानी से हरा दिया। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में श्रीलंका ने यूएई को केवल 47 गेंदों में ही 9 विकेट से हरा दिया। इस मैच में यूएई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 79 रन बनाये। इसके बाद श्रीलंकाई टीम ने एक विकेट पर 80 रन बनाकर ये लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की ओर से कप्तान चमारी अटापटु ने तेजी से बल्लेबाजी करते हुए 25 गेंदों में ही 7 चौके और 2 छक्के लगाकर नाबाद 48 रन बनाये। इसके अलावा इमेशा दुलानी ने 18 गेंदों में 5 चौके लगाकर तेजी से 25 रन बनाए। इससे श्रीलंकाई टीम असानी से लक्ष्य तक पहुंच गयी। यूएई की टीम एक भी विकेट नहीं ले पायी।

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम लंकाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। टीम की केवल चार बल्लेबाज ही दो अंकों तक तक पहुंच पाईं, कप्तान ईशा ओजा ने सर्वाधिक 24 गेंदों में 18 रन बनाए, जबकि समायरा धरनिधारका ने 25 गेंदों में 17 रनों का योगदान दिया। इनके अलावा, रिनिथा रजित ने 15 और हीना होटचंदानी ने 10 रन बनाए। वहीं बाकी की बल्लेबाज विफल रही और पूरी टीम 79 रन ही बना पायी।

श्रीलंका की ओर से मिताली अयोध्या और चेतना विमुक्ति ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 3-3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। वहीं सुगंदिका कुमारी ने भी 2 विकेट लिए। कप्तान चमारी अटापटु और कविशा दिलहारी ने 1-1 विकेट लिया। इससे श्रीलंका ने यूएई को 79 रनों पर ही आउट कर दिया। इस मैच में अपने शानदार प्रदर्शन से श्रीलंकाई टीम ने दिखाया है कि वह खिताब की प्रबल दावेदार है।

अर्जेंटीना ने तीसरी बार खिताब जीता

पैनाल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को 3-1 से हराया

एम्स्टलवीन । अर्जेंटीना ने नौ बार की विजेता डच टीम नीदरलैंड्स को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर एफआईएच हॉकी विश्वकप जीत लिया है। दोनो ही टीमों के बीच ये मुकाबला बेहद कड़ा रहा और तय समय में परिणाम नहीं निकलने के बाद इसका फैसला पैनाल्टी शूटआउट में हुआ। इसी के साथ ही अर्जेंटीना ने तीसरी बार विश्वकप जीता है। अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी यह खिताब जीता था। वही डच टीम का लगातार चौथा विश्व कप जीतने का सपना टूट गया। अर्जेंटीना ने इसी के साथ ही पिछली बार नीदरलैंड से मिली करारी हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। फाइनल मुकाबला तय समय तक 1-1 से बराबरी पर रहा। डच टीम की ओर से जैनसेन यिब्बी ने मैच के 30वें मिनट पर पहला गोल किया। इसके बाद अर्जेंटीना की ओर से ग्रनाटो मारिया ने 54वें मिनट में एक गोल कर स्कोर बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया। बढ़ा। पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना की खिलाड़ियों ने काफी अच्छा खेल देखाते हुए डच टीम को 3-1 से हरा दिया। अर्जेंटीना के लिए विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने एक-एक गोल किये। वहीं नीदरलैंड के लिए एकमात्र गोल वीन मारिन ने किया।अर्जेंटीना ने इस टूर्नामेंट में पूल स्तर में तीन में से दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला, जिससे वे अगले चरण में पहुंचे। स्टेज-2 में भी उन्होंने तीन में से दो मैच जीते और एक ड्रॉ पर समाप्त किया, जिससे उन्हें सेमीफाइनल और फिर फाइनल में जगह मिली।

इंटर मियामी ने मेजर लीग फुटबॉल में मॉन्ट्रियल को 7-1 से हराया, मेसी ने किये चार गोल

फ्लोरिडा। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के चार गोलों से इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के एक रोमांचक मुकाबले में मॉन्ट्रियल को 7-1 से हरा दिया। टीम की जीत में मेसी के चार गोलों की सबसे बड़ी भूमिका रही। इस शानदार जीत के साथ ही इंटर मियामी ने लगातार पांच मैचों से चले आ रहे अपने जीत के सूखे को भी समाप्त कर दिया। गौरतलब है कि इससे पहले लीग मुकाबलों में इंटर मियामी का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और पिछले पांच मैचों में टीम चार में हारी थी। वहीं अब फ्लोरिडा में मॉन्ट्रियल के खिलाफ मिली जीत से टीम को अपनी लय मिल गयी है।

इस मैच में इंटर मियामी शुरुआत से ही हावी रही। टीम के लिए एकमात्र गोल स्टार मिडफील्डर कासेमिरो ने 20वें मिनट में किया। ये गोल उन्होंने हेडर के जरिए कर टीम को बढ़त दिलाई। यह विश्व कप के बाद क्लब से जुड़ने के बाद इंटर मियामी के लिए कासेमिरो का पहला गोल था। हालांकि, मॉन्ट्रियल ने 37वें मिनट में वापसी करते हुए फैबियन हर्बर्स के बेहतरीन लो शॉट से मुकाबले को 1-1 से बराबर कर दिया।

इसके बाद मेसी ने एक शानदार फ्री-किक से गोल कर इंटर मियामी को फिर से बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में इंटर मियामी ने अपनी बढ़त और मजबूत कर ली, जब मेसी ने में अपना दूसरा गोल पूरा किया।

इसके बाद मेसी की सहायता से सुआरेज ने एक गोल कर स्कोर 4-1 कर दिया। मैच के 83वें मिनट में मेसी ने अपनी हैट्रिक पूरी कर ली। रोड्रिगो डी पॉल से पास मिलने के बाद, मेसी ने एक और गोल दागकर स्कोर 5-1 पहुंचा दिया। इसके बाद 89वें मिनट में युवा स्थानापन्न खिलाड़ी एलेक्स शॉ ने बॉक्स के बाहर से एक लो शॉट लगाकर इंटर मियामी का स्कोर 6-1 कर दिया। मेसी यहीं नहीं रुके। इंजरी टाइम में उन्हें एक और फ्री-किक मिली और उन्होंने एक और गोल दाग दिया। इस गोल के साथ मेसी ने मुकाबले में चार गोल पूरे किए और इंटर मियामी की 7-1 की बड़ी जीत दिला दी।

उत्तरप्रदेश के ऑलरांउर अयान को मिली भारतीय अंडर-19 टीम में जगह

मुम्बई । उत्तर प्रदेश के सरारनपुर के युवा क्रिकेटर अयान अकरम को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली मल्टी-डे सीरीज के लिए भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। अयान को गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी के कारण भी टीम में जगह मिली है।

अयान का सकारात्मक पक्ष आक्रामक बल्लेबाजी है। वह अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की तरह खेलते हैं। वह न केवल तेज से रन बनाते हैं बल्कि अपनी सटीक गेंदबाजी से अहम अवसरों पर विकेट भी लेते हैं। उत्तर प्रदेश के लिए खेलते हुए उन्होंने साल 2024-25 के अंडर-16 सत्र में उन्होंने 200 रन बनाने के साथ-साथ 25 विकेट भी लिए थे। इसके बाद, 2025-26 के अंडर-19 सत्र में उनका प्रदर्शन और बेहतर होकर सामने आया। उन्होंने 300 रन बनाए और 37 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनका यह दमदार प्रदर्शन ही उन्हें राष्ट्रीय अंडर-19 टीम में जगह दिलाने का मुख्य आधार बना है।

अयान की इस उपलब्धि के पीछे उनके पिता अकरम सैफी का भी एक अधूरा सपना छुपा है। अकरम सैफी खुद एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर थे और विश्वविद्यालय स्तर तक खेले, लेकिन आर्थिक तंगी और परिवार की जिम्मेदारियों के चलते उन्हें अपने क्रिकेट करियर को बीच में ही छोड़ना पड़ा। अयान ने कहा कि उन्होंने बचपन से ही अपने पिता के संघर्ष की कहानी सुनी है, और अब उनके पास अपने पिता के उस अधूरे सपने को पूरा करने का सुनहरा अवसर है।

गौरलब है कि ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम भारत दौरे पर तीन एकदिवसीय और दो मल्टी-डे मैचों की सीरीज खेलने वाली है। वनडे सीरीज की शुरुआत 18 सितंबर से होगी जिसके बाद दूसरा एकदिवसीय 21 और तीसरा 23 सितंबर को खेला जाएगा। ये तीनों एकदिवसीय मुकाबले राजकोट में आयोजित होंगे। इसके बाद, मल्टी-डे सीरीज शुरू होगी, जिसका पहला मैच 27 से 30 सितंबर के बीच राजकोट में ही खेला जाएगा, और दूसरा मल्टी-डे मैच 5 से 8 अक्टूबर के बीच अहमदाबाद में होगा।

मर्सिडीज बेंज सुपरकार चलाते दिखे शुभमन

मुम्बई। भारतीय टेस्ट वह एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अपनी स्टायलिश जीवनशैली के लिए भी जाने जाते हैं। शुभमन को महंगी कारों का भी शौक है और उनके पास एक से बढ़कर एक कारें हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इसमें शुभमन एक बेहद ही महंगी लग्जरी मर्सिडीज सुपरकार चलते दिख रहे हैं।

यह वीडियो उनके श्रीलंका में टेस्ट सीरीज जीतकर स्वदेश पहुंचने के बाद का है। सीरीज समाप्त होने के बाद यह वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। इसमें नजर आ रही नीले रंग की यह सुपरकार सड़क पर हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही थी। वीडियो में शुभमन स्वयं कार चलाते नजर आ रहे हैं, और उनके बगल वाली सीट पर भी एक व्यक्ति बैठा दिखाई दे रहा है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह वीडियो कब और कहां का है, और सबसे बड़ी बात, क्या यह कार वाकई गिल की ही है। वायरल वीडियो को लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं कि ये शुभमन गिल की नई कार है, हालांकि इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जिस कार में गिल को देखा गया है, वह मर्सिडीज बेंज एएमजी जीटी मॉडल है। भारत में इस लग्जरी सुपरकार की कीमत करीब 4 करोड़ रुपये के आसपास पड़ती है। हालांकि, इस मॉडल में कुछ निचले वेरिएंट भी आते हैं, जिनकी कीमत थोड़ी कम हो सकती है, लेकिन फिर भी यह एक बेहद महंगी और शानदार कार मानी जाती है। जहां एक तरफ शुभमन गिल की लग्जरी कार चर्चा का विषय बनी हुई है, वहीं दूसरी तरफ हाल ही में समाप्त हुए श्रीलंका दौरे पर उनके प्रदर्शन की भी समीक्षा की जा रही है। बल्लेबाजी में शुभमन इस दौरे में असफल रहे और दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में केवल 74 रन बना पाये।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्रमांक 1 बालाघाट (म.प्र.)

निविदा आमंत्रण-सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 26/ व0ले0लि0/2026-27 बालाघाट, दिनांक 25.08.2026

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं क्र.	टेण्डर क्र0	जिला	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनुमानित राशि (राशि लाख में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2026_PWDRB_532248	बालाघाट	1.तिरोड़ी खांडीटोला हीरापुर रोड का मजबूतीकरण का कार्य कुल लं0 2.60 प्रस्तावित लं0 2.00 कि0मी 2.झालीवाड़ा बासी अन्सेरा जर्राहमोहगांव रोड का मजबूतीकरण का कार्य कुल लं0 20.20 कि0मी0	द्वितीय आमंत्रण	248.11	248110.00	15000.00	08 माह वर्षाऋतु सहित
				कुल योग	248.11			

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र आनलाईन क्रय करने एवं आनलाईन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 09/09/2026 (17.30) बजे निर्धारित है। निविदा की धरोहर राशि (EMD) एवं निविदा तथा अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज आनलाईन ही जमा किये जायेंगें । विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है।

जी-17901/26

कार्यपालन यंत्री,
लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक 1 बालाघाट

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

कार्यालय सेनानी, हॉक फोर्स
कनकी, बालाघाट (म0प्र0)
Email- co-hawk@mppolice.gov.in
दूरभाष 07632-292200

क्रमांक-सेनानी/हॉक/कनकी/एम0टी0/ MT 405 /2026 दिनांक 20/8/2026

:: निविदा सूचना ::
---000---

हॉक फोर्स मुख्यालय कनकी बालाघाट के वाहनों से निकले अनुपयोगी पार्टस/टायर विक्रय हेतु खुली नीलामी के माध्यम से क्रयकर्ताओं को आमंत्रित किया जाता है। नीचे दर्शित निष्प्रयोज्य टायर/पार्टस की खुली नीलामी दिनांक 05/09/2026 को हॉक मुख्यालय कनकी बालाघाट में सम्पन्न कराई जावेगी। क्रयकर्ता को पार्टस/टायर की प्रतिभूति राशि 5000/-(पॉच हजार रू.) की राशि वाहन शाखा हॉक फोर्स कनकी बालाघाट के कार्यालय में जमा कराना अनिवार्य है।

वाहनों से निकला अनुपयोगी वाहन पार्टस एवं टायर की सूची

क्रमांक	अनुपयोगी सामान का नाम	तादाद्
01	1000-20 टायर	02 नग
02	750-16 टायर	55 नग
03	215-75 आर 15 टायर	50 नग
04	मोटर सायकल टायर	37 नग
	कुल योग टायर	
05	लोहा मिक्स	325 कि.ग्रा.
06	प्लास्टिक	10 कि.ग्रा.
07	एल्यूमिनियम	02 कि.ग्रा.
08	बैट्री	20 कि.ग्रा.

नीलामी की मुख्य शर्ते

01- क्रयकर्ता को टायर/पार्टस की प्रतिभूति राशि रू 5000.00/नीलामी के स्थान के कार्यालय **हॉक फोर्स कनकी बालाघाट** मे जमा कराना अनिवार्य है, किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु 7049939168 एवं 9425490014 से संपर्क करे।

02- दिनांक 03/09/2026 को सायः काल कार्यालयीन समय 05:00 बजे तक **नीलामी स्थल के हॉक फोर्स मुख्यालय कनकी बालाघाट** कार्यालय में नगद/डी0डी0 एसबीआई जमा की जावेगी।

03- सुरक्षा निधि राशि नीलामी की समाप्ति पर असफल बोली लगाने पर उसके आवेदन पत्र पर लौटाई जावेगी।

04- बोली स्वीकार होने की स्थिति में पूर्ण राशि 05 दिवस के अन्दर राशि जमा नही की जाती है, तो सुरक्षा निधि राशि को राजसात करके उससे कम बोलीकर्ता को विक्रय की जावेगी। जिसकी बोली ऑफसेट प्राईज से अधिक हो।

05- नीलामी स्वीकृति/अस्वीकृति करने का अंतिम निर्णय समिति का होगा।

06- पार्टस/टायर को खुली नीलामी के माध्यम से उपरोक्त दर्शित स्थान व दिनांक 05/09/2026 को नीलामी की कार्यवाही की जावेगी।

07- बोली स्वीकार होने की दशा में सुरक्षा निधि उसमें समाहित कर दी जावेगी।

जी -17881/26

20/8/2026
सेनानी
हॉक फोर्स,बालाघाट

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की नई डिजिटल साजिश

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर कर रहे सीक्रेट चैटिंग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क द्वारा सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचने के लिए इंटरनेट के अलग-अलग माध्यमों का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर्स कथित तौर पर पोर्नोग्राफी वेबसाइट्स के रियल-टाइम चैट फीचर का इस्तेमाल घाटी में मौजूद संपर्कों तक संदेश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सामान्य सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर निगरानी बढ़ने के बाद आतंकी नेटवर्क संचार के ऐसे माध्यम तलाश रहा है, जिससे उनकी गतिविधियों और पहचान का पता लगाना मुश्किल हो।

सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, कुछ पोर्नोग्राफी प्लेटफॉर्म पर मौजूद रियल-टाइम चैट टूल का मूल उद्देश्य यूजर्स को आपस में जोड़ना होता है। कथित तौर पर आतंकी हैंडलर्स इसी सुविधा का दुरुपयोग कर अपने संपर्कों तक संदेश पहुंचा रहे हैं। एजेंसियों की जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ संदिग्ध नेटवर्क एन्क्रिप्टेड और गुमनाम संचार माध्यमों पर निर्भर हैं। इससे संदेश भेजने वाले और प्राप्त करने वाले की पहचान का पता लगाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

टोर आधारित प्लेटफॉर्म भी जांच के घेरे में

सुरक्षा एजेंसियां टोर नेटवर्क पर आधारित

कुछ मैसेजिंग प्लेटफॉर्म की भी जांच कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसे नेटवर्क में संचार कई स्तरों से होकर गुजरता है, जिससे उपयोगकर्ता की वास्तविक पहचान और लोकेशन का पता लगाना कठिन हो सकता है। जांच एजेंसियों ने कोटेक्स और कोनियन जैसे प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल की भी जानकारी जुटाई है। अधिकारियों के अनुसार, इन माध्यमों का इस्तेमाल कथित तौर पर आतंकी हैंडलर्स और घाटी में उनके संपर्कों के बीच संवाद के लिए किया गया।

बिना नंबर के एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग

जांच में ऐसे विदेशी ऐप्स का भी जिक्र आया है, जिनमें फोन नंबर या सिम कार्ड के बिना एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा उपलब्ध है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए ऐसे प्लेटफॉर्म पर सक्रिय संदिग्धों की पहचान करना अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। कुछ अन्य विदेशी और गुमनाम मैसेजिंग प्लेटफॉर्म भी एजेंसियों की निगरानी में हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इनके अलग-अलग वर्जन में एन्क्रिप्शन और पारंपरिक रजिस्ट्रेशन से बचने जैसी सुविधाएं मौजूद हो सकती हैं।

वीपीएन के जरिए प्रतिबंधित ऐप्स तक पहुंच

अधिकारियों ने यह भी बताया कि भारत में प्रतिबंधित या ब्लॉक किए गए कुछ पोर्नोग्राफी ऐप्स तक पहुंच बनाने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किए जाने के मामले सामने आए हैं। वीपीएन इंटरनेट ट्रैफिक को एन्क्रिप्ट करने और उपयोगकर्ता के वास्तविक आईपी एड्रेस को छिपाने में मदद करता है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती यह है कि ऐसे माध्यमों का इस्तेमाल सामान्य यूजर्स के साथ-साथ आपराधिक या आतंकी नेटवर्क भी कर सकते हैं।

2 प्रतिशत नेटवर्क पर चलने वाले ऐप्स पर भी नजर

जांच के दौरान एजेंसियों को ऐसे ऐप्स की जानकारी मिली है, जो धीमे 2 प्रतिशत और एज नेटवर्क पर भी काम कर सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाकों में कमजोर इंटरनेट कनेक्टिविटी को देखते हुए ऐसे प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया गया। कुछ ऐप्स में अकाउंट बनाने के लिए फोन नंबर या ईमेल की अनिवार्यता नहीं होने से डिजिटल पहचान स्थापित करना और मुश्किल हो सकता है।

वर्चुअल सिम के इस्तेमाल की जांच से खुला मामला

सुरक्षा एजेंसियों की यह जांच विदेशी कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली वर्चुअल सिम तकनीक के कथित इस्तेमाल को रोकने की कार्रवाई के दौरान आगे बढ़ी। वर्चुअल सिम के जरिए वास्तविक मोबाइल सिम के बिना इंटरनेट आधारित नंबरों का इस्तेमाल किया जा सकता है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, आतंकी नेटवर्क पहले भी ऐसी तकनीकों का इस्तेमाल संचार के लिए करता रहा है। 2019 के पुलवामा आतंकी हमले की जांच के दौरान भी वर्चुअल सिम के इस्तेमाल की बात सामने आई थी।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें

-बिलबोर्ड विवाद मामले में टीएमसी सांसद को पुलिस का नोटिस, अब तक 14 गिरफ्तार

कोलकाता। इस हफ्ते की शुरुआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गार्ड्स के बीच हाथापाई हुई थी। बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में मंगलवार दोपहर शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों।

अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है। एफआईआर में डेरेक ओब्रायन और पूर्व विधायक हुमायूं कबीर समेत पार्टी के अन्य नेताओं के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डेरेक ओ ब्रायन को रविवार को नोटिस दिया गया। गुरुवार को अभिषेक बनर्जी के ऑफिस के प्राइवेट गार्ड्स, उनके समर्थकों और पार्टी के कुछ नेताओं की पुलिस और कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के साथ हाथापाई हुई थी। वे उन्हें कैमक स्ट्रीट पर स्थित इमारत में घुसने और एक अनधिकृत बिलबोर्ड को हटाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि वहां मौजूद टीएमसी के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने प्राइवेट गार्ड्स द्वारा विरोध की कोशिशों की खबरों को फर्जी बताया। उन्होंने कहा कि गार्ड्स इमारत के प्रवेश द्वार पर ड्यूटी पर तैनात थे। इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर सड़क की ओर बने लोहे के ढांचे पर लगे टीएमसी के निशान वाले बिलबोर्ड को केएमसी के कर्मचारियों ने हटा दिया, जब पुलिस ज़बरदस्ती अंदर घुस गई। डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया था कि पुलिस एक गैर-कानूनी नोटिस लेकर ऑफिस में घुस गई, वरिष्ठ नेताओं के साथ मारपीट की और पार्टी समर्थकों व ऑफिस के कर्मचारियों के साथ बदसलूकी की।

सोनिया गांधी नागरिकता मामले की फैसला सुनाने की तारीख बढ़ाई

नई दिल्ली। कांग्रेस नेत्री सोनिया गांधी की नागरिकता से जुड़े विवाद में दिल्ली की अदालत ने शनिवार को अपना आदेश टाल दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने 11 सितंबर 2025 के मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली पुनरीक्षण याचिका पर आदेश सुनाने की तारीख बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी है।

मामले की सुनवाई के दौरान सोनिया गांधी की ओर से उनके वकील ने जवाब दाखिल किया। बचाव पक्ष ने शिकायत को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताते हुए कहा कि इसे किसी अन्य उद्देश्य से दायर किया गया है। वकील ने शिकायत के पीछे राजनीतिक मंशा होने का भी आरोप लगाया।

यह शिकायत राउज एवेन्यू अदालत की सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अधिवक्ता विकास त्रिपाठी की ओर से दायर की गई थी। मजिस्ट्रेट अदालत ने शिकायत को खारिज कर दिया था। अब निचली अदालत के इसी फैसले के खिलाफ दायर पुनरीक्षण याचिका पर विशेष अदालत का फैसला 21 सितंबर को आने की संभावना है।

बिहार के 40 नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता रद्द, हजारों छात्रों की चिंता बढ़ी

इंडियन नर्सिंग काउंसिल ने सुविधाविहीन कॉलेजों के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई

पटना। बिहार के नर्सिंग शिक्षा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) ने राज्य के 40 नर्सिंग कॉलेजों की राष्ट्रीय मान्यता रद्द कर दी है। इन संस्थानों में संचालित 45 कोर्स प्रभावित हुए हैं और हजारों छात्रों के भविष्य पर सवाल खड़े हो गए हैं। मान्यता रद्द होने से तय तारीख के बाद इन संस्थानों से डिग्री या डिप्लोमा हासिल करने वाले छात्रों को बिहार के बाहर नौकरी और नर्सिंग रजिस्ट्रेशन में मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

काउंसिल की जांच में कई संस्थानों में निर्धारित मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आई। कुछ निजी नर्सिंग कॉलेज महज दो कमरों में संचालित पाए गए। कई संस्थानों में पर्याप्त संख्या में योग्य शिक्षक नहीं थे, जबकि कुछ जगह शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता से जुड़े दस्तावेज भी स्पष्ट नहीं पाए गए। क्लिनिकल लैब और अन्य जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी भी कार्रवाई की प्रमुख वजह बनी।

बैक डेट से मान्यता रद्द होने से बढ़ी परेशानी

काउंसिल ने अलग-अलग संस्थानों की मान्यता अलग-अलग पिछली तारीखों से रद्द की है। ऐसे में संबंधित तारीख के बाद इन संस्थानों से पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के सामने डिग्री की मान्यता को लेकर गंभीर संकट पैदा हो गया है। इससे उनकी आगे की नौकरी, रजिस्ट्रेशन और उच्च शिक्षा की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

दूसरे राज्यों में रजिस्ट्रेशन पर असर

मान्यता रद्द होने का सबसे बड़ा असर छात्रों के अंतरराज्यीय रोजगार पर पड़ सकता है। प्रभावित संस्थानों से पढ़े अभ्यर्थियों के लिए दूसरे राज्यों के नर्सिंग काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराने में दिक्कत होगी। रजिस्ट्रेशन नहीं होने की स्थिति में वे दूसरे राज्यों में निकलने वाली नर्सिंग की सरकारी और निजी नौकरियों के लिए पात्र नहीं हो पाएंगे।

एम्स, रेलवे और केंद्रीय अस्पतालों की भर्तियों में भी मुश्किल

मान्यता संबंधी समस्या का असर केंद्र सरकार की नौकरियों पर भी पड़ सकता है। एम्स, रेलवे और केंद्रीय अस्पतालों में नर्सिंग ऑफिसर समेत अन्य पदों के लिए होने वाली भर्तियों में मान्य संस्थान से प्राप्त योग्यता और आवश्यक रजिस्ट्रेशन जरूरी होता है। ऐसे में प्रभावित छात्रों के लिए केंद्रीय सेवाओं में अवसर सीमित हो सकते हैं। विदेशों में नर्सिंग की नौकरी या उच्च शिक्षा के लिए आवेदन करने वाले छात्रों के सामने भी परेशानी खड़ी हो सकती है। राष्ट्रीय स्तर की मान्यता खत्म होने से उनकी शैक्षणिक योग्यता की स्वीकार्यता पर सवाल उठ सकता है।

सरकारी संस्थान भी कार्रवाई की चपेट में

इस कार्रवाई की खास बात यह है कि केवल निजी संस्थान ही नहीं, बल्कि कुछ बड़े सरकारी और चिकित्सा संस्थानों से जुड़े नर्सिंग संस्थान भी निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर पाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ऐसे कॉलेजों में पीएमसीएच पटना का जीएनएम नर्सिंग इंस्टीट्यूट, भगवान महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, पावापुरी का बीएससी नर्सिंग कॉलेज और भागलपुर मेडिकल कॉलेज का जीएनएम स्कूल शामिल हैं।

नाबालिग से यौन शोषण केस में उद्योगपति गिरफ्तार

चेन्नई। नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन शोषण के मामले में उद्योगपति वीरमणी, उनकी सहयोगी शांति और शांति के पति महेंद्र चिक्कन को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक 6 अक्टूबर 2025 को चेन्नई में एक अज्ञात व्यक्ति ने चेन्नई पुलिस के एक अधिकारी को शिकायत के साथ एक पेनड्राइव सौंपी थी। कहा गया कि पेन ड्राइव में एक वीडियो है, जिसमें उद्योगपति वीरमणी अपनी सहयोगी शांति के बेडरूम में कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की के साथ यौन अपराध करते हुए दिख रहे हैं। शिकायत के बाद जब पेन ड्राइव की जांच की गई तो इसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति नाबालिग लड़की के साथ यौन अपराध करता पाया गया। शिकायत के आधार पर चेन्नई पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज किया। वीडियो की गहनता से जांच हुई तो पता चला कि वीडियो में दिख रहा शख्स चर्चित उद्योगपति वीरमणी है।

भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों को नई उड़ान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के तहत 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 5 अरब डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों की आकांक्षाएं एक जैसी हैं और वे व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में है और इस क्षेत्र के साथ भारत की भागीदारी के केंद्र में है। उन्होंने उल्लेख किया कि 2026 में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो जाएंगे। मोदी ने कहा कि दोनों देश अब अपने संबंधों को एक व्यापक और अधिक महत्वाकांक्षी ढांचा देने की दिशा में काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान की सोच और आकांक्षाओं में गहरी समानताएं हैं। युवा, नवाचार, समावेशी विकास और आधुनिक प्रौद्योगिकी, यंग उज्बेकिस्तान और डेवलप्ड इंडिया 2047 दोनों के मूल सिद्धांतों में निहित हैं। इसी साझा दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, हम दोनों देशों के लोगों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस विशेष अवसर पर, हमने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा द्विपक्षीय व्यापार 1 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। अब हमने 2030 तक 5 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है।

रक्षा एवं सुरक्षा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास के माध्यम से रक्षा और सुरक्षा सहयोग का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास को दर्शाता है। भविष्य में हम दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास को बढ़ावा देंगे। मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करते हैं। इन खतरों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बनाए रखना हमारा साझा संकल्प रहा है और आगे भी रहेगा। प्रधानमंत्री ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और पारंपरिक चिकित्सा में सहयोग पर भी जोर दिया और कहा कि दोनों देशों की ताकतें एक-दूसरे की पूरक हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान के बागवानी के अनुभव और भारत की आधुनिक कृषि पद्धतियों को मिलाकर हम दोनों देशों की खाद्य सुरक्षा में योगदान देंगे। उज्बेकिस्तान की औषधीय जड़ी-बूटियां और भारत की आयुर्वेद विशेषज्ञता एक स्वाभाविक संयोजन है।

जब बार काउंसिल का सम्मान उसके सदस्य ही न करें-छलका सुप्रीम कोर्ट के जज का दर्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जज बी.वी. नागरत्ना ने दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 13वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर कानूनी व्यवस्था की मौजूदा चुनौतियों पर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था लंबित मामलों, देरी और बढ़ती लागत जैसी समस्याओं से परेशान है। जस्टिस नागरत्ना ने वकीलों से अपनी सोच बदलने, अपनी भूमिका पर पुनर्विचार करने और न्याय व्यवस्था को बनाए रखने के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया।

उन्होंने बार काउंसिल पर गंभीर सवाल उठाकर कहा कि यदि किसी बार काउंसिल को उसके सदस्य ही सम्मान नहीं देता, तब यह कानूनी पेशे के भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं। उन्होंने बार काउंसिल से पेशेवर नैतिकता, सदाचार और दक्षता बनाए रखने में अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करने का आग्रह किया। जस्टिस नागरत्ना ने वकीलों को चेतावनी दी कि उन्हें परेशान वादियों को न्याय दिलाने और लोकतंत्र को मजबूत करने के प्रति अपने कर्तव्यों पर विचार करना चाहिए, अन्यथा वे भविष्य में अपनी प्रासंगिकता खो सकते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा होना हमारी न्याय व्यवस्था और देश में कानून के शासन के लिए विनाशकारी होगा। जस्टिस नागरत्ना की यह टिप्पणी तब आई है जब बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) स्वयं विवादों में घिरी हुई है। बीते दिनों, सीजेआई सूर्यकांत ने भी बीसीआई पर छात्रों और न्यायपालिका के बीच अनावश्यक हस्तक्षेप के लिए फटकार लगा दी थी। यह विवाद हैदराबाद की नालसार यूनिवर्सिटी के छात्रों द्वारा सीजेआई के एक वीडियो टिप्पणी के विरोध के बाद पैदा हुआ था, जिसके जवाब में बीसीआई चेयरमैन मनन मिश्रा ने छात्रों का पंजीकरण न करने का फैसला किया था, हालांकि बाद में उन्हें यह निर्णय वापस लेना पड़ा।

कर्नाटक एसआईआर : दावे व आपत्तियां दर्ज कराने समय अवधि बढ़ाने की मांग

-सीएम शिवकुमार बोले- ऐसी मतदाता सूची तैयार हो जिस पर लोग कर सकें भरोसा

बेंगलुरु। कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार ने राज्य में चल रही एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची के सत्यापन के लिए ज्यादा समय देने और दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग से यह भी तय करने का आग्रह किया कि कोई भी वास्तविक मतदाता मतदाता सूची से बाहर न हो। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर सीएम शिवकुमार का पत्र साझा करते हुए कहा कि कर्नाटक में एसआईआर प्रक्रिया के जरिए बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने की आशंका है और सीएम ने इस संबंध में मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर चिंता जताई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम शिवकुमार ने 25 अगस्त को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखे पत्र में बताया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं को एएसडीडीओ श्रेणी में रखा गया है। पत्र के मुताबिक कर्नाटक के कुल 5.54 करोड़ मतदाताओं में से करीब 1.08 करोड़ मतदाता इस श्रेणी में शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 24 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद करीब 43.8 लाख मतदाताओं को तार्किक विसंगतियों या 2002 की मतदाता सूची से लिंक न होने के कारण सत्यापन नोटिस भेजे जाने की संभावना है। शिवकुमार ने विशेष रूप से बेंगलुरु का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां अकेले 46.88 लाख मतदाता एएसडीडीओ श्रेणी में रखे गए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय पर दावे दाखिल नहीं किए गए तो करीब 1.5 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटने का खतरा पैदा हो सकता है। सीएम शिवकुमार ने कहा कि ‘अनुपस्थित’ श्रेणी में शामिल कई लोग वास्तविक मतदाता हो सकते हैं, जो नौकरी, स्वास्थ्य या अन्य कारणों से गणना प्रपत्र जमा नहीं कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मतदाता जिन्होंने अपना निवास या मतदान केंद्र बदला है और बूथ स्तर अधिकारियों की घर-घर सत्यापन प्रक्रिया से छूट गए हैं, उन्हें भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्थान परिवर्तन किसी व्यक्ति को मताधिकार से वंचित करने का कारण नहीं बनना चाहिए।

सीएम शिवकुमार ने चुनाव आयोग के सामने चार प्रमुख मांगें रखीं। इनमें दावे दर्ज कराने की अवधि बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में वार्ड समिति और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामसभा बैठकों का आयोजन सुनिश्चित करना, मतदाताओं को जवाब देने के लिए तीन से चार सप्ताह का पर्याप्त समय देना और ज्यादा एएसडीडीओ मामलों वाले जिलों में अतिरिक्त अधिकारियों की तैनाती शामिल है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामसभा और वार्ड समिति बैठकों, जागरूकता अभियानों तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में चुनाव आयोग को पूरा सहयोग देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि ‘उद्देश्य ऐसी मतदाता सूची तैयार करना होना चाहिए, जिस पर कर्नाटक के लोग भरोसा कर सकें।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने किया ऐलान...

सत्ता में आए तो 3 महीने में कराएंगे जातीय जनगणना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। इस बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को राजधानी लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने योगी सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कहा कि झुझौतिखण्ड गढकुंढार नरेश महाराजा खेतसिंह खंगार जूदेव जी को वह सम्मान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि महाराजा खंगार की प्रतिमा लखनऊ की प्रतिष्ठित जगह पर लगाई जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि गोमती नदी के किनारे हम महाराजा खेतसिंह खंगार की प्रतिमा लगवाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जाति जनगणना हो और खंगार समाज को सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में उनकी सरकार आती है तो वो 3 महीने में जाति जनगणना करवाएंगे और उन्हें सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि अकर्वंशी, खंगार समाज के लोग धोखा खाए हैं।

सपा प्रमुख ने कहा कि झांसी में जब वो प्रतिमा लगाने के लिए गए तब लोगों ने कहा पहली बार हेलीकॉप्टर आया है। उन्होंने कहा कि झांसी की उस रैली में बड़ी संख्या में लोग आए थे। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने पर अर्कवंशी खंगार समाज के लोग लाल बत्ती लगा कर अपने घर जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोगों ने महाराजा खेतसिंह खंगार की प्रतिमा लगाई लेकिन वो भ्रष्टाचार से बनी थी और टूट गई।

महिलाओं को 40 हजार रुपए देने का वादा

अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने अपने पहले प्रधानमंत्री और पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की प्रतिमा लगाई और बोले कि वो पीतल की है, लेकिन जब बारिश हुई तो पता चला कि वो तो मिट्टी की है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार खंगार समाज के राजा की अष्टधातु की प्रतिमा लगाएगी और सरकार बनने पर इस समाज को एडजस्ट करेंगे। उन्होंने ऐलान किया कि सपा सरकार बनते ही महिलाओं को 40 हजार रुपए दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद खंगार समाज को कुछ नहीं मिला हम कन्या विद्या धन ,और अन्य राहत देंगे।

एक्सप्रेस वे को लेकर सरकार को घेरा

अखिलेश यादव ने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे पीएम मोदी के उद्घाटन के बाद टूट गया। गंगा एक्सप्रेस वे धंस गया। कानपुर एक्सप्रेस खत्म हो गया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि इनकी स्पेस टेक्नोलॉजी कहां है। उन्होंने कहा कि हर दिन एक्सप्रेस वे टूट रहा आखिर डिजाइन करने वाला कौन है।

कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल

पूर्व सीएम ने उत्तर प्रदेश पुलिस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस का एक ही काम चल रहा है हथेली गर्म पुलिस नर्म। उन्होंने कहा कि आज पुलिस की हिम्मत कौन बढ़ा रहा है। उन्होंने अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर कहा कि दूसरे प्रदेश के माफिया आकर प्रदेश में 18 गोलियां मार कर चले गए। उन्होंने कहा कि बालियान का पूरा परिवार न्याय मांग रहा है। उन्होंने कहा कि यह लूट वाली सरकार है। कन्नौज में उत्तर प्रदेश का पहला सीओ2 मिल्क प्लांट भी बेच दिया है। क्लार्क होटल के बगल की कीमती जमीन बेच दी।

इन लोगों ने राम मंदिर को भी नहीं छोड़ा

अखिलेश यादव ने राम मंदिर दान चोरी के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि मंदिर के सामने कई लोग दान मांगते हैं। लेकिन जो मंदिर में चोरी नहीं करते हैं। मगर इन्होंने मंदिर को भी नहीं छोड़ा है। उन्होंने कहा कि यह लोग अधर्मी लोग हैं। इस बार इनको कोई माफ़ नहीं करेगा। यह लोग मिलावटी लोग हैं। पेट्रोल मिलावटी है, चीनी महंगी है। उन्होंने कहा कि ये मिलावटी लोग है, पेट्रोल में भी मिलावट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 26 हजार स्कूल जो बंद हुए हैं, जिसे उनकी सरकार खोलेगी।

अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह संपति विवाद में पहुंचे थाने, चाची समेत 7 पर मामला दर्ज

अलीगढ़। अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह परिवार के संपत्ति बंटवारे के विवाद से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अपनी चाची, चचेरे भाई-बहन समेत सात लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी और फर्जी दस्तावेज के आधार पर पैतृक हवेली और करोड़ों की संपत्ति हड़पने का मुकदमा पंजीकृत कराने के बाद वह अपने भाई और फिल्म निर्देशक अभिमन्यु सिंह के साथ पुलिस थाने पहुंचे। दोनों भाइयों से करीब आधे घंटे तक पूछताछ की गई। इस दौरान दोनों ने संपत्ति से संबंधित दस्तावेज जांच अधिकारी को सौंपे। बता दें पैतृक हवेली खैर रोड स्थित जलालपुर में है। यह 1885 में बनी थी यह करीब 10 एकड़ क्षेत्र में फैली है। इससे जुड़ी करीब 56 एकड़ जमीन है। चंद्रचूड़ सिंह के पिता कैप्टन बलदेव सिंह सेना में थे और अवकाश के दिनों में यहां आते थे। उनके छोटे भाई पुण्य प्रताप सिंह और गंगा सिंह हवेली में रहते थे और जमीन की देखभाल और खेती करते थे। कैप्टन बलदेव सिंह के तीनों बेटे चंद्रचूड़ सिंह, अभिमन्यु सिंह और नारायण सिंह फिल्मी क्षेत्र से जुड़े होने के कारण मुंबई में रहते हैं। उनके चाचा पुण्य प्रताप सिंह और गंगा सिंह के परिवार के सदस्य विदेश में रहते थे। रिपोर्ट के मुताबिक सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद बलदेव सिंह राजनीति में आए और विधायक बने। तब यहां रहने लगे। बाद में बलदेव सिंह और उनके भाई पुण्य प्रताप सिंह का निधन हो गया है। गंगा सिंह का अक्टूबर 2025 में निधन हुआ था। तब चंद्रचूड़ सिंह परिवार के साथ पैतृक हवेली पहुंचे थे। आरोप है कि गंगा सिंह की पत्नी गायत्री देवी ने उन्हें हवेली में प्रवेश करने से रोक दिया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में चंद्रचूड़ सिंह को हवेली में प्रवेश कराया गया था। इसी घटनाक्रम के बाद पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद खुलकर सामने आया।

चंद्रचूड़ सिंह और अभिमन्यु सिंह का आरोप है कि उनके दादा हरेंद्र पाल सिंह की गंभीर बीमारी का फायदा उनके चाचा गंगा सिंह ने उठाया। हरेंद्र पाल सिंह के निधन से एक दिन पहले 30 जनवरी 1997 को फर्जी वसीयत तैयार कराकर उनके नाबालिग पुत्र जय सिंह के नाम संपत्ति करा ली गई। 1995 की वसीयत पंजीकृत है, जिसमें पैतृक संपत्ति तीनों पुत्रों में बराबर बांटी गई है। करीब 150 करोड़ रुपए की पैतृक संपत्ति पहले ही बेची जा चुकी है। इस मामले को लेकर वह 2025 में नवंबर और दिसंबर में एसएसपी और डीएम से मिले थे।

न्यूज़ गैलरी

ग्रामीण थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की फांसी लगाने से मौत

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मगरदर्रा के तुमडीटोला में इसी ग्राम के एक व्यक्ति हरिचंद पिता बाडूलाल कटरे 35 वर्ष की आम के बगीचे में फांसी लगाने से मौत हो गई। इस व्यक्ति के द्वारा बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या की जाने की संभावना व्यक्त की जा रही है ग्रामीण पुलिस ने इस इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिश्चंद्र कटरे खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में पत्नी दो बच्चे माता-पिता की अलावा अन्य लोग भी है। बताया गया है कि हरिश्चंद्र शराब पीने का आदी था और वह बीमारी से परेशान रहता था। 29 अगस्त को ही हरिचंद की बहने रक्षाबंधन का पर्व मना कर अपने ससुराल गई थी। रात में हरिचंद ने अपने परिवार के साथ खाना खाया और सो गया था। 30 अगस्त को सुबह 4:00 हरिचंद अपने बिस्तर में नहीं था। परिजनों ने गांव मोहल्ले में तलाश किया किंतु वह नहीं मिला इसके बाद परिजनों ने हरिचंद की गांव के बाहर तलाश करते रहे इसी दौरान गांव के पटेल के बगीचे में आम के पेड़ में हरिचंद फांसी पर लटका हुआ देखे। हरिचंद ने पेड़ में गमछा बांधकर फांसी लगा ली थी और उसकी मौत हो चुकी थी। जिसकी रिपोर्ट ग्रामीण थाना में की गई। जहां से उप निरीक्षक उमेश मिश्रा अपने स्टाफ के साथ ग्राम तुमड़ीटोला पहुंचे और मृतक हरिश्चंद्र का शव अपने कब्जे में लिए पंचनामा कार्यवाही पश्चात हरिश्चंद्र का शव जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया गया है संभावना व्यक्त की यही की हरिश्चंद्र ने शराब के नशे में या बीमारी से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ग्रामीण पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

बैगा विकास प्राधिकरण पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

विधायक संजय बोले- नई घोषणा से पहले पुरानी व्यवस्था का हिसाब दे सरकार, बच्चों की मौत, कुपोषण, टीकाकरण और मोबाइल मेडिकल यूनिट को लेकर भी सरकार पर निशाना

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज़। बालाघाट।

प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा जिले के 100 बैगा बहुल्य ग्रामों के विकास के लिए बैगा विकास प्राधिकरण के गठन और 225 करोड़ रुपए की राशि की घोषणा किए जाने के बाद जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उइके ने सरकार की घोषणा पर सवाल खड़े किए हैं। रविवार को स्थानीय सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए विधायक उइके ने कहा कि सरकार को नई घोषणा करने से पहले यह बताना चाहिए कि पहले से संचालित बैगा विकास प्राधिकरण के माध्यम से आई राशि का कितना उपयोग हुआ और बैगा समुदाय के विकास के लिए अब तक क्या काम किए गए।

1978 से प्राधिकरण, 2014 में राज्य सरकार ने भी किया था गठन

विधायक संजय उइके ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 1978 से बैगा विकास प्राधिकरण का गठन किया गया था। इसके बाद वर्ष 2014 में तत्कालीन राज्य सरकार ने भी बैगा विकास प्राधिकरण का गठन किया। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के माध्यम से बैगा समुदाय के विकास के लिए राशि भी आती रही, लेकिन इस राशि का कितना उपयोग हुआ और बैगा बहुल क्षेत्रों में उसका कितना प्रभाव पड़ा, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।उइके ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के गठन के बाद से बैगा विकास प्राधिकरण को मिलने वाली राशि ही बंद हो गई। ऐसे में अब मुख्यमंत्री द्वारा नए सिरे से प्राधिकरण और विकास के लिए राशि की घोषणा किए जाने पर सरकार को पुरानी व्यवस्था और उसके बजट का भी हिसाब सार्वजनिक करना चाहिए।

225 करोड़ की घोषणा, लेकिन खर्च का पैमाना तय नहीं

बैहर विधायक ने मुख्यमंत्री की 225 करोड़ रुपए की घोषणा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जिले के 100 बैगा बहुल्य ग्रामों के विकास के लिए इतनी बड़ी राशि की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि विकास का पैमाना क्या होगा। उन्होंने कहा कि राशि कहां खर्च होगी, किन-किन गांवों को इसमें शामिल किया जाएगा, किस विभाग को कितनी राशि मिलेगी और किन कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, यह तय नहीं किया गया है। ऐसे में केवल घोषणा करने से बैगा क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। सरकार को योजना का स्पष्ट खाका और उसके क्रियान्वयन की समयसीमा भी सार्वजनिक करनी चाहिए।

बच्चों की मौत पर जिम्मेदारी तय नहीं होने का आरोप

विधायक उइके ने जिले के आदिवासी अंचल में बीमारी से बच्चों की मौत के मामले को भी गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि महामारी की स्थिति के बीच दो दर्जन से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है, लेकिन अभी तक किसी अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदारी तय नहीं की गई है।उन्होंने कहा कि बैगा बहुल्य ग्रामों में बच्चों में कुपोषण की समस्या गंभीर है। कई स्थानों पर टीकाकरण का कार्य भी अपेक्षित रूप से नहीं हो पाया और टेक होम राशन का वितरण भी प्रभावित रहा। ऐसे में संबंधित विभागों और अधिकारियों की जवाबदारी तय होना जरूरी है।

6 मोबाइल मेडिकल यूनिट मिलीं, दो कहां गईं?'

विधायक ने जिले में संचालित मेडिकल मोबाइल यूनिट की व्यवस्था पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से जिले को छह मेडिकल मोबाइल यूनिट प्रदान की गई हैं, लेकिन वर्तमान में केवल चार यूनिट का ही संचालन हो रहा है। दो मोबाइल मेडिकल यूनिट कहां हैं और उनका संचालन क्यों नहीं हो रहा, इसका जवाब सरकार को देना चाहिए।उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त एक एंबुलेंस का संचालन एनजीओ के माध्यम से किया जा रहा है। उइके ने कहा कि जब आदिवासी और बैगा बहुल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे अधिक जरूरत है, तब स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े संसाधनों का पूरी क्षमता से संचालन किया जाना चाहिए।

घोषणा नहीं, धरातल पर चाहिए विकास

विधायक संजय उइके ने कहा कि बैगा समुदाय के विकास के लिए सरकार की घोषणाओं का स्वागत है, लेकिन इन घोषणाओं का लाभ वास्तविक रूप से बैगा परिवारों और गांवों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिर्फ प्राधिकरण बनाने और करोड़ों रुपए की घोषणा करने से विकास नहीं होगा, बल्कि राशि के उपयोग की पारदर्शी व्यवस्था, विभागों की जवाबदारी और कार्यों की निगरानी सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने सरकार से मांग की कि बैगा विकास के लिए पूर्व में आवंटित और खर्च की गई राशि का हिसाब सार्वजनिक किया जाए, 225 करोड़ रुपए की नई राशि के उपयोग की कार्ययोजना बताई जाए तथा आदिवासी अंचल में बच्चों की मौत के मामले में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित संबंधित विभागों की जवाबदारी तय की जाए।

स्कॉर्पियो की चपेट में आए मां-बेटे, दोनों घायल

बूढ़ी रोड पर अंडे की दुकान के सामने हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। स्थानीय बस स्टैंड धर्मशाला के पीछे बूढ़ी रोड पर रविवार शाम एक स्कॉर्पियो वाहन की चपेट में आने से मां-बेटा घायल हो गए। हादसे में घायल दोनों को स्कॉर्पियो चालक जिला अस्पताल बालाघाट लेकर पहुंचा और भर्ती कराने के बाद वहां से चला गया। घायलों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है। घायल महिला मन्तरा बाई पति कुंवर मेश्राम लगभग 60 वर्ष तथा उसके बेटे महेश पिता कुंवरलाल मेश्राम 35 वर्ष ग्राम बोरगांव, थाना किरनापुर निवासी बताये गये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मन्तरा बाई अपने दो बेटों महेश मेश्राम और दिनेश मेश्राम के साथ करीब एक माह से बालाघाट में रह रही हैं। तीनों नगर में घूमकर कबाड़ बीनने और उसे बेचने का काम करते हैं तथा रात में शहर में ही किसी स्थान पर रुक जाते हैं। 30 अगस्त को दोपहर में तीनों ने शहर में कबाड़ बीनकर बेचने के बाद बूढ़ी रोड स्थित धर्मशाला के पीछे एक अंडे की दुकान के सामने बैठकर समय बिताया। जानकारी के अनुसार उस समय तीनों शराब के नशे में थे। इसी दौरान दिनेश मेश्राम चावल लेने के लिए चला गया। जबकि मन्तरा बाई अपने बड़े बेटे महेश के साथ सड़क किनारे बैठी थीं। इसी बीच शाम करीब 5 बजे वहां से गुजर रही एक स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे बैठे मन्तरा बाई और महेश को टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों घायल हो गए। घटना के बाद स्कॉर्पियो चालक दोनों घायलों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां उन्हें भर्ती कराया गया।जानकारी के अनुसार हादसे के समय मां-बेटे के शराब के नशे में होने की बात सामने आई है। फिलहाल दुर्घटना के वास्तविक कारणों और स्कॉर्पियो चालक की पहचान को लेकर पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

फटे नोट को लेकर शराब भट्टी में विवाद

हाथ-बुक्के और डंडे से हमला कर किये घायल

पद्मेश न्यूज़। बालाघाट। नगर के बैहर चौकी अंतर्गत मरारी मोहल्ला स्थित शराब भट्टी में शराब खरीदने पहुंचे एक मजदूर के साथ 10 रुपये के फटे नोट को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान अनुज सोनी ने लियाकत अली के साथ हाथ-बुक्के और डंडे से मारपीट कर दी। जिससे वह घायल हो गया। घायल लियाकत अली पिता मस्जिद अली 35 वर्ष मरारी मोहल्ला बालाघाट निवासी है। जिसका का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार लियाकत अली मरारी मोहल्ला निवासी मजदूरी करते है। 29 अगस्त की शाम करीब 7.30 बजे लियाकत अली मरारी मोहल्ला स्थित शराब भट्टी में शराब खरीदने गया था। बताया गया है कि उसके पास 10 रुपये का फटा नोट था, जिसे लेकर शराब दुकान वाले से उसकी बहस हो गई।इसी दौरान वहां अनुज सोनी पहुंचा और लियाकत अली के साथ हाथ-बुक्के तथा डंडे से मारपीट कर दी। मारपीट में लियाकत अली घायल हो गया। घटना के बाद घायल को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती कराया गया।जहां उसका उपचार किया गया।घटना की जानकारी मिलने पर जिला अस्पताल पुलिस ने घायल लियाकत अली का बयान दर्ज किया। इसके बाद अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए कोतवाली थाना भेज दी गई है। मामले में पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट